खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 13 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-339

नरसिंग-मयूर उजड़े

जीएचएमसी ने हटाए 15 अतिक्रमण

जीएचएमसी ने आबिड्स में तिलकनगर रोड पर नरसिंग चाट, मयूर पान हाउस के पास लगभग आधे किलोमीटर के दायरे में स्थित 15 अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया।

ये अतिक्रमण मुख्य रूप से खाद्य विक्रेताओं द्वारा अपनी दुकानों के बाहर लगाए गए अस्थायी ढांचे थे। कुछ ने बैठने की व्यवस्था कर रखी थी, जबकि अन्य ने खाना पकाने के उपकरण और अतिरिक्त बिक्री काउंटर लगा रखे थे। अधिकारियों ने बताया कि कुछ इकाइयों ने सड़क के हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया था और अपनी दुकानों के सामने कंक्रीट का निर्माण कर लिया था, जिससे सड़क की चौड़ाई कम हो गई थी। जीएचएमसी के अनुसार, इन प्रतिष्ठानों को सड़क की जगह पर अतिक्रमण न करने की कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा, इन प्रतिष्ठानों में पार्किंग की सुविधा नहीं है, इसके अतिरिक्त, वे सड़क पर अतिक्रमण करते हैं, और उनके ग्राहकों के वाहन भी सड़क के हिस्से पर कब्ज़ा कर लेते हैं, जिसके परिणामस्वरूप यातायात बार-बार जाम होता है।

12 ज़ोन में बंटेगा जीएचएमसी

हर 5 पर 1 सर्किल

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आस-पास की 27 नगरपालिकाओं के विलय और जीएचएमसी के 150 से बढाकर 300 वार्डों तक विस्तार के साथ, हैदराबाद नगर निकाय एक बड़े प्रशासनिक पुनर्गठन के लिए तैयार है। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित योजना में मौजूदा 6 जोन को बढ़ाकर 12 और वर्तमान 30 सर्किलों को बढ़ाकर 60 करना शामिल है, ताकि विस्तारित क्षेत्रों में बेहतर सेवा वितरण, विकेंद्रीकृत शासन और बेहतर नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें।

जीएचएमसी अब लगभग 2,053 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें टीसीयूआर और ओआरआर के भीतर और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। प्रस्तावित संरचना के तहत, प्रत्येक 60 सर्किल पांच वार्डों की देखरेख करेंगे, जबकि 12 जोन प्रत्येक 25 सर्किलों की देखरेख करेंगे, जिससे कड़ी निगरानी और अधिक कुशल प्रबंधन संभव होगा। विस्तारित क्षेत्रों में संपूर्ण हैदराबाद जिला और रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरि और संगारेड्डी जिलों के कुछ हिस्से शामिल हैं।

अधिकारियों ने कहा कि बढ़ती आबादी और क्षेत्रफल के प्रबंधन के लिए पुनर्गठन आवश्यक हो गया है।

प्रत्येक वार्ड में अब लगभग 50,000 व्यक्ति होंगे, और जनसंख्या में भिन्नता औसत के 10% तक सीमित रहेगी। नई सीमाएँ प्राकृतिक विशेषताओं और निकटता को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई हैं। ज़ोन और सर्किलों को जोड़ने से प्रशासनिक बोझ कम होने और शिकायत निवारण में सुधार होने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नागरिक समस्याएँ हैं, और सर्किलों की संख्या बढ़ाने से स्थानीय अधिकारियों को समस्याओं का प्रभावी ढंग से समाधान करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें गुरुवार को 280 आवेदन/सुझाव प्राप्त हुए।

मकसद मजलिस को फायदा पहुँचाना

भाजपा ने राज्य सरकार पर 27 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) का जीएचएमसी में विलय करने और 300 वार्डों के परिसीमन को ''जल्दबाजी और अपारदर्शी तरीके से'' अधिसूचित करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि यह प्रक्रिया सत्ताधारी दल की ''तुष्टीकरण की राजनीति'' को दर्शाती है और उसे मिली जानकारी के अनुसार, एआईएमआईएम नेताओं ने सरकार के मौन समर्थन से चुनावी लाभ हासिल करने के लिए इस प्रक्रिया को प्रभावित किया। भाजपा की चुनाव आयोग मामलों की समिति के अध्यक्ष मर्री शशिधर रेड्डी ने चुनावी क्षेत्रों के हेरफेर को ''लोकतांत्रिक निष्पक्षता के लिए एक गंभीर खतरा'' बताते हुए, जीएचएमसी से पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वार्ड पुनर्गठन में उपयोग किए गए सभी डेटा, मानचित्र और मानदंडों का खुलासा करने का आग्रह किया।

यूपी भाजपा अध्यक्ष की घोषणा से पहले सियासत गरम

पंकज चौधरी सबसे आगे या आएगा कोई सरप्राइज ?

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में सबसे ज्यादा लोकसभा सीट वाला उत्तर प्रदेश पर एक बार फिर सबकी नजरें टिकी हैं। कारण, यूपी में शनिवार 13 दिसंबर को तय होगा कि बीजेपी का अध्यक्ष कौन होगा? दिल्ली से लखनऊ तक हलचल है। कई नामों की चर्चा है। इन सबके बीच सब जानना चाहते हैं कि क्या यूपी में बीजेपी अध्यक्ष का सरप्राइज चेहरा सामने आने वाला है? इसको लेकर दिल्ली से लेकर लखनऊ तक बहुत लंबा मंथन हो चुका है। अब बस ऐलान बाकी है।

इस बीच यह भी जानकारी सामने आई है कि केंद्र सरकार में वित्त राज्यमंत्री और महाराजगंज से सातवीं बार सांसद बने पंकज चौधरी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कर सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि उनके नाम की चर्चा पिछले कई दिनों से चल रही है और अब संभावना है कि वे शनिवार को औपचारिक रूप से

दिल्ली से लखनऊ तक तेज हलचल नामांकन कल, सस्पेंस बरकरार

6 नामों की तेज चर्चा : क्या केशव प्रसाद मौर्य होंगे सरप्राइज चेहरा?

ओबीसी कार्ड पर भाजपा का बड़ा दांव, वोट शेयर गिरने के बाद रणनीति बदली

चुनाव में उतरेंगे। पंकज चौधरी ओबीसी समाज से आते हैं। हालांकि सस्पेंस अभी भी बरकरार है । क्योंकि कहा ये भी जा रहा है कि बीजेपी आखिरी समय पर चौंकाने वाले चेहरे का भी ऐलान कर सकती है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ अगर यूपी में मयोगी बहुत हैं उपयोगीफ बताकर प्रधानमंत्री की तरफ से आगे किए गए, तो अब यूपी में सरकार के मुखिया के साथ संगठन के मुखिया के तौर पर योगी का उपयोगी चेहरा कौन बनेगा? इसका ऐलान शनिवार शाम तक हो सकता है। कारण, शनिवार को दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का नामांकन होगा। फिर शाम 5 बजे तक नामांकन वापसी के लिए वक्त तय है। अगर अगर दो लोगों ने नामांकन नहीं किया तो शनिवार को ही यह तय हो जाएगा कि अगला प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी का अगल अध्यक्ष होगा कौन, ये फाइनल हो चुका है। दिल्ली में गुरुवार को बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व और संगठन मंत्री बीएल संतोष के साथ मौजूदा अध्यक्ष ▶10पर

तेलंगाना के भाजपा सांसदों से मोदी नाखुश!

सोशल मीडिया पर कमज़ोर प्रदर्शन और विपक्ष की भूमिका पर जताई नाराज़गी

सांसदों के साथ अनौपचारिक नाश्ता बैठक में पीएम की सख्त सलाह

हैदराबाद/नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कथित तौर पर तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कामकाज के तरीके पर असंतोष व्यक्त किया है, खासकर सोशल मीडिया पर उसके सुस्त प्रदर्शन को लेकर। मोदी ने तेलंगाना की तुलना एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की सक्रियता से करते हुए नाराज़गी जताई।गुरुवार को संसद भवन में आयोजित एक अनौपचारिक नाश्ता बैठक में प्रधानमंत्री ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के सांसदों के साथ मौजूदा राजनीतिक स्थिति की समीक्षा की। ▶10पर

शिवराज पाटिल नहीं रहे

90 वर्ष की उम्र में महाराष्ट्र के लातूर में ली अंतिम सांस

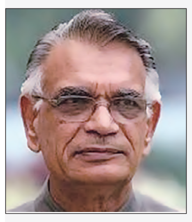

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को महाराष्ट्र के लातूर में निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री पाटिल ने शुक्रवार को सुबह लगभग 6:30 बजे लातूर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार थे और लातूर में ही उनका इलाज चल रहा था। श्री पाटिल ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में केंद्रीय गृहमंत्री और रक्षा मंत्री सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वह लोकसभा अध्यक्ष भी रहे। बारह अक्टूबर 1935 को जन्मे श्री पाटिल महाराष्ट्र के लातूर से सात बार सांसद रहे। ▶10पर

'हाई कोर्ट में कुछ गड़बड़ है'

सुप्रीम कोर्ट ने करूर भगदड़ मामले में एसआईटही जांच रद्द करने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को करूर भगदड़ मामले की सुनवाई के दौरान मद्रास हाई कोर्ट की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की भेजी गई रिपोर्ट पर गंभीर टिप्पणी की। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की तरफ से करूर भगदड़ मामले में भेजी गई रिपोर्ट देखने के बाद शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट में कुछ गड़बड़ है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने करूर भगदड़ की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय जांच आयोग और एसआईटी जांच को निलंबित करने के अपने पूर्व आदेश में संशोधन करने की तमिलनाडु सरकार की याचिका को खारिज कर दिया।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की बेंच ने जोर देते हुए कहा, हम चाहते हैं कि सब कुछ निष्पक्ष और तटस्थ हो। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

एपस्टीन-फाइल्स का धमाका : ट्रंप, क्लिंटन और बिल गेट्स के साथ 19 तस्वीरें जारी

अमेरिका में मच सकती है हलचल

वाशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की डेमोक्रेट्स हाउस ओवरसाइट कमेटी ने शुक्रवार को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के एस्टेट से मिली तस्वीरों का दूसरा सेट जारी किया। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स, पूर्व ट्रेजरी सचिव लैरी समर्स, फिल्म निर्माता वूडी एलन और कई जानी-मानी राजनीतिक एवं व्यावसायिक हस्तियां दिखाई दे रही हैं। एक तस्वीर में डोनाल्ड ट्रंप कुछ महिलाओं के साथ दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इनमें महिलाओं की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

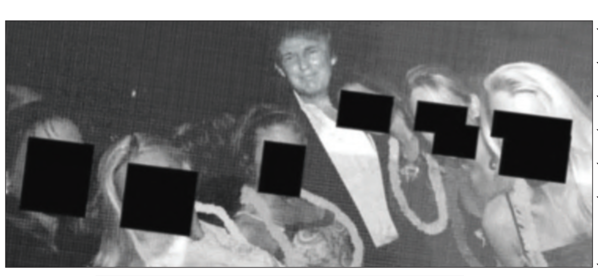

डेमोक्रेट्स हाउस ओवरसाइट कमेटी ने जारी किया दूसरा सेट

एक अन्य तस्वीर में ट्रंप एक महिला से बात करते हुए दिख रहे हैं। तीसरी तस्वीर में ट्रंप एक ब्लर-चेहरे वाली महिला के पास खड़े नजर आ रहे हैं। ▶10पर

84 साल तक एक ही कंपनी में काम करने का रिकॉर्ड ब्राजील के वाल्टर ऑर्थमन के नाम

बासीलिया, 12 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ब्राजील के 100 वर्षीय वाल्टर ऑर्थमन ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसकी मिसाल दुनिया में कहीं नहीं मिलती। उन्होंने लगातार 84 साल तक एक ही कंपनी में काम करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा लिया है। हाल ही में उन्होंने अपना 100वां जन्मदिन भी मनाया, और इस मौके पर उनके इस अनोखे रिकॉर्ड की आधिकारिक घोषणा की गई।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार वाल्टर का जन्म 19 अप्रैल 1922 को ब्राजील के ब्रस्क नामक छोटे से कस्बे में हुआ था। बचपन से ही पढ़ाई में तेज ऑर्थमन की मानसिक क्षमता अद्भुत थी। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत न होने के कारण उन्होंने कम उम्र में ही काम करने का फैसला कर 15 साल की उम्र में नौकरी की तलाश शुरू कर दी। 17 जनवरी 1938 को उन्हें ब्राजील की एक प्रसिद्ध टेक्सटाइल कंपनी इंडस्ट्रियास रेनोक्स में पहली नौकरी मिली। यह कंपनी रेनॉक्स व्यू के नाम से जानी जाती है। अपने समर्पण और मेहनत के कारण वह जल्द ही कंपनी में प्रमोशन पाकर सेल्स मैनेजर बने। चौंकाने वाली बात यह है कि वह तब से लेकर आज तक—84 वर्षों से लगभग एक सदी से उसी कंपनी में कार्यरत हैं। यह दुनिया में सबसे लंबे समय तक एक ही कंपनी में नौकरी करने का रिकॉर्ड है। इस बारे में ऑर्थमन कहते हैं कि उनकी सफलता का राज हमेशा सीखने की इच्छा और अनुशासन है। वे बताते हैं कि रोजाना की दिनचर्या, समय पर जागना और नियमित एक्सरसाइज उन्हें आज भी ऊर्जावान बनाए रखती है। वाल्टर कहते हैं कि मैं कल के बारे में बहुत ज्यादा सोचकर या प्लान बनाकर नहीं चलता। मुझे बस इतना पता होता है कि कल एक नया दिन होगा—मैं उठूंगा, एक्सरसाइज करूंगा और काम पर जाऊंगा। जीवन तभी अच्छा चलता है जब आप वर्तमान में व्यस्त रहते हैं, न कि अतीत और भविष्य में उलझकर। उनका यह दर्शन न सिर्फ उनकी पेशेवर यात्रा को अनोखा बनाता है, बल्कि उन्हें जीवन के प्रति सकारात्मक, सक्रिय और केंद्रित रखता है। वाल्टर ऑर्थमन की कहानी यह साबित करती है कि समर्पण, अनुशासन और काम के प्रति जुनून किसी भी इंसान को असाधारण बना सकता है। एक ही कंपनी में 84 साल तक काम करके उन्होंने न सिर्फ रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि दुनिया को एक प्रेरणादायक संदेश भी दिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

जापान में 6.7 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

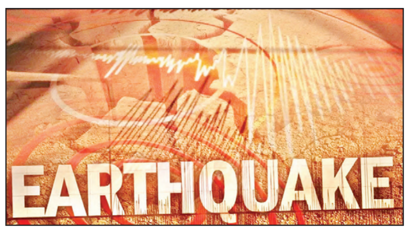

टोक्यो। जापान में रिक्टर स्केल पर दर्ज किए गए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद देश के उत्तर-पूर्व में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। भूकंप जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तर में आओमोरी प्रांत के पूर्वी तट से 20 किलोमीटर की गहराई पर स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार सुबह 11:44 बजे आया। रिपोर्ट में जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से यह जानकारी दी गई। एजेंसी ने कहा कि होक्काइडो, आओमोरी, इवाते और मियागी प्रांतों के प्रशांत तट पर एक मीटर तक की सुनामी आ सकती है। इससे पहले इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को 7.5 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। होन्शू द्वीप के सबसे उत्तरी प्रांत आओमोरी के तट पर आए इस भूकंप में कम से कम 34 लोग घायल हो गए थे। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि सोमवार के भूकंप के बाद टोक्यो के ठीक पूर्व में चिबा से लेकर होक्काइडो तक जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर 8 तीव्रता के भूकंप और संभावित सुनामी आने का खतरा भी थोड़ा बढ़ गया है। एजेंसी ने इलाके की 182 नगर पालिकाओं के निवासियों से आने वाले हफ्ते में सावधान रहने का आग्रह किया है। ताजा भूकंप तटीय इलाके में उस क्षेत्र के आसपास आए हैं जहां 2011 में 9.0 तीव्रता के भूकंप और सुनामी से लगभग 20,000 लोग मारे गए थे और फुकुशिमा दाइची न्यूक्लियर पावर प्लांट तबाह हो गया था।

2015 से फैशन की सुई तक नहीं हिली है, फैशन जहां था, वहीं वैसा ही है

वाशिंगटन। इस साल नवंबर तक के दुनिया के दस सबसे अमीर लोगों की सूची में एलन मस्क करीब 500 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ सबसे ऊपर हैं। वह कई पॉडकास्ट शोज का हिस्सा भी रहते हैं। एलन मस्क काफी स्टाइलिश हैं और वह जो भी पहनते हैं, उन पर काफी फबता है। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में मॉडर्न फैशन को लेकर कहा है कि आज का फैशन एक तरह से स्थिर हो गया है और इसमें सालों से कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। अपनी इस बात को सही तरह से समझाने के लिए उन्होंने अपने बेटे का उदाहरण दिया।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क का मानना है 2015 से फैशन की सुई तक नहीं हिली है यानी फैशन जहां था, वहीं है। उन्होंने कहा कि फैशन की दृष्टि से हमें डेवलप होना चाहिए। मेरे बेटे सैक्सन ने एक बार मुझसे पूछा था, सब कुछ 2015 जैसा ही क्यों दिखता है अगर आप 2015 और 2025 की किसी तस्वीर को देखें तो कपड़ों की स्टाइल बिल्कुल एक जैसी है। एलन मस्क ने अपनी बात रखते हुए कहा कि 1960, 1970, 1980 और 1990 के फैशन ने अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और हर फैशन का अपना एक स्पेसिफिक स्टाइल था जिसे दूर से ही पहचाना जा सकता था, लेकिन आज के समय में सबकुछ एक जैसा है। रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने कहा कि 2000 और 2010 में फैशन और धुंधला होता गया। आप खुद पुरानी फोटोज देखें उस समय के कैबिनेट सेक्रेटरीज के हाई कॉलर जैकेट और ऐस्कॉट स्टाइल आज के नॉर्मल सूट्स से कहीं ज्यादा कूल लगते थे। आज लोग जो सूट पहन रहे हैं वो हर सूट वैसा ही है जैसे 2010 या 2015 में होता था। वह सब छोड़िए आप 2000 और 2025 की फोटोज सामने रखकर देखें तो साल बताना मुश्किल होगा कि कौन सी फोटो कौन से साल की है।

वेनेजुएला पर अमेरिका का मिलिट्री एक्शन

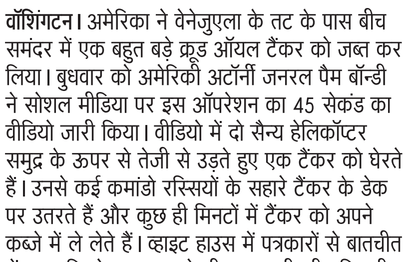

वॉशिंगटन। अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास बीच समंदर में एक बहुत बड़े क्रूड ऑयल टैंकर को जब्त कर लिया। बुधवार को अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का 45 सेकंड का वीडियो जारी किया। वीडियो में दो सैन्य हेलिकॉप्टर समुद्र के ऊपर से तेजी से उड़ते हुए एक टैंकर को घेरते हैं। उनसे कई कमांडो रस्सियों के सहारे टैंकर के डेक पर उतरते हैं और कुछ ही मिनटों में टैंकर को अपने कब्जे में ले लेते हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी इस जब्ती की पुष्टि की। दूसरी ओर, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने इस कार्रवाई को समुद्री डकैती और खुलेआम चोरी करार देते हुए कड़ी निंदा की है।

वैज्ञानिकों ने खोजा ब्रह्मांड में घूमता हुआ 'बवंडर'

वाशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 49 मिलियन लाइट ईयर लंबा एक 'स्पिनिंग फिलामेंट' खोजा है। इस खोज ने वैज्ञानिकों की नींद उडा दी है। वैज्ञानिकों इसे अंतरिक्ष का बवंडर या टॉर्नेडो बताया है। यह कोई सामान्य संरचना नहीं है, बल्कि इसमें सैकड़ों गैलेक्सीज फंसी हुई हैं और यह पूरे ब्रह्मांडीय धागे यानी 'कॉस्मिक वेब' के हिस्से के रूप में घूम रही है। फिजिस्ट लाइला जंग ने इस बवंडर को मेले के टी-कप राइड से समझाया। उन्होंने बताया कि हर गैलेक्सी अपनी धुरी पर घूम रही है, और जिस कॉस्मिक फिलामेंट से यह जुड़ी हैं वह भी बवंडर की तरह घूम रहा है। इसे देखकर वैज्ञानिकों के लिए यह एक बड़ा सरप्राइज है। कॉस्मिक वेब डार्क मैटर के धागों से बना ब्रह्मांड का अदृश्य कंकाल है, जो गैलेक्सीज को अपनी गुरुत्वाकर्षण शक्ति के तहत नियंत्रित करता है। इस खोज की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के मीरकाट रेडियो टेलीस्कोप से हुई, जब वैज्ञानिकों ने एमआईजीएचटीईई स्काई सर्वे के डेटा में 140 मिलियन लाइट ईयर दूर 14 गैलेक्सीज को एक सीधी रेखा में देखा।

आगे की जांच में उन्होंने स्लोन डिजिटल स्काई सर्वे और डीईएसआई के डेटा से 283 और गैलेक्सीज का पता लगाया, जो एक ही पैटर्न का पालन कर रही थीं। यह दर्शाता है कि डार्क मैटर के विशाल धागे गैलेक्सीज को खींच रहे हैं और उन्हें विशेष आकार दे रहे हैं। इस बात की पुष्टि रेडशिफ्ट तकनीक से हुई। फिलामेंट के एक हिस्से की लाइट नीली थी यानी वह हमारी ओर बढ़ रही थी, जबकि दूसरे हिस्से की लाइट लाल थी यानी वह हमसे दूर जा रही थी। इसका मतलब है कि पूरा स्ट्रक्चर गोल घूम रहा है और इसकी रफ्तार लगभग 110 किलोमीटर प्रति सेकंड है, जो मिल्की वे और एंड्रोमेडा के गतिशील व्यवहार के समान है।

यह खोज 'टाइडल टॉर्क थ्योरी' को भी साबित करती है, जो बताती है कि शुरुआती ब्रह्मांड में गुरुत्वाकर्षण के असंतुलन ने इन फिलामेंट्स को घूमने पर मजबूर किया। इसके अलावा फिलामेंट में ठंडी हाइड्रोजन गैस भी पाई गई, जो गैलेक्सीज को नई स्टार्स बनाने में मदद करती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह 49 मिलियन लाइट ईयर लंबा घूमता हुआ स्ट्रक्चर ब्रह्मांड की जटिलता और कनेक्टिविटी को दर्शाता है। यह दिखाता है कि गैलेक्सीज बिखरी नहीं हैं, बल्कि विशाल और अदृश्य स्ट्रक्चर्स पूरी ब्रह्मांडीय प्रणाली को नियंत्रित कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर देखी विशालकाय 'तितली' जैसी आकृति

लंदन। हाल ही में यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के मार्स एक्सप्रेस मिशन ने मंगल ग्रह की उबड़-खाबड़ सतह पर वैज्ञानिकों ने एक विशालकाय 'तितली' जैसी आकृति देखी। इस ताजा खोज ने वैज्ञानिकों को चौका दिया है। यह विशालकाय तितली जैसी आक्रति 20 किलोमीटर तक फैली हुई है। पहली नज़र में यह किसी जीव का रूप लग रहा था, लेकिन वैज्ञानिकों ने उच्च-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरों का विश्लेषण करने के बाद इसे असली जीव नहीं माना। यह आकृति मंगल के 'इडायस फोसे' क्षेत्र में स्थित एक दुर्लभ क्रेटर का हिस्सा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह क्रेटर किसी भारी चट्टान या एस्टेरॉयड के कम एंगल से टकराने के कारण बना। सामान्य क्रेटर गोल आकार का होता है, लेकिन इस टकराव की वजह से मलबा दो दिशाओं में फैला और बीच में गहरा गड्ढा बन गया। यही कारण है कि ऊपर से देखने पर यह तितली जैसी आकृति प्रतीत होती है। क्रेटर के मलबे की चिकनाहट और गोल आकार से यह भी पता चला कि टक्कर के समय वहां जमीन के नीचे बर्फ या पानी मौजूद था। टकराव से पैदा हुई गर्मी ने बर्फ को पिघला दिया, जिससे मिट्टी और पत्थर 'कीचड़' की तरह बहते हुए फैल गए। बटरफ्लाई क्रेटर पूर्व से पश्चिम लगभग 20 किलोमीटर लंबा और उत्तर से दक्षिण में 15 किलोमीटर चौड़ा है। टकराव का केंद्र गहरा और विशाल है। इस क्षेत्र में बड़ी दरारें और उठी हुई मेसा जैसी संरचनाएँ भी पाई गई हैं। इसके अलावा 'रिंकल रिजेज' दिखते हैं, जो दर्शाते हैं कि कभी यहां ज्वालामुखी सक्रिय थे। मिट्टी में मैग्नीशियम और आयरन की अधिकता से भी ज्वालामुखीय गतिविधि का संकेत मिलता है। मार्स एक्सप्रेस यान 2003 में लॉन्च हुआ था और 2004 से मंगल की परिक्रमा कर रहा है। इसके हाई-रिज़ॉल्यूशन स्टीरियो कैमरा ने पिछले दो दशकों में मंगल का नक्शा बनाने, उसकी सतह, वायुमंडल और चंद्रमाओं की जासूसी में अहम भूमिका निभाई है। यह यान अब तक ग्रह पर कई चौंकाने वाले दृश्य और संरचनाएँ सामने ला चुका है। वैज्ञानिकों की मान्यता है कि यह बटरफ्लाई क्रेटर न केवल मंगल पर दुर्लभ टकराव की घटना को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि इस इलाके में कभी पानी या बर्फ की मौजूदगी रही होगी।

अमेरिका में चैटजीपीटी की हत्या-आत्महत्या में कथित भूमिका, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा

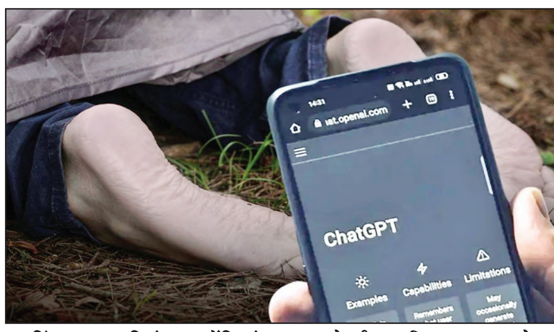

वाशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका में कनेक्टिकट की 83 वर्षीय वृद्धा की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। इस महिला के परिवार ने चैटजीपीटी निर्माता कंपनी ओपनएआई और उसके साझेदार माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। परिवार का आरोप है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित चैटबॉट ने हत्या आरोपित बेटे के भ्रम को बढ़ाते हुए उसे अपनी मां की हत्या के लिए उकसाया। आरोपित बेटा पूर्व टेक एग्जीक्यूटिव है।

फ्रांस के दोपहरकालीन अखबार ले मोंडे की रिपोर्ट के अनुसार, हत्यारोपित 56 वर्षीय स्टीन-एरिक सोलबर्ग ने मां की हत्या के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। मुकदमे के दस्तावेजों के अनुसार, सोलबर्ग को पहले भी मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतें रही हैं। उसने चैटजीपीटी को बताया था कि उनकी मां के होम ऑफिस में लगा प्रिंटर एक सर्विलांस डिवाइस हो सकता है और इसका इस्तेमाल उन पर जासूसी करने के लिए किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि चैटबॉट ने इस पर सहमति जताई। इस मुकदमे में बेतहाशा आर्थिक मुआवजा और ओपेन एआई को चैटपैट में सुरक्षा उपाय लगाने का आदेश देने की मांग की गई है।

पुलिस ने बताया कि स्टीन-एरिक सोलबर्ग ने अगस्त में कनेक्टिकट के ग्रीनविच में अपने घर पर अपनी मां सुज़ैन एडम्स को बुरी तरह पीटा और गला घोंटकर मार डाला और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली थी। एडम्स के परिवार ने गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को में कैलिफोर्निया सुपीरियर कोर्ट में यह मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में कहा गया है कि ओपेनएआई ने एडम्स के परिवार को चैट्स की पूरी हिस्ट्री देने से मना कर दिया है। ओपेनएआई प्रवक्ता ने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय रूप से दिल दहला देने वाली स्थिति है। हम विवरण समझने के लिए फाइलिंग की समीक्षा करेंगे।

म्यांमार की सैन्य ताकतों के हवाई हमलों में 34 मरीजों और मेडिकल स्टाफ की मौत

यंगून। म्यांमार की सैन्य ताकतों के एक हवाई हमले में एक अस्पताल पूरी तरह तबाह हो गया। यह अस्पताल एक प्रमुख विद्रोही सशस्त्र बल के नियंत्रण वाले क्षेत्र में था, जिसमें कम से कम 34 मरीजों और मेडिकल स्टाफ की मौत हो गई। बुधवार रात पश्चिमी रखाइन राज्य के म्राउक-यू टाउनशिप में स्थित इस जनरल अस्पताल पर हुए हमले में लगभग 80 अन्य लोग घायल हो गए। यह क्षेत्र जातीय अराकान सेना के नियंत्रण में है। सत्तारूढ़ सेना ने हालांकि, इस क्षेत्र में किसी भी हमले की कोई घोषणा नहीं की है। रखाइन में बचाव सेवाओं के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात 9:13 बजे एक लड़ाकू जेट ने दो बम गिराए। इनमें से एक बम सीधे अस्पताल के रिकवरी वार्ड में गिरा, जबकि दूसरा अस्पताल की मुख्य इमारत के पास गिरा। अधिकारी ने बताया कि वह गुरुवार सुबह सहायता प्रदान करने के लिए अस्पताल पहुंचे और उन्होंने 17 महिलाओं और 17 पुरुषों की मौतें दर्ज कीं। उन्होंने कहा कि बमों से अस्पताल की अधिकांश इमारत नष्ट हो गई और अस्पताल के पास खड़ी टैक्सियाँ और मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। रखाइन स्थित ऑनलाइन मीडिया ने क्षतिग्रस्त इमारतों और मेडिकल उपकरणों के मलबे की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं।

स्पेन में समय से पहले ऑफिस आने पर महिला को नौकरी से निकाला

मेड्रिड, 12 दिसंबर (एजेंसियां) ।

आमतौर पर काम पर देर से आने पर नौकरी से निकाला जाना आम बात मानी जाती है, लेकिन स्पेन में एक महिला के साथ ऐसा हुआ जो समय से पहले ऑफिस आने के कारण नौकरी से हटाई गई। मामला एलिकांटे की एक डिलीवरी कंपनी का है, जहां एक महिला अक्सर सुबह 6:45 से 7:00 बजे के बीच काम पर पहुंचती थी, जबकि उसके अनुबंध के अनुसार शिफ्ट 7:30 बजे शुरू होती थी।

महिला के जल्द पहुंचने की आदत से उसके प्रबंधक नाखुश थे। 2023 में उसे पहली बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने प्रबंधन की इस अप्रत्यक्ष धमकी की परवाह किए बिना जल्दी आना जारी रखा। साल की शुरुआत में कंपनी ने उसे गंभीर कदाचार का आरोप लगाते हुए नौकरी से निकाल दिया। कंपनी का तर्क था कि इतनी जल्दी आने की वजह से उसके पास करने के लिए काम नहीं होता और इसलिए वह कंपनी के लिए योगदान नहीं दे रही थी। महिला ने इस फैसले को अदालत में चुनौती दी। हालांकि, एलिकांटे की सामाजिक अदालत ने कंपनी का पक्ष लिया। न्यायालय ने कहा कि बार-बार चेतावनियों को नजरअंदाज करना कर्मचारी-नियोक्ता संबंध को प्रभावित करता है। अदालत ने यह भी माना कि समय से पहले आने का व्यवहार विश्वास और वफादारी के रिश्ते पर असर डालता है। अदालत के अनुसार, कर्मचारी का यह व्यवहार अवज्ञा और विश्वासघात जैसा गंभीर कदाचार बनता है, जो नौकरी समाप्त करने के लिए पर्याप्त कारण ठहरता है। कंपनी की बार-बार चेतावनियों के बावजूद महिला ने अपनी आदत नहीं बदली, इसलिए उसे नौकरी से हटाना न्यायसंगत माना गया। यह मामला दिखाता है कि कभी-कभी सामान्य लगने वाली आदतें भी नौकरी संबंधी विवाद का कारण बन सकती हैं। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि कर्मचारी और नियोक्ता के बीच भरोसा और नियमों का पालन दोनों ही रोजगार संबंध को बनाए रखने के लिए जरूरी हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बिगड़ी

ढाका,11 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष और देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत और बिगड़ गई। किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। खालिदा का इलाज राजधानी ढाका के एवरकेयर अस्पताल में चल रहा है। बीएनपी नेत्री खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। 23 नवंबर से इस अस्पताल में भर्ती 80 वर्षीय खालिदा जिया को इस वक्त इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट का मतलब है कि योजनाबद्ध तरीके से या सर्जरी से पहले मरीज को सांस लेने वाली मशीन (वेंटिलेटर) का सहारा देना। जब डॉक्टर को पता होता है कि एनेस्थीसिया या ऑपरेशन के कारण मरीज खुद से सांस नहीं ले पाएगा। इलेक्टिव एक योजनाबद्ध और पूर्व तय चिकित्सा प्रक्रिया है। रिपोर्ट के अनुसार, रात से खालिदा जिया की हालत कुछ ज्यादा गंभीर है। उनका सावधानी से इलाज चल रहा है। उनके उच्च

इलाज के लिए गठित मेडिकल बोर्ड कहा कि उनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। उन्हें नियमित डायलिसिस की जरूरत है। मेडिकल बोर्ड की ओर से प्रो. डॉ. शहाबुद्दीन तालुकदार ने गुरुवार देररात स्थिति का विश्लेषण करते हुए बयान जारी किया है। इसमें लोगों से जिया के बारे में अफवाह न फैलाने की अपील की गई है। बयान में कहा गया है कि उन्हें सांस लेने में अधिक दिक्कत हो रही है। खून में ऑक्सीजन लेवल कम हो गया है। कार्बन डाइऑक्साइड का लेवल बढ़ गया है। उनका इलाज हाई-फ्लो नेजल कैनुला और बाइपैप मशीन से किया जा रहा है। यह मशीन मास्क के जरिए हवा को फेफड़ों तक पहुंचाती है। मेडिकल बोर्ड ने कहा कि क्योंकि उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, इसलिए उनके फेफड़ों और दूसरे अंगों को आराम देने के लिए उन्हें इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। मेडिकल बोर्ड के अनुसार, 27 नवंबर को इलाज के दौरान एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस का पता चला। उसका अभी भी इंटेंसिव इलाज चल रहा है। गंभीर संक्रमण के कारण उन्हें एडवांस्ड एंटीबायोटिक और एंटीफंगल थेरेपी दी जा रही है। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग और डिससेमिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोएगुलेशन (डीआईसी) के कारण उन्हें खून और उसके कंपोनेंट्स का ट्रांसफ्यूजन भी दिया जा रहा है। इन सभी इलाज के बावजूद उनका बुखार बना हुआ है। रेगुलर इकोकार्डियोग्राफी के दौरान उनके एओर्टिक वाल्व में कुछ दिक्कतें देखी गई हैं। इसके बाद मेडिकल बोर्ड ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से सलाह लेकर इलाज शुरू कर दिया है। प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के इलाज के लिए बने मेडिकल बोर्ड के प्रमुख प्रो. डॉ. शहाबुद्दीन तालुकदार ने उनकी मौजूदा सेहत के बारे में रात को अपडेट दिया। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शायरुल कबीर खान ने यह बयान मीडिया को भेजा। बयान में कहा गया, 'हाल के टेस्ट में उनकी हालत में कई दिक्कतें सामने आई हैं।

वीर सावरकर सबसे उज्ज्वल मार्गदर्शक सितारा थे : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 12 दसंबर (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को विनायक दामोदर सावरकर की भव्य प्रतिमा का संयुक्त रूप से अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने सावरकर को सबसे उज्ज्वल मार्गदर्शक सितारा बताया और कहा कि राष्ट्र के लिए उनके विचार आज भी प्रेरणास्रोत हैं। अनावरण समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही, जहां सावरकर के योगदान और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

सावरकर की प्रेरणादायक कविता सागरा प्राण तळमळला के 115 साल पूरे होने का जश्न मनाने के कार्यक्रम के तहत पहाड़गांव (पोर्ट ब्लेयर) में बीआर अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ गणमान्य लोगों और बड़ी संख्या में दर्शकों ने भाग लिया।

मोहन भागवत ने मुख्य मंच से भाषण दिया। वहां गृह मंत्री अमित शाह, अंडमान-निकोबार के लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल (रिटायर्ड) देवेंद्र कुमार जोशी और महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार जैसे बड़े नेता मौजूद थे। संघ प्रमुख ने सावरकर के बेमिसाल योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा कि सावरकर ने साहित्य, कविता, कानून, नाटक और समाज सुधार जैसे कई क्षेत्रों में बहुत बड़ा काम किया था।

सावरकर के अपने भाइयों के साथ जेल में बिताए समय का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सावरकर के खतों में भारत के प्रति गहरी भक्ति झलकती है, जिसमें अक्सर यह लिखा होता था कि अगर सात भाई भी होते, तो सभी देश के लिए खुशी-खुशी जेल चले जाते।

उन्होंने कहा कि सावरकर ने जो भी हुनर सीखा, चाहे वह लिखना हो, गाना हो या कानूनी जानकारी हो, उसे वह देश के लिए एक भेंट मानते थे। उनका मानना था कि अगर शिक्षा देश की सेवा नहीं करती तो उसका कोई मतलब नहीं है।

देश में एकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में ऐसे विचारों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए जो देश को बांटते हैं। सावरकर ने कभी खुद को किसी जाति या इलाके से नहीं जोड़ा, बल्कि सिर्फ देश के सेवक के तौर पर देखा।

भागवत ने कहा कि जहां भारतीयों की पिछली पीढ़ियों को देश की आजादी के लिए मरना पड़ा, वहीं आज की पीढ़ी को देश की तरक्की के लिए जीना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के महत्व पर जोर दिया और माता-पिता से बच्चों को कड़ी मेहनत करना और सफल होना सिखाने की अपील की, लेकिन हमेशा भारत के विकास में योगदान देने के इरादे से।

उन्होंने सावरकर के देश के विजन को सांस्कृतिक ताकत और एकता पर आधारित बताते हुए कहा कि सावरकर देश को ही भगवान मानते थे।

भागवत ने आगे कहा कि बहुत मुश्किलों के बावजूद, उन्होंने कभी कड़वाहट नहीं रखी, और उन्हें सबसे चमकता हुआ मार्गदर्शक सितारा बताया।

पीएम मोदी की यात्रा से पहले कैबिनेट ने भारत-ओमान फ्री ट्रेड समझौते को दी मंजूरी

नई दिल्ली,12 दसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को प्रस्तावित भारत-ओमान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है। यह मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की 15 से 18 दिसंबर तक जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की आगामी त्रिपक्षीय यात्रा से पहले आई है, जिससे पश्चिम एशिया और अफ्रीका में देश की आर्थिक उपस्थिति को बढ़ाने के लिए व्यापक अवसर खुलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे के अंतिम चरण में महामहिम सुल्तान हैथम बिन तारिक के निमंत्रण पर 17 से 18 दिसंबर तक दूसरी बार ओमान का दौरा करेंगे। यह दौरा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। भारत और ओमान के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी है, जो मजबूत व्यापारिक संबंधों, ऊर्जा सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ावों द्वारा समर्थित है।यह मंजूरी ओमान की शूरा परिषद द्वारा खाड़ी देश के भारत के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी देने के एक दिन बाद आई है। व्यापार समझौते, जिसे आधिकारिक तौर पर सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) कहा जाता है, के लिए वार्ता नवंबर 2023 में औपचारिक रूप से शुरू हुई थी।भारत और ओमान के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत और जीवंत हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 8.947 अरब अमेरिकी डॉलर और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 10.613 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।इससे अलावा कैबिनेट की आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति (सीसीईए) ने 2026 सीजन के लिए खोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग (कोलसेतु) के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की नीति को मंजूरी दे दी।कैबिनेट के फैसले के मुताबिक, वर्ष 2026 सीजन के लिए मिलिंग खोपरा के उचित औसत गुणवत्ता (फेयर एवरेज क्वालिटी) की एमएसपी 12,027 रुपए प्रति क्विंटल और बॉल खोपरा की एमएसपी 12,500 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है।वर्ष 2026 सीजन के लिए एमएसपी पिछले सीजन की तुलना में मिलिंग खोपरा के लिए 445 रुपए प्रति क्विंटल और बॉल खोपरा के लिए 400 रुपए प्रति क्विंटल अधिक है।कोयला लिंकेज की नीलामी की नीति के तहत किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए कोयले का उपयोग करने हेतु 'कोलसेतु' नामक एक नई विंडो बनाई गई है, जिसे एनआरएस लिंकेज नीति में शामिल किया गया है। यह नई नीति सरकार द्वारा किए जा रहे कोयला क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर सुधारों को दिखाती है।

असम सीएम के बयान पर महुआ माझी का पलटवार, कहा- लोकतंत्र में जाति-धर्म आधारित राजनीति नहीं चलती

नई दिल्ली,12 दसंबर (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के हालिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां का संविधान हर नागरिक को, चाहे वो किसी भी जाति, धर्म या समुदाय से हों, बराबर अधिकार देता है। भारत की पहचान उसकी साझा संस्कृति और बहुसांस्कृतिक विरासत से बनी है। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एक धर्म या एक जाति से नहीं बना, बल्कि सदियों से अलग-अलग संस्कृतियों के लोगों का मिलन स्थल रहा है। उन्होंने उदाहरण भी दिए कि डच, फ्रेंच, पुर्तगाली, मुगल, पठान और अंग्रेज ये सब भारत आए। इनके आने से न सिर्फ सामाजिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हुआ, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और जीवनशैली पर भी इनका असर पड़ा। अब यह कहना कि किसी समूह को उखाड़ फेंक देना चाहिए या उन्हें देश की राजनीति में हिस्सा नहीं मिलना चाहिए, यह बिल्कुल गलत और असंवैधानिक सोच है।

उन्होंने यह भी कहा कि कई ऐसी जातियों और धर्मों के लोग, जिन पर आज सवाल उठाए जा रहे हैं, उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में बड़ी भूमिकाएं निभाई हैं। इसलिए किसी एक समुदाय को निशाना बनाना सही नहीं है। महुआ माजी ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री हों या प्रधानमंत्री, ये पद किसी एक धर्म या जाति का नहीं होता, ये पूरे देश का होता है। उन्होंने हिमंत बिस्वा सरमा को सलाह दी कि ऐसे बयानों से बचना चाहिए, क्योंकि यह देश की एकता के खिलाफ है।

उधर, भाजपा की तरफ से इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद मनोज तिग्गा ने कहा कि केंद्र सरकार कभी धर्म या जाति देखकर योजनाएं नहीं चलाती। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना हो, उज्ज्वला योजना हो या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, इन सभी योजनाओं का फायदा हर धर्म और हर जाति के लोगों को मिलता है। सड़क बनती है तो उस पर सिर्फ हिंदू नहीं चलते, हर कोई चलता है।

सरकार चर्चा करने को राजी, राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाने पर प्रियंका गांधी भी सहमत

नई दिल्ली,12 दसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शुक्रवार को लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाने के बाद, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि सरकार समेत सभी लोग इस पर चर्चा के लिए सहमत हो गए हैं। सदन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, मुझे लगता है कि इस पर सब सहमत थे। सरकार ने भी कहा है कि वह चर्चा के लिए तैयार है। एक एक्शन प्लान बनाया जाना चाहिए। अब यह बहुत हो गया है, क्योंकि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। जब हम अलग-अलग टॉपिक पर चर्चा करते हैं, तो इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। इससे कुछ ठोस निकलना चाहिए। अच्छा होगा अगर सरकार एक एक्शन प्लान बनाकर उसे लागू करे। राहुल गांधी ने कहा, मैंने सदन में प्रदूषण का मुद्दा उठाया। यह एक ऐसा मामला है जिस पर सभी पार्टियां सहमत हो सकती हैं, क्योंकि इससे बच्चे प्रभावित होते हैं और लोग कैंसर जैसी बीमारियों से पीड़ित होते हैं। मैंने सुझाव दिया कि इस पर एकमत से चर्चा होनी चाहिए, न कि एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का खेल, जिसमें एक्सपर्ट की राय हो, ताकि देश को दिखाया जा सके कि हम एकजुट होकर काम कर सकते हैं।इससे पहले, राहुल गांधी ने लोकसभा में वायु प्रदूषण की समस्या का मुद्दा उठाया और सरकार से एयर क्वालिटी सुधारने के लिए एक पूरी, टाइम-बाउंड स्ट्रेटेजी बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हमारे ज्यादातर शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से परेशान हैं, लोगों को कैंसर हो रहा है, और बुजुर्गों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे पर सभी पार्टियों की एक राय है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच पूरी सहमति है और एक जॉइंट एक्शन प्लान बनाने में पूरा सहयोग देने की पेशकश की।उन्होंने संसद में तुरंत चर्चा की मांग की और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को हर शहर के लिए एक प्लान पेश करना चाहिए जिसमें बताया जाए कि अगले पांच या दस सालों में हम कैसे बड़ी तरक्की कर सकते हैं, भले ही समस्या एक बार में पूरी तरह से हल न हो सके।सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) सुबह 7 बजे 331 पर पहुंच गया, जिससे शहर एक बार फिर 'बहुत खराब' कैटेगरी में आ गया। जहांगीरपुरी राष्ट्रीय राजधानी में सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाका रहा, जहां एक्यूआई 405 था, जिससे यह 'गंभीर' जोन में चला गया।

साल 2016 से 2025 के बीच 54,511 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर वापस लाए गए : जयशंकर

नई दिल्ली, 12 दसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को संसद को सूचित किया कि पिछले नौ वर्षों में विदेशों में रहने या काम करने वाले भारतीयों की मौत के मामलों में किसी तरह की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज नहीं हुई है। मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2016 से 2025 के बीच कुल 54,511 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर स्वदेश लाए गए हैं। लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह जानकारी दी। सवाल में पार्थिव शरीरों को भारत लाने की प्रक्रिया, देरी और परिवारों को होने वाली चुनौतियों के बारे में पूछा गया था। प्रत्येक वर्ष लाए गए पार्थिव शरीरों के आंकड़ों की बात करें, तो 2016 में 4,167, 2017 में 4,222, 2018 में 4,205, 2019 में 5,291, 2020 में 5,321, 2021 में 5,834, 2022 में 5,946, 2023 में 6,532, 2024 में 7,096 और 2025 (अक्टूबर तक) 5,897 पार्थिव शरीरों को लाया गया है। मंत्रालय के अनुसार, प्रत्येक भारतीय मिशन एक विस्तृत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत काम करता है, जिसमें स्थानीय अधिकारियों से समन्वय, परिवार को सहायता और स्थानीय कानूनों के हिसाब से समय पर परिवहन की प्रक्रिया शामिल है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की जा सकती, क्योंकि हर मामले में परिस्थितियां अलग होती हैं।

प्राकृतिक मौत के मामलों में आमतौर पर 3 से 14 दिनों का समय लगता है, जबकि हत्या, दुर्घटना या अन्य अप्राकृतिक मृत्यु के मामलों में पुलिस जांच, पोस्टमॉर्टम और पहचान संबंधी प्रक्रियाओं के कारण देरी हो सकती है। कई मामलों में डीएनए परीक्षण भी जरूरी है।

परिवारों को आने वाली प्रमुख चुनौतियों में उच्च परिवहन लागत, स्थानीय पुलिस या मेडिकल रिपोर्ट में देरी और दस्तावेजों को लेकर असमंजस शामिल हैं। इन मुश्किलों को देखते हुए मिशनों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे मामलों को शीर्ष प्राथमिकता पर निपटाया जाए और जरूरत पड़ने पर छुट्टियों में भी एनओसी जारी किए जाएं।

विदेशों में फंसे या आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद के लिए इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर फंड (आईसीडब्ल्यूएफ) का प्रावधान भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से परिवहन खर्च वहन करने में सहायता दी जाती है। विश्वभर में स्थित भारतीय मिशनों में पर्याप्त कांसुलर स्टाफ मौजूद हैं, जो स्थानीय प्रशासन और एयरलाइंस के साथ मिलकर पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत भेजने की प्रक्रिया पूरी करते हैं।

कैबिनेट ने कोलसेतु विंडो को मंजूरी दी, कोयले का औद्योगिक उपयोग और निर्यात होगा आसान

नई दिल्ली, 12 दसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने शुक्रवार को निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग (कोलसेतु) के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की नीति को मंजूरी दे दी है। इसके तहत किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए कोयले का उपयोग करने हेतु 'कोलसेतु' नामक एक नई विंडो बनाई गई है, जिसे एनआरएस लिंकेज नीति में शामिल किया गया है। यह नई नीति सरकार द्वारा किए जा रहे कोयला क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर सुधारों को दिखाती है। कैबिनेट की ओर से जारी की गई प्रेस रिलीज में कहा गया कि यह नीति 2016 की एनआरएस (नॉन-रेगुलेटेड सेक्टर) लिंकेज नीलामी नीति में 'कोलसेतु' नामक एक अलग विंडो जोड़कर, किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए नीलामी के आधार पर दीर्घकालिक कोयला लिंकेज के आवंटन की अनुमति देगी, जिसमें कोयले की आवश्यकता वाला कोई भी घरेलू खरीदार लिंकेज नीलामी में भाग ले सकता है। इस विंडो के तहत कोकिंग कोल ऑफर नहीं किया जाएगा।

एनआरएस जैसे सीमेंट, स्टील (कोकिंग), स्पंज आयरन, एल्युमीनियम, और अन्य (उर्वरक (यूरिया) को छोड़कर) के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की मौजूदा नीति में उनके कैप्टिव पावर प्लांट्स (सीपीपी) के लिए सभी नए कोयला लिंकेज का आवंटन नीलामी के आधार पर दिया जाएगा।

सरकार ने कहा कि वर्तमान और भविष्य के मार्केट के डायनामिक्स को देखते हुए और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के उद्देश्य से और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मौजूदा कोयला भंडारों के तेजी से उपयोग एवं आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए, एनआरएस को कोयला आपूर्ति की वर्तमान व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने और एनआरएस में लिंकेज को बिना किसी अंतिम उपयोग प्रतिबंध के कोयला उपभोक्ताओं तक विस्तारित करने की आवश्यकता थी।सरकार के मुताबिक, एनआरएस के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की इस नीति को एक और विंडो/सब-सेक्टर जोड़कर, किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए नीलामी के आधार पर दीर्घकालिक कोयला लिंकेज के आवंटन हेतु संशोधित किया गया है। प्रस्तावित विंडो में ट्रेडर्स को भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।इस विंडो के तहत प्राप्त कोयला लिंकेज देश में रीसेल को छोड़कर, स्वयं के उपयोग, कोयले के निर्यात या किसी अन्य उद्देश्य (जिसमें कोयला वाशिंग भी शामिल है) के लिए होगा। कोल लिंकेज होल्डर्स अपनी लिंकेज क्वांटिटी का 50 प्रतिशत तक कोयले का निर्यात करने के पात्र होंगे।

संकट के बीच इंडिगो को मिला 58.75 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस

नई दिल्ली, 12 दसंबर (एजेंसियां)। बड़ी संख्या में उड़ान रद्द होने के कारण सरकारी जांच का सामना कर रही बजट एयरलाइन इंडिगो को 58.75 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस मिला है। यह जानकारी एयरलाइन की ओर से शुक्रवार को दी गई। एयरलाइन ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है कि यह नोटिस वित्त वर्ष 2020-21 के लिए दिल्ली दक्षिण के सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त की ओर से दिया गया है। फाइलिंग में इंडिगो की प्रवर्तक कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड ने कहा कि उसे गुरुवार (11 दिसंबर) को टैक्स पेनल्टी ऑर्डर प्राप्त हुआ, जिसमें जीएसटी की मांग के साथ-साथ जुर्माना भी शामिल है।

एयरलाइन यह टैक्स नोटिस ऐसे समय पर मिला है, जब इंडिगो इस महीने की शुरुआत में बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने के कारण मुश्किलों का सामना कर रही है।इससे पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो पर बड़ा एक्शन लिया है और उन चार फ्लाइट निरीक्षकों को निकाल दिया है, जो कि इंडिगो की सुरक्षा और ऑपरेशनल मानकों के लिए जिम्मेदार थे।

इसके अलावा विमानन नियामक ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को समन भेजा है और उन्हें शुक्रवार को अधिकारियों के समक्ष फिर से पेश होने के लिए कहा गया है।सूत्रों के अनुसार, निरीक्षण और निगरानी ड्यूटी में लापरवाही पाए जाने के बाद डीजीसीए ने निरीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की है।

नियामक ने अब इंडिगो के गुरुग्राम कार्यालय में दो विशेष निगरानी दल तैनात किए हैं ताकि एयरलाइन के संचालन पर कड़ी नजर रखी जा सके।यह दल प्रतिदिन शाम 6 बजे तक डीजीसीए को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। एक दल इंडिगो के बेड़े की क्षमता, पायलटों की उपलब्धता, चालक दल के उपयोग के घंटे, प्रशिक्षण कार्यक्रम, ड्यूटी विभाजन पैटर्न, अनियोजित अवकाश, स्टैंडबाय क्रू और चालक दल की कमी के कारण प्रभावित उड़ानों की संख्या की निगरानी कर रहा है।

ईको पर्यटन विकास के लिए पर्यटन और वन विभाग की हुई अहम बैठक

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इको टूरिज्म के अंतर्गत कराए जा रहे कार्य और गतिविधियों के मद्देनजर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह व राज्य मंत्रीस्वतंत्र प्रभार वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार अरुण कुमार सक्सेना की संयुक्त बैठक आज गोमती नगर स्थित पर्यटन निदेशालय में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश के चारों टाइगर रिजर्व, 10 रामसर साइट्स सहित कई वेटलैंड के एकीकृत विकास के निर्देश दिए गए। इसी बदलते परिदृश्य में समग्र पर्यटन विकास, रिस्पांसिबल टूरिज्म और वन एवं पर्यावरण विभाग के सहयोग की भूमिका निर्णायक होगी। हमें समस्या नहीं, समाधान की ओर बढ़ना है, इसी सोच के साथ प्रदेश में पर्यटन विकास को अब एकीकृत और भविष्य केंद्रित रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। बैठक में उत्तर प्रदेश के दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़, रानीपुर टाइगर रिजर्व और 10 रामसर साइट्स नवाबगंज पक्षी अभ्यारण्य उन्नाव, पार्वती आर्गा पक्षी अभ्यारण्य गोंडा, समान पक्षी अभ्यारण्य मैनपुरी, समसपुर पक्षी अभ्यारण्य रायबरेली, सांडी पक्षी अभ्यारण्य हरदोई सरसई नावर झील इटावा, सूर सरोवर पक्षी विहार आगरा, ऊपरी गंगा नदी ब्रजघाट से नरौरा विस्तार बखिरा वन्यजीव अभ्यारण्य संत कबीर नगर और हैदरपुर वेटलैंड मुजफ्फरनगर को विश्वस्तरीय इको टूरिज्म मॉडल के रूप में विकसित करने पर केंद्रित चर्चा हुई।

रजनीकांत को 75वें जन्मदिन पर मोहनलाल से लेकर कमल हासन ने दी बधाइयां

भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय स्टार रजनीकांत आज अपना 75वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं और राजनीतिक जगत से लेकर भारतीय सिनेमा के दिग्गज उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर बधाईयों का तांता लग चुका है। साउथ सिनेमा के बड़े सुपरस्टार की लिस्ट में शामिल मोहनलाल ने रजनीकांत को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें बधाई देते हुए लिखा, डियर रजनीकांत सर, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सिनेमा में 50 शानदार साल पूरे करने पर, आपके मूल्यों, ताकत और असाधारण भावना से पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। भगवान आपको हमेशा शांति, अच्छे स्वास्थ्य और असीम खुशी दें। रजनीकांत ने अभिनेता और राजनेता कमल हासन की फिल्म से ही अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। कमल हासन रजनीकांत को अपना दोस्त मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक शानदार ज़िंदगी के 75 साल और लेजेंडरी सिनेमा के 50 साल। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे प्यारे दोस्त रजनीकांत। भारतीय फिल्म डायरेक्टर कार्तिक सुब्बाराज ने अभिनेता की पुरानी फोटो शेयर कर लिखा, हैप्पी 75, थलाइवा। आपको अच्छी सेहत और ढेर सारी खुशियां मिलें। आने वाले कई और सालों तक हमें प्रेरित और एंटरटेन करते रहें। हमारी ज़िंदगी को खूबसूरत बनाने के लिए धन्यवाद, आपसे हमेशा प्यार रहेगा। अभिनेता धनुष और रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत के पूर्व पति ने भी अभिनेता को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थडे थलाइवा।

तमिल और तेलुगू फिल्मों के सुपरहीरो राघव लॉरेंस ने भी अभिनेता को जन्मदिन की बधाई दी है। वे अभिनेता से मिलने के लिए भी उनके घर पहुंचे थे, जहां उन्होंने कुछ फोटोज भी शेयर की हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो थलाइवा, मैं राघवेन्द्र स्वामी से आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं। आप लंबी उम्र जिएं। इसके अलावा, हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ ने भी रजनीकांत को जन्मदिन की बधाई है। उन्होंने अपनी और रजनीकांत की फोटो शेयर कर लिखा, हैप्पी बर्थडे दोस्त। दोनों अभिनेताओं ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है, जिसमें से एक है, फिल्म 'उत्तर दक्षिण'। ये फिल्म पर्दे पर हिट रही थी।

पलक मुच्छल की वजह से धड़क रहे 3,966 दिल सिंगर ने कहा, मेरा मकसद जिंदगी बचाना

बॉलीवुड की प्लेबैक सिंगर पलक मुच्छल अपनी मीठी आवाज से लोगों के दिलों पर राज करती हैं, लेकिन इसी के साथ समाज सेवा के जरिए नए आयाम हासिल कर रही हैं। सिंगर हृदय रोगों से जूझ रहे बच्चों का मुफ्त इलाज कराती हैं। अब बच्चों की संख्या 3,966 हो गई है। बच्चों की सर्जरी की संख्या बढ़ने पर सिंगर ने अपनी भावनाओं को शब्दों में फैंस के साथ बयां किया है। प्लेबैक सिंगर पलक मुच्छल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। पलक ने सभी तारीफ और अवॉर्ड को दरकिनार करते हुए लोगों के सपोर्ट और प्यार को ही अपनी असली पूंजी बताया है। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, भारत सरकार द्वारा 'नेशनल चाइल्ड अवॉर्ड' मिलना, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज होना, या सीबीएसई और महाराष्ट्र बोर्ड की किताबों में मेरा एक चैप्टर शामिल किया जाना, यह सच में मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने आगे लिखा कि हाल के दिनों में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम शामिल होने के बाद काफी कुछ सुनने और पढ़ने का मौका मिला। लोगों की जान बचाने का मेरा मिशन किसी 'रिकॉर्ड' की कैटेगरी में नहीं आता और न ही मैंने सर्जरी स्पॉन्सर करने के लिए किसी किताब में नाम लिखवाया है। मेरे मिशन का मकसद जिंदगी बचाना, मुस्कान लाना और प्यार फैलाना है। ये सब मेरे लिए किसी अवॉर्ड या खिताब से कहीं ज्यादा है। अब धड़कते दिलों की संख्या 3,966 हो गई है और ये प्यार, सपोर्ट और खुशी ही मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम है। बता दें कि पलक अपने भाई पलाश के साथ मिलकर 'पलक पलाश चैरिटेबल फाउंडेशन' चलाती हैं। यह फाउंडेशन दिल की बीमारी से पीड़ित छोटे और गरीब बच्चों का इलाज कराती है।पलक अपने लाइव शो से जितना भी पैसा कमाती हैं, वह सारा पैसा बच्चों की सर्जरी में लगता है। पलक के पति और सिंगर मिथुन ने खुद एक इंटरव्यू में कहा था कि पलक लाइव शोज का सारा पैसा बच्चों की सर्जरी में लगा देती हैं और अगर पैसा कम पड़ता है तो अपने पर्सनल अकाउंट का भी इस्तेमाल करती हैं। बच्चों की दिल की सर्जरी कराने में सिंगर का साथ सलमान खान भी देते हैं।

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार

टीवी अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया पहले ही 'छोटी सरदारनी' सीरियल से छा चुकी हैं। उन्हें हाल ही में पंजाबी फिल्म 'शौंकी सरदार' में देखा गया है, जिसमें वे बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ देखी गई थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग भी पूरी कर ली है। अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में फिल्म के पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिनमें संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, हर्मन सिंघा और आशीमा वरदान जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही एक हिंदी वेबसीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बातचीत में बताया कि ये प्रोजेक्ट निमृत के अब तक के सबसे प्रॉमिसिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। पर्दे पर उनका किरदार अपनी भावनात्मक गहराई और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की ताकत रखता है। शूटिंग पूरी हो चुकी है। मुंबई और पंजाब में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी रिलीज की तारीख और फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गुप्त रखा गया है।

निमृत कौर अहलूवालिया को आखिरी बार फिल्म 'शौंकी सरदार' में देखा गया, जो पर्दे पर 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंद्र बताओली ने किया है। 'शौंकी सरदार' में भरपूर एक्शन और कॉमेडी देखने को मिली। दर्शकों ने भी फिल्म को मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा एक्ट्रेस म्यूजिक वीडियो भी कर चुकी हैं।

टीवी में अपना करियर शुरू करने से पहले साल 2018 में निमृत कौर अहलूवालिया ने फेमिना मिस मणिपुर का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्हें पहला ब्रेक बी प्राक के म्यूजिक वीडियो 'मस्तानी' में मिला था। ये गाना सुपरहिट साबित हुआ, लेकिन एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन साल 2019 में वे 'छोटी सरदारनी' सीरियल में बतौर लीड रोल में दिखीं। एक्ट्रेस ने टीवी के कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वे साल 2022 से 2023 तक बिग बॉस 16 में दिखीं और उसके बाद साल 2024 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आईं।

सोनू सूद ने बच्चों के लिए सरकार से की ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर कदम उठाने की गुजारिश

सोशल मीडिया के जरिए 16 से कम उम्र के बच्चों पर पड़ रहे गलत प्रभाव को देखते हुए हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने कई प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए पूरी तरह से बैन कर दिया है। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने ऑस्ट्रेलिया के इस फैसले का स्वागत किया है और अपनी सरकार से भी ऐसा ही फैसला लेने की अपील की है। सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा, ऑस्ट्रेलिया जैसे देश पहले ही 16 से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया को पूरी तरह बैन कर चुके हैं और अब समय आ चुका है कि भारत को भी ऐसा करना चाहिए। हमारे बच्चे भी असली बचपन जीने के हकदार हैं। उन्हें भी फैमिली के साथ बॉन्ड बनाने का मौका मिलना चाहिए और सबसे ज्यादा जरूरी है स्क्रीन के एडिक्शन से आजादी। उन्होंने आगे लिखा, हमारी सरकार को भी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए और दुनिया के सामने अच्छा उदाहरण पेश करने के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए तो चलिए अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आज कुछ बेहतर किया जाए।हमारे देश में 16 से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर कोई ठोस कानून नहीं है। सोशल मीडिया पर अडल्ट्री के लिए कानून बनाया है, जिसमें किसी तरह का वीडियो डालने से पहले 'नॉट फॉर किड्स' ऑप्शन चूज करना पड़ता है। ये सेटिंग फिर कुछ वीडियो को बच्चों तक पहुंचने से रोकती है लेकिन पूर्ण नियंत्रण नहीं देती। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद उसकी पहुंच किसी भी उपभोक्ता तक पहुंच सकती है। इसके अलावा, इसी साल सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून लागू किया है जिसके तहत सोशल मीडिया की बड़ी कंपनियों को 18 साल से कम उम्र के बच्चों का अकाउंट बनाने से पहले उनके माता-पिता से परमिशन लेनी होगी।

इस नियम से ऑनलाइन डाटा को सुरक्षित रखने पर ज्यादा जोर दिया गया, न कि बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए। ऑस्ट्रेलिया द्वारा उठाए गए इस जरूरी कदम की सराहना हर तरफ हो रही है।

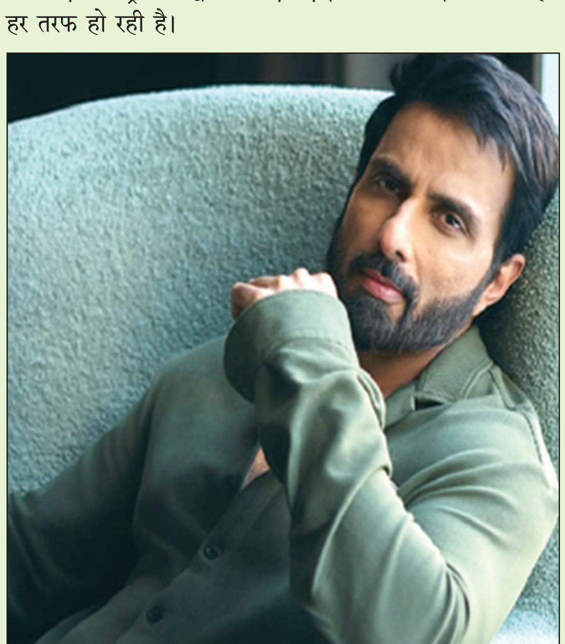

मां के कहने पर फिल्मों में रखा कदम आज भोजपुरी सिनेमा की क्वीन

मराठी, तमिल, हिंदी और भोजपुरी सिनेमा में अपनी एक्टिंग को साबित कर चुकी अभिनेत्री मधु शर्मा जाना-माना चेहरा हैं। अभिनेत्री ने भले ही तमिल फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन आज भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा चेहरा बन चुकी हैं। उन्होंने अपने अभिनय के लिए कई पुरस्कार भी जीते हैं। अभिनेत्री मधु शर्मा पहली ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने भोजपुरी के हर बड़े स्टार के साथ गाने और फिल्में की हैं। भोजपुरी में पवन सिंह और दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ उनकी जोड़ी सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। तमिल सिनेमा में भी उन्होंने 15 साल तक काम किया और बैक-टू-बैक कई हिट फिल्में दी, लेकिन अभिनेत्री कभी भी एक्टिंग को अपना पेशा नहीं बनाना चाहती थीं, बल्कि अपनी मां के कहने पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। मधु शर्मा बचपन से ही डॉक्टर या अपने घूमने-फिरने के शौक की वजह से ट्रैवलर बनने का सपना देखती थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह अपनी मां के कहने पर फिल्मों में आई थीं और उनके ही कहने पर फिल्मों के लिए फोटोशूट कराया था। अभिनेत्री ने बताया कि पहली तमिल फिल्म भी उन्हें इसी फोटोशूट के जरिए मिली थी और तब से लेकर आज तक उन्होंने कभी करियर में पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पर्दे से दूर रहीं ये बॉलीवुड हीरोइन नहीं रिलीज हुई एक भी फिल्म

बॉलीवुड में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा पर राज किया है। हालांकि, टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार और सबसे ज्यादा फीस वसूलने वाली अदाकारा साल 2025 में पर्दे से गायब रहीं। कैटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 के अंत में आई फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में देखा गया था। एक्ट्रेस ने उसके बाद किसी फिल्म में काम नहीं किया है और वे अपने मदरहुड को एंज्वॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने 7 नवंबर को बेबी बॉय को जन्म दिया था। कैटरीना के अलावा, हॉलीवुड और बॉलीवुड फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की भी इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है, लेकिन वे अगले साल 2027 में एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित और महेश बाबू अभिनीत मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' में दिखने वाली हैं।

साल 2025 आलिया भट्ट के लिए भी सूखा साबित हुआ। साल 2024 में उनकी फिल्म 'जिगरा' रिलीज हुई थी, जो विवादों के बाद पर्दे पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि साल 2026 में वे दो फिल्मों में नजर आ सकती हैं। उनकी आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' और 'अल्फा' साल 2026 में रिलीज होने वाली हैं।

वहीं दीपिका पादुकोण की भी कोई फिल्म इस साल रिलीज नहीं हुई। ये साल दीपिका के लिए कल्कि 2898 एडी के सीक्वल को लेकर विवादों में रहा। उनके 8 घंटे काम करने वाले बयान को लेकर उन्हें आलोचना और सपोर्ट दोनों मिला। उन्हें आखिरी बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, लेकिन आने वाला साल उनके लिए लाजवाब होने वाला है। दीपिका शाहरुख खान के साथ 'किंग', 'ब्रह्मास्त्र पार्ट-2', 'पठान-2', और 'एए22एए6' में दिखने वाली हैं, जबकि 'टाइगर वर्सेज पठान' में एक्ट्रेस के नाम को लेकर चर्चा हो रही है।

करीना कपूर खान भी पर्दे से काफी समय से दूर हैं। उन्हें आखिरी बार पर्दे पर 2024 में 1 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। इस साल अभिनेत्री की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है, लेकिन कहा जा रहा है कि वे 'थ्री इडियट्स 2' में नजर आ सकती हैं। फिल्म की लेखनी का काम पूरा हो चुका है।

इसके अलावा, श्रद्धा कपूर की 2025 में कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई और वह पूरी तरह से बड़े पर्दे से दूर रहीं। हालांकि, खबरों के मुताबिक, वह 2026 में जोरदार वापसी करेंगी; उनकी आगामी फिल्म 'ईथा' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस को आखिरी बार साल 2024 में फिल्म 'स्त्री-2' में देखा गया था और उन्होंने 'थामा' में खास अपीरियंस दी थी।

सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी धारण करने से

जीवन में आता है सकारात्मक बदलाव !

सफेद मोती की अंगूठी पहनने का ज्योतिषशास्त्र में खास महत्व होता है। सफेद मोती और चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। वहीं, चंद्रमा को भावनाओं, मानसिक स्थिति, कल्पना और मन का कारक माना जाता है। ऐसे में मोती वाली चांदी की अंगूठी धारण करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं और कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है। लेकिन इस अंगूठी को पहनते समय कुछ खास नियमों का ख्याल भी जरूर रखना चाहिए, अन्यथा प्रतिकूल प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है।

मोती की अंगूठी पहनने के नियम

मोती की अंगूठी किस दिन पहनेंऐसी मान्यता है कि सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी का संबंध चंद्रमा से होता है। ऐसे में इसे धारण करने के लिए सबसे शुभ दिन पूर्णिमा तिथि और सोमवार को माना गया है। साथ ही, आप मोती की अंगूठी को शुक्ल पक्ष में किसी भी सोमवार के दिन धारण कर सकते हैं। हालांकि, इस बात का ख्याल जरूर रखें की जिस भी दिन आप अंगूठी पहन रहे हों उस दिन भद्रा, राहुकाल या कोई अशुभ योग का समय न चल रहा हो। इन बातों का ध्यान रखकर ही मोती की अंगूठी धारण करनी चाहिए।

मोती की अंगूठी किस उंगली में पहननी चाहिए

शास्त्रों के अनुसार, किसी भी रत्न की अंगूठी को सही हाथ और सही उंगली में पहनना बहुत जरूरी होता है। अन्यथा इसका पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। माना जाता है कि सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी को अपने दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में धारण करना चाहिए। महिलाएं और पुरुष दोनों ही इसे दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में धारण कर सकते हैं। इससे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

मोती की अंगूठी किसे नहीं पहननी चाहिए

सफेद मोती की अंगूठी पहनना अच्छा माना जाता है। लेकिन कुछ जातकों को इसे धारण नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा राहु और केतु के साथ युति में हो उन्हें इस अंगूठी को पहनने से बचना चाहिए। वहीं, अगर चंद्रमा पीड़ित अवस्था में हो या चंद्रमा अष्टम भाव में अशुभ ग्रह से दृष्ट हो तो तब भी इसे धारण करने से बचना चाहिए। ऐसी स्थिति होने पर ज्योतिषी से सलाह लेकर और अपनी कुंडली दिखाकर सही रत्न ही धारण करना चाहिए।

मोती की अंगूठी किसे पहननी चाहिए

जिन जातकों की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर हो उन्हें सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी अवश्य धारण करनी चाहिए। ऐसा करने से जातक को जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा, 14 साल तक के बच्चों को भी सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी पहननी चाहिए। इससे बेहद शुभ फल प्राप्त होता है और बालारिष्ट योग का प्रभाव भी कम हो सकता है। अपने मन को शांत रखने के लिए भी इसे धारण किया जाता है। लेकिन पहले अपनी कुंडली दिखाकर ज्योतिष की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

मोती की अंगूठी पहनने के फायदे

सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी पहनना बेहद लाभदायक माना जाता है। इससे जातक को मानसिक शांति प्राप्त होती है और मानसिक तनाव से भी राहत मिल सकती है। यह अंगूठी भावनाओं को संतुलित और क्रोध को नियंत्रित करने में सहायक होती है। इससे स्वास्थ्य बेहतर होता है और रिश्ते मजबूत होने लगते हैं। चांदी की मोती वाली अंगूठी जीवन में सकारात्मकता बनाए रखती है और इससे कुंडली में चंद्रमा की स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

घर में नेगेटिव एनर्जी है या नहीं, इस एक तरीके से पता लगाएं नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के उपाय भी जानें

आसपास के वातावरण में नकारात्मक और सकारात्मक दो प्रकार की ऊर्जाएं मौजूद होती हैं। हम सभी चाहते हैं की हमारे घर, ऑफिस और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहे। लेकिन कई बार घर में अचानक एक के बाद एक समस्याएं आने लगती हैं और बनते हुए काम भी बिगड़ने लगते हैं। लड़ाई-झगड़ों का सामना करना पड़ता है और परिवार के सदस्यों पर किसी न किसी कारण के चलते मानसिक तनाव बना रहता है। इन सभी परेशानियों का कारण घर में मौजूद नेगेटिव एनर्जी हो सकती है। ऐसे में वास्तुशास्त्र में एक ऐसा तरीका बताया गया है जिससे यह जाना जा सकता है कि कहीं घर में नकारात्मक ऊर्जा तो मौजूद नहीं है।

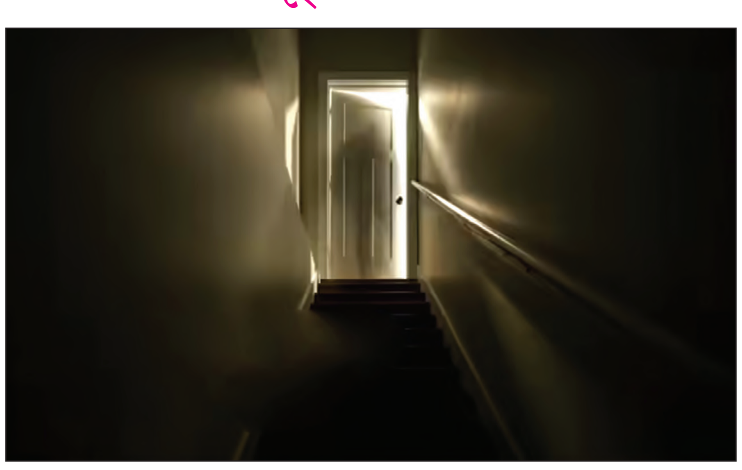

घर में नकारात्मक ऊर्जा का कैसे पता करें?

इसके लिए एक कांच के गिलास में पानी भरें और उसमें थोड़ा गंगाजल भी मिलाएं। इसके बाद, पानी में गुलाब की पंखुड़ियां डालकर गिलास को घर के किसी कोने में छिपाकर रख दें। इसे कम से कम पूरा एक दिन यानी 24 घंटे तक वहीं रखा रहने दें। फिर, अगले दिन जल का रंग देखें की वह बदला है या नहीं। अगर पानी का रंग पूरी तरह बदल गया हो तो इसका अर्थ है कि घर में कोई नकारात्मक ऊर्जा मौजूद है। ऐसे में इसके लिए आवश्यक उपाय जरूर करने चाहिए। लेकिन अगर पानी का रंग न बदला हो तो इसका मतलब है कि घर में कोई नेगेटिव एनर्जी नहीं है। ऐसे में आपके घर में आने वाली समस्याओं का कारण वास्तु दोष या कुछ और हो सकता है।

घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के उपाय

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने के लिए अपने मुख्य द्वार को हमेशा साफ रखना चाहिए। क्योंकि इसी स्थान से घर में सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। ऐसे में मेन गेट पर गंदगी जमा होने से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर सकती है।

अगर आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा मौजूद है तो इसे दूर करने के लिए पोछे के पानी में सेंधा नमक डालकर नियमित रूप से घर को साफ करना चाहिए। सेंधा नमक वाले पानी से पोछा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो सकती है।

पानी में नींबू का रस मिला लें। इसके बाद, अपने घर के दरवाजों की कुंडियों और खिड़कियों को नींबू वाले पानी से साफ करें। इस सरल उपाय को करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो सकती है।

अपने रसोई घर में सवा किलो साबुत नमक को लाल कपड़े में बांधकर किसी स्थान पर छिपाकर रख दें। इस पोटली को किसी ऐसे स्थान पर रखें जहां आते जाते किसी बाहर से आने वाली व्यक्ति की उस पर नजर न पड़े।

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने के लिए आप कुछ ऐसे पौधे लाकर रख सकते हैं, जिनसे नेगेटिविटी दूर रहती है। साथ ही, ये पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं।

शुक्र गोचर धनु राशि में, त्रिग्रह योग से साल जाते-जाते इन पांच राशियों को मिलेगा लाभ

शुक्र का गोचर धनु राशि में 20 दिसंबर, शनिवार के दिन होगा। ऐसे में यहां पहले से ही मौजूद मंगल और सूर्य के साथ शुक्र की युति बनेगी। इससे साल का आखिरी त्रिग्रह योग का अनुपम संयोग बनेगा। ये प्रभावशाली योग कई राशियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा। शुक्र ग्रह को सौंदर्य, धन, प्रेम और भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है। ऐसे में शुक्र के गोचर से कई राशियों के लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और सुख-सुविधाओं में भी वृद्धि होगी। यह साल जाते-जाते मेष, मिथुन सहित 5 राशियों को तिगुना लाभ दिला सकता है। करियर में तरक्की के अवसर मिलेंगे, दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और आर्थिक लाभ के योग बनेंगे।

मेष : सुख साधनों में वृद्धि होगी

शुक्र गोचर मेष राशि के भाग्य भाव यानी नौवें भाव में होगा। इस राशि के जातकों की साढ़ेसाती चल रही है, लेकिन नवम भाव में मंगल, सूर्य और शुक्र की युति होने से त्रिग्रह योग का शुभ संयोग भी बन रहा है। इसी के चलते आपको शुक्र गोचर से भरपूर लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों और सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आपको अपने सगे संबंधियों से भी लाभ मिलने की संभावना है। सुख-साधनों में वृद्धि होगी और नया वाहन खरीदने पर धन खर्च कर सकते हैं। विदेश यात्रा के भी योग बन रहे हैं, जिससे आपको लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और सभी सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

मिथुन : आय में वृद्धि होगी

शुक्र गोचर मिथुन राशि के सप्तम भाव में होगा। इस दौरान किसी यात्रा पर जाने की योजना बन सकती है। व्यापार के क्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल रहेंगी और इसी के चलते आय में भी वृद्धि हो सकती है। अगर आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो उनका समाधान मिलेगा जिससे तनाव कम होगा। आर्थिक लाभ मिलने के भी योग बने हुए हैं और नए स्थानों पर धन निवेश कर सकते हैं। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार और प्रियजनों के साथ तालमेल बना रहेगा। साथ ही आपके रिश्ते मजबूत होंगे। लव लाइफ बिता रहे लोगों के लिए भी शुक्र गोचर अनुकूल रहेगा। पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताएंगे और जीवन में रोमांस बना रहेगा। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के साथ आप खास पलों का आनंद ले सकते हैं।

कन्या : जीवन में रहेंगे सुखद अनुभव

शुक्र का गोचर कन्या राशि के जातकों के चतुर्थ भाव में होगा। इस अवधि के दौरान आपके जीवन में खुशियां दस्तक दे सकती हैं। पारिवारिक माहौल

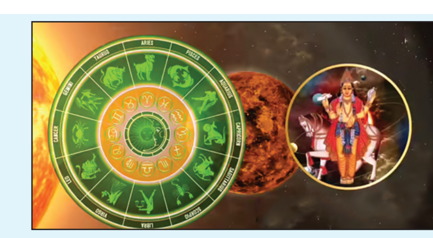

सुखद बना रहेगा और सभी सदस्यों के बीच तालमेल बना रहेगा। इसी के चलते आपको मानसिक शांति महसूस होगी और जीवन में सुखद अनुभव रहेंगे। माता की ओर से पूरा स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। अचल संपत्ति से लाभ होने की संभावना है। जो लोग रियल एस्टेट से जुड़े हैं उन्हें भी अच्छे मौके मिल सकते हैं। अगर वाहन खरीदने के विचार बना रहे थे तो आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। हालांकि, कुछ धन भी खर्च होगा। सगे-संबंधियों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे लाभ प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक : धन में वृद्धि होने के योग

शुक्र गोचर वृश्चिक राशि के दूसरे भाव में होगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और सही निर्णयों से बड़ा लाभ हो सकता है। करियर में मेहनत का फल मिलेगा और प्रयासों से सफलता जरूर प्राप्त होगी। मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और सेहत भी दुरुस्त बनी रह सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ किसी यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। वहीं, जीवनसाथी के साथ घूमने जाने की भी योजना बना सकते हैं। रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के जीवन में एक नया उत्साह आ सकता है और आपके लिए सफलता के मार्ग प्रशस्त होंगे। नई योजनाओं से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में सराहना की जाएगी। निवेशों से लाभ होगा और धन में वृद्धि होने के योग भी बन रहे हैं।

धनु : करियर में मिलेगी ग्रोथ

शुक्र का गोचर धनु राशि के प्रथम भाव में होगा। इस अवधि के दौरान आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरपूर रहेगा। जीवनसाथी और संतान की ओर स्नेह प्राप्त होगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। करियर में आपके नाम की ख्याति होगी और प्रसिद्धि भी बढ़ेगी। दूसरों की मदद करने के लिए आगे बढ़ेंगे। आर्थिक मामलों में सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे और आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी रहेगी। नौकरी करने वाले बदलाव का विचार बना सकते हैं। ऐसे में आपको अच्छे मौके मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा बना रहेगा। लव लाइफ बिता रहे लोगों के जीवन में खुशियां आएंगी।

सूर्य-बुध बना रहे लक्ष्मी नारायण राजयोग

मेष, मिथुन और कर्क सहित अन्य राशियों को मिलेगी भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की कृपा

बुध और शुक्र की युति वृश्चिक राशि में होने से लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष शास्त्र में इसे अत्यंत महत्वपूर्ण और शुभ राजयोग बताया गया है। लक्ष्मी नारायण योग को भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के प्रतीक के रूप में माना जाता है। यह योग व्यक्ति को धन, समृद्धि और भौतिक सुख-सुविधाएं प्रदान करता है। मेष, मिथुन और कर्क सहित कई राशियों को इस दौरान भाग्य का साथ मिलेगा और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

मेष –आज के दिन मेष राशि के जातक कोई महत्वपूर्ण परियोजना की शुरुआत कर सकते हैं। इसके सफलतापूर्वक पूरा होने में लगभग एक साल का समय लग सकता है। आर्थिक लाभ की संभावना बनती हुई दिख रही है। सेहत और वित्तीय मामलों की अनदेखी न करें। फिलहाल जमीन-जायदाद के लिए निवेश करना आपके लिए शुभ रहेगा।

वृष –वृष राशि वालों को आज के दिन थोड़ा सावधान रहना होगा। मकर राशि वाला कोई व्यक्ति आपके सामने कोई प्रस्ताव रख सकता है, लेकिन उसके बहकावे में न आएं। सायंकाल से रात्रि तक किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज का दिन स्वास्थ्य के लिए खराब है। खान-पान से बचें। आलस्य का भी त्याग करें। ध्यान रहे किसी भी वस्तु की अधिकता हानिकारक होती है।

मिथुन –जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति होती आज के दिन दिख रही है। भाग्य आज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। योजनाओं से संबंधित प्रस्ताव की मंजूरी मिलेगी। भुगतान मिलने के बाद आपका व्यावसायिक कार्यक्रम आगे बढ़ेगा। उपयुक्त व्यक्ति और उम्दा अवसर आपको मिलते रहेंगे, जिनकी अतीत में आपको तलाश थी। घटनाएं आपके अनुकूल रहेंगी।

कर्क –सायंकाल के समय परिवार के सदस्यों और दोस्तों के प्रति आपका रवैया उदार रहेगा। आज आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। विलासिता पूर्ण माहौल का लुप्त उठाने का मौका मिलेगा। बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से आप संतुष्टि महसूस करेंगे। रात्रि में इन लोगों पर धन का खर्चा भी हो सकता है।

सिंह –पति-पत्नी के संबंध प्रेम पूर्ण और सहयोग पूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने से आप विभिन्न कार्यों में सक्रियता पूर्वक भाग लेंगे। अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे। सायंकाल का समय अध्यात्म समागम में व्यतीत होगा। रात्रि में आपको कोई तोहफा या सरप्राइज मिल सकता है।

कन्या –सहकर्मियों के सहयोग से आज आप एक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे। किसी महान व्यक्ति के हस्तक्षेप से पारिवारिक विवाद का समाधान हो जाएगा। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। परिस्थितियों का आकलन करें और फिर दिल और दिमाग की बात सुनकर फैसला लें। आर्थिक मामलों में भाग्य आपका साथ देगा।

तुला –आज आपको त्रिकोणीय व्यापारिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा, लेकिन निजी संबंधों के मामले में त्रिकोणीय रिश्ते आपके जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। आप जीवन में तीन भूमिकाएं निभाएंगे। बेहतर यही होगी कि हर भूमिका को अलग-अलग रखें, उन्हें आपस में मिलाएं नहीं, अन्यथा आप संशयग्रस्त हो जाएंगे। सायंकाल का समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

वृश्चिक –आपकी राशि से पंचम शनि एवं चतुर्थ में केतु, का द्विग्रही योग मिश्रित फलकारक है। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद आप जो भी कार्य साहस के साथ करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र और परिवार में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। इनका सामना आप साहस के साथ करेंगे और विजेता बनकर उभरेंगे।

धनु –सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे लोगों के कार्यों के लिए ज्यादा वक्त और ऊर्जा बर्बाद न करें, क्योंकि ऐसे लोग एक के बाद एक दूसरी फरमाइश पेश करेंगे। आज समाज में भी आपका महत्व बढ़ेगा। मूड में उतार-चढ़ाव पर नजर रखें।

मकर –आपकी राशि से तृतीय स्थान मीन राशि पर शनि संचार कर रहा है। आप परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुज़र सकते है। लेकिन याद रखें, जब अंधेरा गहराता है तब सवेरा करीब होता है। सच्चाई का सामना करेंगे और आपके समक्ष भावनात्मक समस्याएं भी आएंगी।

कुम्भ –राशि स्वामी शनि के द्वितीय भाव में होने से निजी संबंधों पर भावनाएं हावी रहेंगी। अंतर्मन की पुकार को सुनें। हर मामले में अतिवादी से बचें। जीवन के कड़वे अनुभवों से सबक सीखें। अतीत को भूलकर वर्तमान में कदम आगे बढ़ाएं। आज आपके कार्य क्षेत्र में अप्रत्याशित बदलाव की संभावना है।

मीन–आज चंद्रमा कन्या राशि पर संचार कर रहा है। जो कि आपकी राशि से सप्तम भाव है। जो उम्मीदें संजो रखी हैं, उनके पूरा न होने पर आप खिन्न रहेंगे। निजी संबंधों के कुछ मामलों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। एक बात आज विशेष रूप से नोट कर लें कि जीवन में जब भी आपको आवश्यकता पड़ेगी तब आपके पारिवारिक सदस्यों से वांछित सहयोग कभी प्राप्त नहीं होगा।

ज्ञान जीवन नहीं बदलता, मनुष्य को बदल देता है और बदला हुआ मनुष्य ही अपना भाग्यस्वयं रचता है

आज दुनिया में जानकारी की कोई कमी नहीं है। इंटरनेट पर, पुस्तकों में, संतों के प्रवचनों में ज्ञान भरा पड़ा है। लेकिन इन सबके बावजूद व्यक्ति दुखी है, क्योंकि ज्ञान केवल कानों तक पहुँचा है, मन तक नहीं। जब तक ज्ञान मनुष्य की सोच को नहीं छूता, उसका जीवन जस का तस रहता है। जीवन में परिवर्तन हर व्यक्ति चाहता है। हर कोई चाहता है कि उसका भाग्य चमके, रास्ते खुलें, अवसर मिलें और सफलता उसके कदम चूमे। लेकिन क्या केवल इच्छा करने से भाग्य बदल जाता है? कदापि नहीं। आपको यह सच जानकर आश्चर्य होगा कि भाग्य बाहर से नहीं बदलता, भीतर से बदलना प्रारम्भ करता है, जैसे अर्जुन के साथ हुआ।

भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को हथियार नहीं दिए, नई सेना नहीं दी, नए साधन नहीं दिए। उन्होंने केवल ज्ञान दिया, और ज्ञान ने अर्जुन को बदल दिया। अर्जुन बदला, तो युद्ध भी बदल गया, परिणाम भी बदल गया, भाग्य भी बदल गया। परिस्थिति बदलने की आवश्यकता कम होती है, आवश्यकता मनुष्य को स्वयं बदलने की होती है। विद्वानों के अनुसार, विचार बदले बिना कर्म नहीं बदलते, कर्म बदले बिना परिणाम नहीं बदलते और परिणाम बदले बिना भाग्य नहीं बदलता। इसलिए ज्ञान तभी भाग्य परिवर्तन का कारक बनता है, जब वह मनुष्य को भीतर से रूपांतरित कर दे।

अक्सर लोग ज्योतिषियों से कहते हैं, मेरा भाग्य खराब है, अवसर मेरे दरवाजे तक नहीं आते, मेरे जीवन में संघर्ष ही लिखा है। एक अच्छा ज्योतिषी उन्हें बताता है, भाग्य वह है जो हम अपने मन, कर्म और दृष्टिकोण से बनाते हैं। अगर भाग्य बदलना हो तो पहले अपने कर्मों पर ध्यान दें। कर्म के साथ दृष्टिकोण एवं आचरण में सुधार लाएँ। ऐसा करने पर ज्योतिषीय उपायों के साथ भाग्य में परिवर्तन निश्चित रूप से होने लगता है। सिर्फ ग्रहों की जानकारी या ज्ञान इकट्ठा करने से जीवन नहीं बदलता। ज्ञान का प्रयोग करने पर ही जीवन बदलता है। ज्ञान जीवन को नहीं बदलता, लेकिन ज्ञान मनुष्य को बदल दे तो जीवन अवश्य बदल जाता है, और जब मनुष्य बदलता है, तो वही बदला हुआ मनुष्य अपना भाग्य स्वयं रचता है।

संपादकीय

चुनाव सुधार अर्थात 'वोट चोरी'

लोकसभा में चुनाव सुधार के मुद्दे पर बहस हुई, लेकिन कोई सुधार या संवैधानिक संशोधन सामने नहीं आया। सरकार की ओर से भी कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया कि अमुक सुधार किए जा सकते हैं। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक बहस थी। चुनाव सुधार की आड़ में 'वोट चोरी' का आरोप संसद के भीतर गूंजता रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत, सांठगांठ से चुनाव जीते जाने का बेहद गंभीर आरोप चस्पां किया। उन्होंने मौजूदा चुनाव आयुक्तों को लगभग धमकी दी कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो आपको ढूंढ कर दंडित किया जाएगा, क्योंकि 'वोट चोरी' के जरिए आपने 'लोकतंत्र-चोरी' का काम कराया है। नेता प्रतिपक्ष ने इस कानूनी संशोधन पर भी सवाल उठाया है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तय करने वाले पैनल में से देश के प्रधान न्यायाधीश को क्यों हटाया गया? चुनाव आयुक्तों के किसी भी फैसले अथवा काम के मद्देनजर उन्हें इम्युनिटी, कानूनी छूट, क्यों दी गई है? उनके खिलाफ कोई भी कानूनी केस दायर क्यों नहीं किया जा सकता? सीसीटीवी की फुटेज चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के 45 दिन बाद नष्ट क्यों की जाए? यह कानून गलत और भ्रामक है। नेता प्रतिपक्ष कांग्रेसी सत्ता के इतिहास को नहीं जानते, जब सरकार, यानी प्रधानमंत्री ही, मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन और नियुक्ति करते थे। बाद में उन्हें मंत्री भी बना दिया जाता था अथवा किसी उच्च ओहदे पर बिठा दिया जाता था। तब सत्ता न तो संसद और न ही देश के प्रति जवाबदेह होती थी। तब नेता प्रतिपक्ष को इतना भी अधिकार नहीं था कि वह अपनी 'असहमति' जता सकता। कमोबेश आज प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के चयन-पैनल में विपक्ष का प्रतिनिधि अपनी असहमति का नोट तो दर्ज करा सकता है। कांग्रेस के ही वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने व्याख्या की कि एक साथ कई राज्यों में या एक ही पूर्ण राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नहीं कराया जा सकता। चुनाव आयोग को यह संवैधानिक अधिकार प्राप्त है कि जहां उसे मतदाता सूची में विसंगति लगे, वह उसी क्षेत्र में एसआईआर का अभियान शुरू कर सकता है। यह बहस सर्वोच्च अदालत में भी उभर कर सामने आई है। एसआईआर को देश के 'जनप्रतिनिधित्व कानून' का उल्लंघन करार दिया गया है। आज 2025 में कई राज्यों में मतदाताओं से पूछा जा रहा है कि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था अथवा नहीं। अर्थात मतदाता को पुष्टि करनी है कि अतीत में वह मतदाता रहा था। दरअसल मतदाताओं को न तो पुरानी मतदाता सूची उपलब्ध है और न ही चुनाव आयोग के पोर्टल और वेबसाइट काम कर रहे हैं। यह पुष्टि देश का औसत मतदाता कैसे कर सकता है? 2003 या इतने पुराने मतदाता की पुष्टि सिर्फ चुनाव आयोग ही कर सकता है, क्योंकि उसके पास तमाम रिकॉर्ड हैं और वह मतदान कराता आया है। लिहाजा सर्वोच्च अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने एसआईआर को एक 'असंवैधानिक प्रक्रिया' करार दिया है। सर्वोच्च अदालत को इस संदर्भ में अपनी व्याख्या देनी है। चूंकि संसद में 'वोट चोरी' का गंभीर आरोप गूंजा है, लिहाजा सवाल है कि उसका जवाब कौन देगा? चुनाव आयोग संसद में आकर जवाब दे नहीं सकता। हालांकि कुछ मसलों पर चुनाव आयोग को जवाब देना है।

सरकार की ओर से भी कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया कि अमुक सुधार किए जा सकते हैं। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक बहस थी। चुनाव सुधार की आड़ में 'वोट चोरी' का आरोप संसद के भीतर गूंजता रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत, सांठगांठ से चुनाव जीते जाने का बेहद गंभीर आरोप चस्पां किया। उन्होंने मौजूदा चुनाव आयुक्तों को लगभग धमकी दी कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो आपको ढूंढ कर दंडित किया जाएगा, क्योंकि 'वोट चोरी' के जरिए आपने 'लोकतंत्र-चोरी' का काम कराया है। नेता प्रतिपक्ष ने इस कानूनी संशोधन पर भी सवाल उठाया है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तय करने वाले पैनल में से देश के प्रधान न्यायाधीश को क्यों हटाया गया? चुनाव आयुक्तों के किसी भी फैसले अथवा काम के मद्देनजर उन्हें इम्युनिटी, कानूनी छूट, क्यों दी गई है? उनके खिलाफ कोई भी कानूनी केस दायर क्यों नहीं किया जा सकता? सीसीटीवी की फुटेज चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के 45 दिन बाद नष्ट क्यों की जाए? यह कानून गलत और भ्रामक है। नेता प्रतिपक्ष कांग्रेसी सत्ता के इतिहास को नहीं जानते, जब सरकार, यानी प्रधानमंत्री ही, मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन और नियुक्ति करते थे। बाद में उन्हें मंत्री भी बना दिया जाता था अथवा किसी उच्च ओहदे पर बिठा दिया जाता था। तब सत्ता न तो संसद और न ही देश के प्रति जवाबदेह होती थी। तब नेता प्रतिपक्ष को इतना भी अधिकार नहीं था कि वह अपनी 'असहमति' जता सकता। कमोबेश आज प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के चयन-पैनल में विपक्ष का प्रतिनिधि अपनी असहमति का नोट तो दर्ज करा सकता है। कांग्रेस के ही वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने व्याख्या की कि एक साथ कई राज्यों में या एक ही पूर्ण राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नहीं कराया जा सकता।

कुछ अलग

खेल, ध्यान और क्रांति

हमने कभी यह नहीं समझा कि हमारी आदतें ही हमारी पहचान बन गई हैं। हमारे दैनिक कामों की रुटीन ही हमें 'हम' बना देती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब हम जानबूझ कर प्रतिदिन के किसी काम को किसी अलग ढंग से करते हैं, तो तीन प्रभाव होते हैं। पहला, वह हमारी रूढ़ हो चुकी आदतों को तोड़ता है, दूसरा, हमें हमारी प्राथमिकताओं और प्रवृत्तियों का ज्ञान होता है। तब हमें भान होता है कि क्या हम सचमुच वही चाहते हैं जो हम करते आए हैं, या वही किया जा रहा है जो हमारे समाज या हमारी परिस्थितियों ने निर्धारित कर दिया है? और तीसरा यह कि जब हम किसी काम को नए ढंग से करते हैं तो हमारा दिमाग कुछ नई अनजानी बातें देख और सीख सकता है, जो हमारे लिए कई बार कई नई राहें खोल देता है। इस प्रक्रिया का एक व्यावहारिक और आसान तरीका यह है कि सप्ताह में एक बार हम कोई छोटा काम किसी अलग ढंग से करें और अपने भीतर की प्रतिक्रियाओं का निरीक्षण करें। यह एक साधन है, आत्म-परीक्षण का उपकरण, जो हमें बताता है कि हम किस हद तक अपनी आदतों के गुलाम हैं और इस गुलामी को हम कैसे तोड़ सकते हैं। जीवन बाहर से जितना सरल दिखता है, भीतर उतना ही जटिल, गूढ़ और गहन अनुभवों का संगीत बजता रहता है। हर मनुष्य रोज सुबह उठता है, कुछ काम करता है, भोजन करता है, सफर करता है, परिवार निभाता है, फिर रात को कुछ थका हुआ सा सो जाता है और अगला दिन फिर उसी कदमों पर चलता रहता है। देखने में यह एक सामान्य क्रम है, लेकिन यदि मनन से देखें तो यह क्रम ही धीरे-धीरे हमारी बंदिश बन जाता है।

दीपावली के केंद्र में केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है

यूनेस्को ने दीपावली को विश्व धरोहर घोषित किया

यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक चेतना का ऐसा महत्त्वपूर्ण क्षण है, जो न केवल भारतीयों को गौरवान्वित करता है बल्कि यह सिद्ध करता है कि भारतीय सभ्यता की आत्मा आज भी मानवता का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखती है। दीपावली मात्र एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, संबंध, समरसता और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है। यह वह विरासत है जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, ईर्ष्या से प्रेम और भय से विश्वास की यात्रा पर ले जाती रही है। दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है। जब अयोध्या की रामपैड़ी पर 26.17 लाख दीपकों ने एक साथ जगमग कर दुनिया को चमत्कृत किया, तब वह दृश्य सिर्फ दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था, एक ऐसा उद्घोष जिसने दुनिया को यह विश्वास कराया कि भारत की परंपराएं आज भी सार्वभौमिक प्रेरणा शक्ति हैं। यूनेस्को का निर्णय इसी चमत्कार की परिणति है। दीपावली के केंद्र में केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह पर्व मनुष्य को याद दिलाता है कि हर कठिनाई, हर पीड़ा, हर अंधकार के भीतर एक दीप जलने की संभावना छिपी होती है। हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख परंपराओं में दीपावली का अलग-अलग महत्व है, मगर संदेश एक ही है, प्रकाश का मार्ग ही मानवता का मार्ग है। यही अखंड संदेश अब विश्व स्तर पर मान्यता पा रहा है। भारत की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें सदैव मानव-कल्याण की प्रेरक रही हैं। कुंभ, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, योग, दुर्गा पूजा जैसी परंपराएँ पहले से विश्व धरोहर सूची में शामिल रही हैं। दीपावली के जुड़ने से यह सूची और उज्जवल हुई है। दीपावली यूनेस्को के उस उद्देश्य को पूर्ण रूप देती है जिसमें कहा गया है कि मानवता की सबसे बड़ी शक्तियाँ वे परंपराएँ हैं जो समय के साथ खो न जाएँ। दीपावली भारतीय समाज की आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संरचना को एक गहरा संदेश देती है। एक छोटा कुम्हार, जो अपने हाथों से दीए बनाता है, उसी दीये की रोशनी से करोड़ों घर रोशन होते हैं। एक छोटे व्यापारी की दुकान भी दीपावली पर उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी एक बड़ी कंपनी की। यह त्योहार बताता है कि समाज प्रकाश तभी बनता है जब हर व्यक्ति के जीवन में रोशनी पहुंचे। इसीलिए यह उत्सव भारतीय सामुदायिक चेतना का उत्सव है, समता और समान अवसरों का उत्सव है। दुनिया आज विभाजन, युद्ध, तनाव, भौतिक लालच और मानसिक अंधकार से जूझ रही है। ऐसे समय में दीपावली का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है कि एक दीप की लौ किसी भी गहन अंधकार को चुनौती दे सकती है। भारत ने सदियों से दुनिया को यही बताया है कि नैतिक साहस, सद्भाव, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा ही सभ्यताओं को टिकाऊ बनाती है। दीपावली इस सत्य का प्रत्यक्ष प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधुनिक सोच और सांस्कृतिक कूटनीति ने भारत की इन अवधारणाओं को दुनिया के सामने नई ऊर्जा के साथ स्थापित किया है। योग की वैश्विक मान्यता हो, आयुर्वेद का उभार हो, रामायण सम्मेलन हों या भारतीय त्योहारों का अंतरराष्ट्रीयकरण, यह सब भारत की सॉफ्ट पावर की विजय है। दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल किया जाना इसी सॉफ्ट पावर की अगली खूबसूरत सीढ़ी है। मोदी का "वसुधैव कुटुंबकम" का मंत्र अब भारत की विदेश नीति ही नहीं, बल्कि विश्व-दृष्टि बन चुका है। इसी भावना ने जी20 से लेकर वैश्विक मंचों पर भारत की पहचान को मजबूत किया है। दीपावली का वैश्विक सम्मान इसी मंत्र का विस्तार है, क्योंकि यह त्योहार हर मानव को यह याद दिलाता है कि दुनिया एक है, पीड़ा साझा है, और आनंद भी साझा होना चाहिए। दीपावली केवल आध्यात्मिक पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मनोविज्ञान भी है। यह मन को खाली नहीं करती, उसे भरती है, उसे बुझाती नहीं, उसे जगाती है। दीपावली मन की धूल झाड़ने, जीवन के प्रति नई आशा जगाने और अपने भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। यही कारण है कि इसे विश्व धरोहर घोषित करना पूरी मानवता के आध्यात्मिक भविष्य को मान्यता देना है। वैश्वीकरण के प्रभाव ने दुनिया को तकनीकी रूप से भले ही जोड़ा हो, पर मानसिक रूप से विभाजन बढ़ा दिया है। ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विविधता, विशेषकर दीपावली जैसी परंपराएँ, सभ्यताओं के बीच एक दार्शनिक पुल का काम करती हैं। ये त्योहार दुनिया को यह बताते हैं कि जीवन केवल उपभोग नहीं, संवेदना है, केवल प्रगति नहीं, समरसता है, केवल विकास नहीं, मूल्य भी हैं। यूनेस्को की घोषणा के बाद अब दुनिया दीपावली को केवल भारतीय या धार्मिक त्योहार के रूप में नहीं देखेगी, बल्कि इसे वैश्विक नैतिक चेतना के रूप में स्वीकार करेगी। यह उस विरासत का सम्मान है जो अतीत से चली आ रही है पर भविष्य को दिशा देती है। यह भारत की उस आध्यात्मिक शक्ति का प्रमाण है जिसे दुनिया युगों से सम्मान देती आई है। अब यह भी हमारा दायित्व है कि दीपावली की इस उज्ज्वल विरासत को हम और अधिक संवारे, संजोएं और इसे केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में अपनाएं। जब हम अपने भीतर एक दीप जलाते हैं, तो उसके प्रकाश में पूरी दुनिया का मार्गदर्शन संभव होता है, यही भारतीय संस्कृति की शक्ति है, यही दीपावली की महिमा है। निस्संदेह, दीपावली का वैश्विक होना भारत की सांस्कृतिक आत्मा की विजय है। यह वह क्षण है जो बताता है कि भारत केवल एक भू-राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि मानवता का आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी है। आने वाले समय में यह प्रकाश दुनिया के हर कोने तक पहुंचे, यही दीपावली का संदेश और भारत की सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। दीपों का यह उत्सव अब केवल भारत का नहीं रहाकृअब यह मानवता का उत्सव है, और भारत की यह रोशनी आने वाले समय में वैश्विक चेतना का नया सूरज बनकर उदित होगी।

दीपावली मात्र एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, संबंध, समरसता और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है। यह वह विरासत है जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, ईर्ष्या से प्रेम और भय से विश्वास की यात्रा पर ले जाती रही है। दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है। जब अयोध्या की रामपैड़ी पर 26.17 लाख दीपकों ने एक साथ जगमग कर दुनिया को चमत्कृत किया, तब वह दृश्य सिर्फ दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था, एक ऐसा उद्घोष जिसने दुनिया को यह विश्वास कराया कि भारत की परंपराएं आज भी सार्वभौमिक प्रेरणा शक्ति हैं।

देश दुनिया से

नारी अस्मिता पर अपराधों की मार

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट एक बार फिर हमारे सामने वह कठोर सच रखती है, जिसे हम अक्सर आंकड़ों की भीड़ में खो देने की कोशिश करते हैं कि भारत में नारी अस्मिता पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं और समाज के भीतर मौजूद विकृत मानसिकता किसी न किसी रूप में आज भी उतनी ही सजीव है। कानून, अभियान, जागरूकता और आधुनिकीकरण की चमक के बावजूद महिलाएं आज भी भय, हिंसा और अपमान झेलने को मजबूर हैं। वर्ष 2023 में महिलाओं से जुड़े 448211 अपराध दर्ज हुए, यह सिर्फ एक साल के आंकड़े नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के खिलाफ हो रही निरंतर हिंसा की तस्वीर है। हर दिन सैकड़ों महिलाएं अपमानित होती हैं, उनकी सुरक्षा चकनाचूर होती है और उनके आत्मसम्मान पर प्रहार किए जाते हैं। उत्तर प्रदेश में 66 हजार से अधिक मामलों का दर्ज होना, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश का पीछे न रहना और तेलंगाना, राजस्थान, ओडिशा व हरियाणा जैसे राज्यों में प्रति लाख महिलाओं पर अपराध दर 100 से ऊपर होना इस बात का संकेत है कि समस्या केवल किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहकर, गांव और शहर दोनों ही समान रूप से असुरक्षित हो चुके हैं। सबसे अधिक अपराध पति या परिजनों द्वारा की जाने वाली क्रूरता के हैं, जो कुल घटनाओं का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। यह तथ्य ही बताने के लिए काफी है कि महिला असुरक्षा का सबसे बड़ा अड्डा अक्सर घर ही बन जाता है। 88000 अपहरण के मामले, 6156 दहेज हत्याएं और 29670 बलात्कार की घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि कठोर कानूनों के बावजूद अपराधियों के मन से कानून का भय मिट चुका है। बच्चों के खिलाफ अपराधों में 9 प्रतिशत की वृद्धि, वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ 28000 मामले और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अपराधों में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी। यानी हमारा समाज संवेदनशीलता की परीक्षा में लगातार असफल हो रहा है। हिमाचल प्रदेश जिसे वर्षों तक शांत, सुरक्षित और अपेक्षाकृत बेहतर सामाजिक वातावरण वाला प्रदेश माना जाता रहा, अब इस राष्ट्रीय परिदृश्य से अलग नहीं रहा। जनवरी से जुलाई 2025 के भीतर ही 1070 मामले महिलाओं के खिलाफ दर्ज हुए। इनमें 319 छेड़छाड़, 290 अपहरण और 232 बलात्कार के मामले शामिल हैं। आंकड़े हर वर्ष बढ़ते जा रहे हैं, 2024 की इसी अवधि में 948 मामले दर्ज हुए थे। बलात्कार के मामलों में 21 प्रतिशत, अपहरण में 13 प्रतिशत, महिलाओं के प्रति क्रूरता में 18 प्रतिशत और सबसे ऊपर छेड़छाड़ व यौन उत्पीडन के मामलों में 52 प्रतिशत की वृद्धि। यह बढ़ोतरी सिर्फ संख्या की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक चेतना के क्षरण की है। राष्ट्रीय महिला आयोग की नारी यानी 'एनएआरआई 2025' की रिपोर्ट इस संकट की पुष्टि करती है। अपनी तरह का यह पहला राष्ट्रीय वार्षिक सुरक्षा सूचकांक हमें बताता है कि भारतीय शहरों में महिलाओं की वास्तविक सुरक्षा का स्तर कितना असमान है। कोहिमा, विशाखापत्तनम और भुवनेश्वर सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल हुए, जबकि दिल्ली, पटना और जयपुर सबसे असुरक्षित शहरों में गिने गए। 12770 महिलाओं के सर्वेक्षण पर आधारित यह रिपोर्ट न केवल आंकड़े देती है, बल्कि यह बताती है कि महिलाओं की सुरक्षा का सवाल अब सिर्फ पुलिस या प्रशासन का विषय नहीं रहा। यह हमारे सामाजिक व्यवहार, परवरिश, मानसिकता और नैतिकता से जुड़ा मुद्दा बन चुका है। हर जिले में अनिवार्यतः फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं और सजा का प्रावधान न केवल कठोर, बल्कि त्वरित हो। अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार भी एक प्रभावी कदम हो सकता है, जो समाज को यह स्पष्ट संदेश दे कि महिलाओं की गरिमा पर हमला किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इसके बाद पुलिस तंत्र का आधुनिकीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर थाने में महिला हेल्प डेस्क, प्रशिक्षित महिला अधिकारी, 24 गुणा 7 हेल्पलाइन, सुरक्षित मोबाइल ऐप और जीपीएस आधारित आपातकालीन रिस्पॉन्स सिस्टम को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह पीड़ितों की मदद तक तेजी से पहुंचाए और मामलों की जांच में पारदर्शिता सुनिश्चित करे। समस्या का तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण आयाम है, मानसिकता का परिवर्तन। जब तक समाज बेटियों को बराबरी का अधिकार और सम्मान देना नहीं सीखेगा, तब तक कानून चाहे कितने ही कठोर क्यों न बना दिए जाएं, स्थितियां नहीं बदलेंगी। बच्चों को स्कूलों से ही लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं। वे शिक्षा, प्रशासन, स्वास्थ्य, कला, विज्ञान, सेना और राजनीति तक, हर क्षेत्र में राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यदि इस आधी आबादी को सुरक्षा और सम्मान नहीं दिया गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी ही रह जाएगी। नारी अस्मिता पर अपराध केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता और संस्कारों की सबसे बड़ी परीक्षा है। हमें तय करना होगा कि हम कैसा भारत चाहते हैं, वह जहां महिलाएं भय और असुरक्षा में जीएं, या वह जहां सम्मान, सुरक्षा और गरिमा उनकी सांसों की तरह सहज हो।

आप का नजरिया

सुक्खू सरकार के आंवले

कर्ज और फर्ज के बीच सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार के पैमाने, ठिकाने और अफसाने अंततः तीन साल की हुकूमत का जिक्र कर रहे हैं, तो बगल में विरोध कर रही भाजपा ने ग्यारह की रैली के सामने 13 दिसंबर की अपनी एकता बुलंद करने का जतन कर दिया। बहरहाल मुख्यमंत्री अपने प्रयासों को 'आंवले का स्वाद' कहते हैं। हिमाचल में सत्ता का चरित्र बदले बिना प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता, इसलिए कांग्रेस सरकार के गवाह कुछ सख्त फैसले और कुछ व्यवस्था परिवर्तन के प्रयत्न सामने आए है। एक ओर पिछला चुनाव, दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाओं के सिलसिले और तीसरे सरकार के अपने इरादों की तपिश के बीच ये तीन साल, कई सदियों के संदेश ढूंढ सकते हैं। अगर चुनाव की छह गारंटियां जारी हो चुकी हैं, तो यह सौदा सियासी अभिमान-सम्मान की म्यान है। इसमें रखा हर आश्वासन राजकोष में वित्तीय घाटा है, लेकिन यह जनता है और इसे कड़वे घूंट पीने की आदत नहीं। हिमाचल के अपने कई ट्रैप हैं और राजनीति ने गुलकंद खिला खिला कर कर्मचारी वर्ग को राज्य की बपौती बना दिया है। सरकारें चलती नहीं, बिछ जाती हैं। सत्ता की परिभाषा में सख्त कदम अगर जरूरी हैं, तो विपक्ष की पैरवी में हिमाचल लूटा जाता है। ठंडे दिमाग से सोचें, तो आंवले खाने पड़ेंगे। बेशक सुक्खू सरकार के एक कक्ष में गारंटियों का सिरदर्द रहा। ओपीएस की आजमाइश में बजट की पैमाइश ही नहीं हुई, बल्कि केंद्र सरकार की पाबंदियों ने 1600 करोड़ की अतिरिक्त उधारी की सीमा कैद कर ली तथा एनपीएस की जमा पूंजी यानी करीब दस हजार करोड़ पर कुंडली मार दी। यहां केंद्रीय वित्त पोषण के कई स्रोतों तथा राजस्व घाटे की अनुदान पूर्ति में आई उल्लेखनीय कमी ने हिमाचल सरकार को आऊटर जंक्शन पर खड़ा कर दिया। पर्वतीय प्रदेश के अधिकारों पर बट्टा लगाते हुए वाटर सैस जैसे प्रयोग को गैरमुमकिन बना दिया, तो शानन विद्युत परियोजना के मालिकाना हक पर तमाशबीन बना रहा। इसी परिप्रेक्ष्य में अगर कुछ मानवीय पहलू प्रदेश में हार रहे हैं, तो यह राष्ट्रीय नाइंसाफी का नजारा भी है। पर्वतीय पीड़ा को समझते हुए विशेष राज्यों की श्रेणी में हिमाचल का अस्तित्व, विकास और प्रगति के राष्ट्रीय उदाहरण बने, लेकिन अब उल्टी गंगा बहने लगी है। सुक्खू सरकार के तीन सालों के बीच कितने बादल फटे, जमीनें फटीं और असहाय जनता से छतें छिन गईं, लेकिन राहत के अध्यायों पर राजनीति पढ़ी गई। बेशक प्रधानमंत्री ने 1500 करोड़ का आपदा राहत पैकेज घोषित किया, लेकिन इन घावों को अभी मरहम की यह राशि उपलब्ध नहीं हुई। इसलिए तीन साल की जद्दोजहद में ये जख्म भी दौड़े हैं, तुम्हें क्या पता आहें चुपचाप रोती हैं। इन चुनौती के दरपेश अगर सुक्खू सरकार के तीन साल गिने जाएं, तो ये सत्ता की पात्रता के तीन साल दिखाई देंगे। यहां सियासी संघर्ष की एक पारी उस मेहनत में गुजरी जहां सत्ता पलट के मंसूबे राज्यसभा की एक सीट की दुकानदारी बन गए। किसने किसको नाको चने चबाए, ये टूटे दांत शेखचिल्ली क्यों कहलाए। बहरहाल व्यवस्था परिवर्तन की पहली नकेल में राज्य का अव्यावहारिक पक्ष अगर कुछ स्कूल-कालेज के अपव्यय में दर्ज हुआ, तो ऐसे फैसलों के तराजू एक नेक जिरह बन जाएंगे। आज अगर हिमाचल में डे बोर्डिंग स्कूलों की परिकल्पना सामने आ रही है या सौ स्कूल सीबीएसई बनने की प्रकिया में अलग दिखाई दे रहे हैं, तो यह उद्गम गुणवत्ता को आगे बढ़ा सकता है। आज अगर हमीरपुर कालेज को साइंस की श्रेष्ठता में राज्य स्तरीय बनाया जा रहा है, तो अध्ययन के विषयों और अनुसंधान के पर्यायों में कई और कालेज भी शरीक होंगे। आज अगर रोबोटिक सर्जरी हिमाचल की नब्ज बता रही है, तो स्वास्थ्य सेवाओं में घोषित बदलाव आशा प्रकट करते हैं। 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' की बाहों में 6000 बच्चों का चयन, सामाजिक सुरक्षा का एक नया इतिहास है। भू राजस्व मामलों के इंतकाल में इंकलाब लाकर सुक्खू सरकार ने बता दिया कि विभागीय सोच बदला जा सकता है, लेकिन सभी विभागों के ठहराव में कुछ ऐसे ही निष्कर्ष देखने बाकी हैं। चिट्टे के खिलाफ कुछ कार्रवाइयां और ठोस तफतीश का आगाज नशा तस्करों का चेहरा बेनकाब करता हुआ अगर 60 सरकारी कर्मचारी पकड़ लेता है, तो इस जमीन पर सुक्खू सरकार चिन्हित हो रही है। सुक्खू सरकार मिशन रिपीट के बजाय अगर सारी ऊर्जा से राज्य को आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य के खाके में ले जा रही है, तो कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार जैसी परियोजनाएं वाकई हिमाचल का आर्थिक युग बदल सकती हैं। सरकार के तीन सालों ने कितनी-सियासत-कितनी शाबाशी बटोरी है, इसका फैसला अगले दो सालों की वकालत करेगी।

हिमाचल में सत्ता का चरित्र बदले बिना प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता, इसलिए कांग्रेस सरकार के गवाह कुछ सख्त फैसले और कुछ व्यवस्था परिवर्तन के प्रयत्न सामने आए है। एक ओर पिछला चुनाव, दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाओं के सिलसिले और तीसरे सरकार के अपने इरादों की तपिश के बीच ये तीन साल, कई सदियों के संदेश ढूंढ सकते हैं। अगर चुनाव की छह गारंटियां जारी हो चुकी हैं, तो यह सौदा सियासी अभिमान-सम्मान की म्यान है। इसमें रखा हर आश्वासन राजकोष में वित्तीय घाटा है, लेकिन यह जनता है और इसे कड़वे घूंट पीने की आदत नहीं। हिमाचल के अपने कई ट्रैप हैं और राजनीति ने गुलकंद खिला खिला कर कर्मचारी वर्ग को राज्य की बपौती बना दिया है। सरकारें चलती नहीं, बिछ जाती हैं। सत्ता की परिभाषा में सख्त कदम अगर जरूरी हैं, तो विपक्ष की पैरवी में हिमाचल लूटा जाता है।

दृष्टि कोण

ट्रंप के शांति समझौते को नकारा, फिर संघर्ष

ट्रंप ने जिस युद्ध विराम के हवाले से नोबेल पीस प्राइज़ पाने की दावेदारी ठोकी थी, वो एक झटके में एक्सपोज़ हो गई है। युद्ध विराम इतनी जल्दी टूट जायेगा, इसकी आशा व्हाइट हॉउस को भी नहीं थी। 8 दिसंबर को फिर से हुई झड़पों के लिए दोनों पक्ष एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे थे। महीनाभर पहले 10 नवंबर को एक थाई सैनिक के लैंडमाइन से घायल होने के बाद से तनाव बढ़ गया था। कंबोडिया का आरोप है कि वह कई सौ किलोमीटर तक फैली एक साझा सीमा के कई विवादित हिस्सों पर थाई हमले का शिकार है। देश के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, थाई गोलाबारी में सात कंबोडियन नागरिक मारे गए हैं और 20 अन्य घायल हुए हैं। दूसरी ओर बैंकॉक ने नोम पेन्ह पर आरोप लगाया है, कि व्हाइट हाउस द्वारा खून-खराबा रोकने की चेतावनी के बावजूद उसने बॉर्डर पार रॉकेट हमले किए। कंबोडिया की सीमा कुल तीन देशों से मिलती है। पश्चिम और उत्तर में थाईलैंड है, तो उत्तर में लाओस स्थित है। पूर्व और दक्षिण पूर्व में वियतनाम है तो दक्षिण में कंबोडिया की सीमा थाईलैंड की खाड़ी से मिलती है। 9 नवंबर, 1953 को फ्रांस ने कंबोडिया को आजाद कर दिया। वर्ष 1863 से 1953 के कालखंड में कंबोडिया पर फ्रांस के कब्ज़े के दौरान ही थाईलैंड (जिसे उस समय सियाम कहा जाता था) के साथ कंबोडिया की सीमाएं तय की गई थीं, विशेषकर 1907 के सीमा निर्धारण में, जिससे कई विवादित क्षेत्र बने, उनमें से एक है प्रीह विहियर मंदिर, जो आज भी दोनों देशों के बीच तनाव का कारण है। प्रीह विहियर मंदिर पर थाई-कंबोडियाई क्षेत्रीय विवाद 2008 में भड़क गया, जब थाई सरकार ने एक संयुक्त विज्ञप्ति पर सह-हस्ताक्षर किया, जिसने मंदिर को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए यूनेस्को को कंबोडिया के अनुरोध का समर्थन किया। इस कदम से थाईलैंड में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और यहां तक कि 2008 से 2011 की अवधि में दोनों देशों के बीच सशस्त्र झड़पें भी हुईं। इस साल अक्तूबर तक थाई-कम्बोडिया के बीच फुल स्केल वॉर में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई,

और लगभग 40 हज़ार से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा। विवाद से निपटारे के लिए द्विपक्षीय वार्ता विफल रही। आसियान द्वारा मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों के साथ भी यही हुआ। फिर आसियान सम्मेलन के दौरान 25 अक्तूबर, 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 'ऐतिहासिक' शांति समझौते पर हस्ताक्षर करवा दिये हैं। ट्रम्प ने उसे आधार बनाकर नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी ठोक दी। अब इसका मज़ाक़ बनना शुरू हो चुका है। अब सवाल यह है, क्या ट्रंप केवल शांति समझौता का क्रेडिट लेने की जल्दी में थे? क्या उन्हें समस्या की तह तक नहीं जाना चाहिए था? ट्रंप इसी तरह शांति स्थापना की सतही घोषणा भारत-पाकिस्तान के सन्दर्भ में करते रहे हैं। यूक्रेन-रूस के बीच शांति प्रयासों का मज़ाक़ अलग बन रहा है। ट्रंप की तथाकथित शांति स्थापना से ग़ज़ा में शांति नहीं दिख रही। विश्लेषकों का कहना है कि युद्धविराम के बाद से गाजा में इस्राइल द्वारा फलस्तीनियों की हत्या की दर धीमी हो गई है, लेकिन युद्ध जारी है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि गाजा में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिकी मध्यस्थता वाली योजना का दूसरा चरण करीब है। लेकिन मुख्य मुद्दों को अभी भी हल करने की ज़रूरत है। मतलब साफ़ है, ट्रम्प ने जहां-जहां शांति स्थापना का ढोल पीटा, वहां अशांति दोबारा भड़की है। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच दोबारा से युद्ध छिड़ जाना ट्रम्प की विफलता का दूसरा उदाहरण है। मलेशिया, जो अभी आसियान का चेयरमैन है, ने बीच-बचाव करने की पेशकश की थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप की सहकर्मी के साथ लोकप्रियता बढेगी। व्यावसायिक रूप से चीजें ठीक ठाक चलेगी आपकी प्रगति होगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आपको आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नये रास्ते बनेंगे . भाई–बहनों मे संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा की योजना बन सकती है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय और खुशहाल रहेगा। हल्का और तंदरुस्ती वाला भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें। आप का दिन पाजिटिव रहेगा। आज आपके पहले किये गये प्रयास सफल होंगे अगर आप बिजनेसमैन है तो मेहनत ज्यादा करनी पडेगी। परिवार वालो के साथ समय बिताए उत्साह पूर्ण माहौल रहेगा. छात्रों के लिये आज का दिन ठीक है. कुछ ना कुछ नया सिखने को मिलेगा. आप को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा. शारीरिक रुप से आप फिट रहेगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज परिवार की सभी जरूरी और आवश्यक बातो पर गंभीर रुप से विचार करना चाहिए। परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. बिजनेस में बढ़ोतरी के लिये नए मौके मिल सकते हैं. मित्र और सम्बन्धी आप की मदद कर सकते हैं आप को लाभ पहुचा सकते हैं जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा. पति–पत्नी के बीच आपसी तालमेल बना रहेगा. भाइयों का सहयोग मिलेगा. संतान के कार्यों से आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को योग एवं प्राणायाम करते रहना चाहिए आप का कोई पुराना रोग परेशान कर सकता हैं पेट , कमर से जुडा मरज आप के व्यवस्थित जीवन को अस्त व्यस्त कर सकता हैं। आर्थिक रुप से कमजोरी के कारण आप को कर्ज की रकम लेनी पड सकती हैं कार्यस्थल पर आप को सदैव अपने सहकर्मियों का समर्थन लेने के लिए मृदु भाषी होना पडेगा अगर आप प्रॉपर्टी–डीलर है या कन्स्ट्रक्शन का कार्य करते है तो सभी दस्तावेजों को गौर करके ही आगे बढाना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज पहले जो जरूरी खास काम है उस को पूरा करने की कोशिश करें. अपने काम मे फुर्ती दिखाए आप ईनाम के हकदार होंगे। छात्रों को कम मेहनत करने पर भी प्रबल भाग्य के बल पर सफलता हासिल हो सकती है. विवाहित जोडें आज एक दूसरे की भावनाओं को समझे और एक दूसरे की मन की बात जानने की कोशिश करें, रिश्तों में मधुरता बढेगी. अगर आप किसी निजी समस्या से परेशान चल रहे हैं तो, उससे निजात पाने के लिये कोई ठंडा स कदम उठाना पडेगा जिससे आपकी मुश्किल आसान हो सकती है.स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप के लिए जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसानदेह साबित हो सकता हैं , इसलिए सोच विचार करके ही नतीजे पर पहुंचे ताकि जिन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जैसे जैसे समय बितता जाएगा वित्तीय तौर पर सुधार आएगा.पारिवारिक सदस्य की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत पडेगी. परन्तु सुधार जल्दी ही देखने को मिलेगा। जमीन का सौदा करना अभी के समय मे लाभकारी हैं दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से न थकाएँ. थकान को दूर करने के लिए मैडिटेशन करते रहें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज पुरानी परियोजनाए जल्दी ही अपने अन्तिम रुप मे पहुंचेगी आपको विभिन्न निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है. आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आप एक समृद्ध और सुखी पारिवारिक जीवन जिएंगे, परिवार में उत्सव हो सकता है. आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा. आज मौसम सम्बन्धित बिमारी घर के सदस्यों को परेशान कर सकती हैं , आयुर्वेदिक वस्तुओं का इस्तेमाल करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज भैरव मंदिर के दर्शन करें तेल का दीपक प्रज्वलित करें, अटके हुए कोर्ट–कचहरी के मामलें सुलझ सकते हैं . कुछ लोगों का व्यवहार आज आपकी समझ से बाहर रहेगा. जरुरत पड़ने पर साथ के कुछ लोग आपकी मदद नहीं करेंगे. ऐसी स्थितियों में पुराना घनिष्ठ मित्र जरूर याद आएगा ज्यादातर समय बच्चों का घर पर बितेगा, और उनसे कुछ बातें करेंगे. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. घर का माहौल खुशनुमा रहेगा. अचानक धनलाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन कुछ तकलीफ़े ला सकता हैं आपकी मुलाकात ईष्ट मित्रों से हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। घर परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। इलाज में खर्च ज्यादा होने की संभावना है। दूसरों की मदद कर सकते हैं।अपनी दिनचर्या में बदलाव लाना होगा जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक बना रहे। अपरिचित लोगों से वार्ता नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज हनुमान मंत्र का जप करें। तेल से अभिषेक करना चाहिए परन्तु आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको परिवार का सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। कार्य क्षेत्र में भी नुकसान उठाना पड सकता है। प्रभु की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी। आपकी किसी समस्या का समाधान होगा। युवाओं को नौकरी मिल सकती है। कुसंगति को छोड़ें। निवेश के अवसर आएंगे। छात्रों को सफलता निश्चित हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का माहौल खुशनुमा रहेगा पारिवारिक सुख शांति भी रहेगी। आज का दिन ठीक रहेगा। वाहन चलाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज धार्मिक कार्यों में आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंतित रहेंगे। जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे कुछ भूल हो सकती है। आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी से विवाद हो सकता है। घनिष्ठ मित्रों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भाग्य प्रबल हैं कर्मों के आधार पर निश्चित ही सफलता मिलेगी किस्मत का साथ मिलेगा। किसी से विवाद होने के बाद मन में नकारात्मक सोच ज्यादा रहेगी। स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन दिखाई देगा। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। बुजुर्गों को सेहत से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको निवेश पर अच्छा फायदा मिलेगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। भोजन बहुत ही हल्का करें स्वास्थ्य एकदम चुस्त दुरुस्त रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 दिसंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी सायं 04:40 तक
नक्षत्र : हस्त अहोरात्र
योग : आयुष्मान प्रातः 11:15 तक
करण : गर सायं 04:40 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32,, सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:26 सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 05:41 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा ने विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान से 50 विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जनता के सेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं और प्रदेश के विकास का पहिया बिना रुके, बिना थमे आगे बढ़ रहा है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता को अपने कामों का हिसाब दें। इसीलिए हमारी सरकार ने पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी अपने सुशासन का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि विकास रथ हर विधानसभा क्षेत्र में गांव–गांव, ढाणी–ढाणी तक पहुंचकर आमजन को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का काम करेंगे। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे इन जनल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की इस पहल का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि विकास रथ में उपलब्ध सुझाव पेटिका के माध्यम से अपने सुझाव दें। राज्य सरकार इन सुझावों को आगामी बजट में समाहित करेगी। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग दुनियाभर में पहुंचा है। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए कहा कि अब दीपावली महोत्सव को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किया गया है। आने वाले समय में भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा और इसमें राजस्थान की भी अहम भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय पेपरलीक के कारण युवाओं के साथ कुठाराघात हुआ। हमारी सरकार के कार्यकाल में अब तक एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और 20 हजार युवाओं को इसी माह में नियुक्तियां दी जाएंगी। हम पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरी देंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से 35 लाख करोड़ के एमओयू किए गए जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। सरकार द्वारा निजी क्षेत्र में ढाई लाख रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं।

आगामी समय में युवाओं के लिए युवा पॉलिसी लाई जा रही है। हम चाहते हैं कि युवा रोजगार प्राप्त करने के साथ रोजगार प्रदाता भी बनें।

शर्मा ने कहा कि किसान, महिला, युवा, मजदूर सशक्त होंगे तो देश–प्रदेश विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 25 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 70 लाख जरूरतमंदों को जोड़ा गया है। साथ ही, गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेण्डर मिल रहा है। वहीं, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत बालिकाओं को 1.50 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पिछले दो वर्षों में कानून का राज स्थापित किया है। हमारी सरकार ने पिछले दो वर्ष में जितने कार्य किए हैं, उतने पूर्ववर्ती सरकार ने पांच वर्ष में नहीं किए। उन्होंने कहा कि हम जनता के बीच रहकर काम करते हैं तथा हमने गत दो बजटों में बिना भेदभाव के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास निधि दी है। हम प्रदेश की 8 करोड़ जनता के लिए काम कर रहे हैं।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में एकेडमिक काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए अनेक निर्णय

जोधपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर की अकादमिक परिषद की महत्वपूर्ण बैठक कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, कुलगुरु की नियुक्ति पश्चात यह प्रथम बैठक आयोजित की गई है।जिसमें सत्र 2025–26 से संबंधित अनेक शैक्षणिक एवं नीतिगत मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में विद्यापरिषद् के उपवेशन दिनांक 16 अक्टूबर 2025 की कार्यवाही के अनुमोदन के साथ सत्र 2025–26 के लिए निरीक्षकों से प्राप्त निरीक्षण एवं स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट का मानकों के अनुरूप अवलोकन करते हुए संबद्धता जारी की गई साथ ही जिन संस्थाओं में कमियां पाई गई उन्हें कमियां पूर्ण करने हेतु लिखे जाने का निर्णय किया गया।

उदयपुर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के डॉ. किशोरी लाल शर्मा द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव, विश्वविद्यालय में संचालित बी.एन.वाई.एस. एवं बी.एस.सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम (सिलेबस) तथा बी.एस.सी. नर्सिंग एवं एम.एस.आर. के न्यूनतम मानदंडों पर विमर्श किया गया। इसके साथ ही स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के अध्यापन एवं अध्ययन के न्यूनतम मानक, परीक्षा एवं गोपनीय शाखा से जुड़े प्रस्ताव, ऑनलाईन नाड़ी परीक्षण सर्टिफिकेट कोर्स , न्यूट्रास्यूटिकल एवं सौंदर्य प्रसाधन कोर्स संबंधित विषय, एन.सी.आई.एस.एम., नई दिल्ली के दिशानिर्देशों के अनुसार विदेशी संस्थाओं के साथ संयुक्त आयुर्वेद पाठ्यक्रम संचालन तथा प्रमाण–पत्र एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के संचालन का निर्णय लिया गया।

दौसा जिला अभिभाषक संघ चुनाव में कुंज बिहारी शर्मा अध्यक्ष चुने गए

दौसा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला अभिभाषक संघ के चुनाव शुक्रवार को संपन्न हुए, जिसमें अध्यक्ष पद पर कुंज बिहारी शर्मा 27 मतों से विजयी रहे। चुनाव अधिकारी कमलेश बोहरा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में कुंज बिहारी शर्मा को 144, महेंद्र कुमार शर्मा को 127 और द्वारका प्रसाद मीणा को 20 मत प्राप्त हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर जयंत जोशी ने 203 मत प्राप्त कर गिरिराज प्रसाद शर्मा (74 मत) को 129 वोटों से पराजित किया। उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र प्रसाद 145 मतों के साथ विजयी रहे, जबकि मोहम्मद आरिफ को 128 वोट मिले। महासचिव पद पर रामेश्वर प्रसाद बैरवा ने 154 मत प्राप्त कर 32 मतों के अंतर से जीत दर्ज की, जबकि सीताराम दायमा को 122 वोट प्राप्त हुए। संयुक्त सचिव पद पर अंकित शर्मा 150 मत पाकर विजयी रहे, वहीं निर्मल वर्मा को 130 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर नरेश महावर ने 168 मत प्राप्त कर मनोहर मुद्गल (111 मत) को 57 वोटों से हराया। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर रविशंकर शर्मा ने 218 मत प्राप्त कर 163 वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की, जबकि विपिन बैरवा को 55 मत मिले।

परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों का वकीलों ने माला पहनाकर स्वागत किया। चुनाव संचालन में सहायक निर्वाचन अधिकारी जगजीवन राम बैरवा, मुरली मनोहर शर्मा, विजय कुमार शर्मा, श्रीराम मीणा और विश्राम मीणा मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत हुए कार्यों का करें व्यापक प्रचार–प्रसार : मंजू

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के संबंध में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित स्टेट अपेक्स कमेटी के निर्देशों की अनुपालना को गंभीरता से लेकर क्रियान्वयन में गति लाने के अधिकारियों

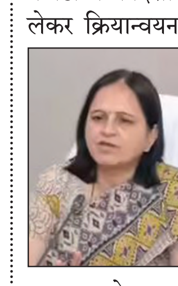

को निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत राज्य में हुए उल्लेखनीय कार्यों के व्यापक प्रचार–प्रसार के भी निर्देश दिए। राजपाल शुक्रवार को शासन सचिवालय स्थित कक्ष में स्टेट अपेक्स कमेटी की प्रथम बैठक के कार्यवाही विवरण की अनुपालना संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कमेटी के निर्देशों की अनुपालना में अब तक प्राप्त की गई प्रगति के संबंध में एक रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री एवं कमेटी सदस्यों को भिजवाई जाए। साथ ही, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष सम्पन्न होने के अवसर पर दिसम्बर माह में समापन समारोह के आयोजन की रूपरेखा तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत राज्य में प्रस्तावित की गई समस्त गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है।

नशे के खिलाफ हरियाणा की जंग संसद में गूंजी, लोकसभा में कुमारी सैलजा ने उठाया नशे का मुद्दा

चंडीगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा के शून्यकाल में शुक्रवार को सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश में तेजी से फैल रहे नशे के खतरे पर गंभीर चिंता जताई और सरकार से तुरंत प्रभावी कदम उठाने की मांग की। सांसद ने कहा कि हरियाणा, विशेषकर सिरसा क्षेत्र, नशे की चपेट में तेजी से आता जा रहा है और युवा पीढ़ी इसके कारण सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने सदन में कहा कि नशे की वजह से सैकड़ों युवाओं की मौत हो चुकी है और असंख्य परिवार टूट गए हैं। सांसद ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति और भयावह हो सकती है, जिससे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। सरकार के नशा–नियंत्रण दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जमीनी स्तर की वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा–कारोबार बेखौफ तरीके से जारी है और किसी भी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं देती। लगभग हर जिले में नशे का जाल फैल रहा है, जिसे रोकने में प्रशासनिक तंत्र असफल सिद्ध हो रहा है। केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगते हुए उन्होंने कहा कि नशे के प्रसार पर रोक लगाने के लिए अब तक कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं, यह स्पष्ट किया जाए।

कुमारी सैलजा ने पूछा कि नशा–कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही और नशे की गिरफ्त में आए युवाओं के पुनर्वास के लिए समन्वित नीति आज तक क्यों तैयार नहीं की गई। उन्होंने यह भी सवाल पूछा कि आखिर किसके संरक्षण में इतना बड़ा अवैध नशा–कारोबार चल रहा है और सरकार इस पर जवाब देने से क्यों बच रही है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए केवल बयानबाज़ी पर्याप्त नहीं है। इसके लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रभावी पुलिस कार्रवाई, अधिक पुनर्वास केंद्रों की स्थापना और व्यापक जन जागरूकता अभियान शुरू करना आवश्यक है।

देश की अर्थ–व्यवस्था अनर्थ–व्यवस्था की तरफ बढ़ गई है : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में कांग्रेस पार्टी की तरफ से वर्ष 2025–26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए बदहाल अर्थव्यवस्था पर सरकार को आईना दिखाया। उन्होंने अदम गोंडवी की लाइनों से सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आपकी फ़ाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है, मगर ये आँकड़ें झूठे हैं ये दावा किताबी है। दीपेन्द्र हुड्डा ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खेल, रक्षा बजट में कटौती पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इन क्षेत्रों का बजट बढ़ाने की मांग की। दीपेन्द्र हुड्डा ने खेलों इंडिया बजट के 3500 करोड़ में से पदकों की खान कहे जाने वाले हरियाणा को केवल 80 करोड़ और गुजरात जैसे राज्य को 600 करोड़ दिए जाने को अन्याय बताते हुए आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिये हरियाणा को सह–आयोजक राज्य बनाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि देश की अर्थ–व्यवस्था अनर्थ–व्यवस्था की तरफ बढ़ गई है। हकीकत ये है कि नोटबंदी के बाद सरकार की आर्थिक स्थिति उस नौसिखिए मिस्त्री जैसी है जो बिजली की मोटर को खोल तो देता है लेकिन उसको बांधना नहीं आता। उन्होंने कहा कि सरकार जोर–शोर से कह रही है कि पिछले क्वार्टर में इतनी ग्रोथ हुई इत्यादि। लेकिन जो ग्रोथ का आंकड़ा दिया गया उसपर देश ही नहीं, पूरी दुनिया में सवाल CR रहे हैं। 15 दिन पहले ही IMF ने सरकार की अकाउंटिंग को 'सी–ग्रेड' (C-Grade) दिया है। कई देश के अर्थशास्त्रियों ने भी इस बात को कहा है कि NSO इनकम ग्रोथ को आधार बनाकर ग्रोथ रेट देश के सामने रखती है, जबकि इसे एक्सपेंडिचर ग्रोथ के हिसाब से तय होना चाहिए। अमेरिकी इकोनॉमी और बाकी कई अर्थव्यवस्थाओं में एक्सपेंडिचर ग्रोथ के हिसाब से विकास दर तय होती है। अगर इस क्वार्टर की एक्सपेंडिचर ग्रोथ से हिसाब लगाया जाए तो ये 6.1% होना चाहिए।

साहिबजादों के जीवन से छात्र सीखें सिद्धांत, साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना : सैनी

चंडीगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर के विद्यालयों में निबंध लेखन प्रतियोगिता की शुक्रवार को चंडीगढ़ से वर्चुअल शुरुआत की। यह प्रतियोगिता साहिबज़ादों–बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की अमर शहादत, साहस और अद्वितीय बलिदान के संदेश को जन – जन तक पहुँचाने का एक प्रयास है। इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेशभर के स्कूलों से हजारों बच्चे ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ संवाद किया। उन्होंने वीर साहिबज़ादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी को नमन करते हुए सभी बच्चों से कहा कि साहिबज़ादों के बलिदान से जुड़ी कहानी को आप जितनी बार पढ़ेंगे, सुनेंगे और जानेंगे, उतने ही आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट और दृढ़ निश्चयी होंगे। उन्होंने कहा कि आज प्रदेशभर में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में चार भाषाओं – हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी और संस्कृत में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। इस प्रतियोगिता में वीर साहिबज़ादों के जीवन पर सारगर्भित निबंध लिखकर बच्चे अपनी प्रतिभा का परिचय देंगे। इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने बच्चों को अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबज़ादों श्री जोरावर सिंह जी और श्री फतेह सिंह जी ने केवल नौ साल और छः साल की उम्र में अपने जीवन में हिम्मत और सच्चाई दिखाकर हम सबको प्रेरणा दी है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 से प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि पूरा देश इन शूरवीरों को हमेशा याद रखे।

उन्होंने कहा कि छोटे साहिबज़ादों का बलिदान हमें सिखाता है कि छोटी उम्र में भी बड़ी जिम्मेदारी निभाई जा सकती है। इसलिए हर विद्यार्थी हिम्मत और सत्यनिष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करे, अपने संस्कारों और मूल्यों को संरक्षित रखते हुए देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दे। सभी विद्यार्थी अपना जीवन निडर होकर, कठिनाइयों का सामना करते हुए जिएं क्योंकि साहस वही दिखाता है जो सच्चाई के लिए खड़ा होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक हमारे समाज के मार्गदर्शक हैं। जैसे श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने साहिबज़ादों को धर्म और साहस का पाठ पढ़ाया, वैसे ही शिक्षक विद्यार्थियों के मन में संस्कार, साहस और अच्छे विचारों के बीज बो रहे हैं। उनका हर शब्द, हर शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव बनती है। बच्चों को केवल पढ़ाई में नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और चरित्र निर्माण में भी मार्गदर्शन दीजिए। आपका परिश्रम और समर्पण ही भविष्य के भारत को सशक्त बनाएगा। साहिबजादों के जीवन से छात्र सिद्धांत, साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना सीखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हरियाणा का प्रत्येक विद्यार्थी छोटे साहिबज़ादों के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में उतार ले तो हमारे विद्यालय सच्चे अर्थों में मानव निर्माण के केन्द्र बन जाएंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को प्रतिदिन छोटे–छोटे कदम उठाने के लिए प्रेरित करें। इनमें सहपाठियों की मदद करना, विद्यालय को स्वच्छ रखना, शिक्षकों का सम्मान करना, कमजोर विद्यार्थियों को सहयोग देना, सदैव सत्य बोलना, बुराई के विरूद्ध आवाज उठाना और अच्छा इंसान बनना। यही सबसे बड़ी उपलब्धि है।मुख्यमंत्री ने कहा कि ये प्रतियोगिताएं बच्चों को अपनी विरासत से जोड़ती हैं और उन्हें अपने इतिहास पर गर्व करने का मौका देती हैं। इस प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार राशि भी बच्चों के लिए निर्धारित की है, जिसमें राज्य स्तर पर प्रथम स्थान धारक को 21 हजार, द्वितीय स्थान धारक को 11 हजार तथा तृतीय स्थान धारक को 5100 रुपये, निबंध लेखन प्रतियोगिता (अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत और पंजाबी भाषा) के लिए के प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, जिला स्तर पर प्रथम स्थान के विजेताओं को 3100 रुपये की राशि मिलेगी।

धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा, तभी बची रहेगी सृष्टि : योगी

बाराबंकी,12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धरती माता हमारा पेट भरने के लिए अन्न उत्पन्न करती है, लेकिन इसका स्वास्थ्य भी ठीक रहना चाहिए, और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव ही नहीं बल्कि सारी सृष्टि बची रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनेक कार्यक्रम वर्तमान में चल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नेशनल विजन ऑफ नेचुरल फार्मिंग के जिस अभियान को आगे बढ़ाया है, ये उसी कड़ी का हिस्सा है। वे हमेशा कहते हैं कि किसान की आमदनी को बढ़ाने का पहला मंत्र है लागत कम हो तथा उत्पादन ज्यादा हो। अन्नदाता किसान को समय पर बीज, खाद, सिंचाई की सुविधाएं तथा वैज्ञानिक पद्धतियों का सहयोग मिले तो ये संभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी के दौलतपुर ग्राम में शुक्रवार को आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन तथा खेती की बात खेत पर कार्यक्रम में रबी सत्र की किसान पाठशाला 8.0 का शुभारंभ किया। खेत पर पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करने वाले इस कार्यक्रम में सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की कृषि प्रगति, बहु फसली खेती, तकनीकी नवाचार, एमएसपी व्यवस्था की पारदर्शिता और किसानों की आय वृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों का सम्मान भी किया गया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी किसानों को चेक व स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर प्रदर्शनी में उन्नत किस्मों की फसलों, सब्जियों, कृषि यंत्रों और एफपीओ आधारित नवाचारों का अवलोकन भी किया गया, जबकि दौलतपुर की उन्नत खेती के मॉडल को प्रदेश के अन्य जनपदों के लिए प्रेरणा बताया गया।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 25 करोड़ लोग निवास करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में प्रदेश ने समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उर्वर भूमि, पर्याप्त जल संसाधन और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण राज्य कृषि और अवसंरचना के क्षेत्र में अग्रणी बना है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश की कुल कृषि योग्य भूमि में उत्तर प्रदेश का हिस्सा 11 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय खाद्यान्न आपूर्ति में प्रदेश का योगदान 21 प्रतिशत है। सरकार ने किसानों को बीज से लेकर बाजार तक आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी सुनिश्चित की है। स्वॉइल हेल्थ कार्ड, फसल बीमा, गन्ना भुगतान, कृषि मंडियों के विस्तार तथा स्टोरेज और प्रोसेसिंग सुविधाओं ने किसानों को लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में एमएसपी का भुगतान सीधे किसानों को मिल रहा है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है। सिंचाई के क्षेत्र में हर खेत को पानी उपलब्ध कराने, माइक्रो इरीगेशन, नहरों के नेटवर्क, सौर पंप और जल संरक्षण के अभियानों को गति दी गई है। ड्रोन डोजिंग, खरपतवार नियंत्रण, स्वॉइल टेस्टिंग और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि किसानों को उद्यमिता से जोड़ने के लिए फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल मंडी और ई-नाम जैसे प्रयासों ने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। एक्सप्रेसवे और लॉजिस्टिक्स पार्कों के माध्यम से किसानों की उपज अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक आसानी से पहुंच रही

विश्व बैंक के सहयोग से 4 हजार करोड़ रुपए की लागत से छह वर्षों में यूपी-एग्रीज परियोजना के अंतर्गत कम उत्पादन वाले 28 जनपदों, विशेषकर पूर्वांचल और बुंदेलखंड में कृषि सुधारों को गति दी गई है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नौ भौगोलिक जलवायु क्षेत्र हैं और इनके अनुरूप उन्नत बीज तथा तकनीक उपलब्ध कराने पर कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से पहले की तुलना में आज रिकॉर्ड उत्पादन और पारदर्शी व्यवस्था ने प्रदेश की प्रगति को नई दिशा दी है। कृषि विकास दर को 8.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 17.7 प्रतिशत तक पहुंचाया गया है।मुख्यमंत्री योगी के अनुसार, एक एकड़ में ढाई सौ क्विंटल आलू और दो लाख रुपए मूल्य का केला उत्पादन लागत कम और उत्पादन अधिक का सफल उदाहरण है। एफपीओ के माध्यम से सहकारी खेती को बढ़ावा मिल रहा है। पद्मश्री रामशरण वर्मा और सम्मानित प्रगतिशील किसान इस परिवर्तन के उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जिनकी सफलता से प्रदेश के अन्य किसानों को प्रेरणा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि खेती की वास्तविक चुनौतियों को समझने के लिए किसान पाठशाला का आयोजन प्रगतिशील किसान रामशरण वर्मा के फार्म में किया गया है। खेत में जाकर खेती को समझना, उसकी समस्याओं को नजदीक से देखना और कम लागत में अधिक उत्पादन के माध्यम से किसानों की खुशहाली सुनिश्चित करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री ने प्रगतिशील किसानों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और नवाचार ने उत्तर प्रदेश को कृषि क्षेत्र में नई पहचान दी है। उन्होंने सभी अन्नदाता किसानों से भी आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अभिनव प्रयास करते रहें ताकि खेती का स्तर और बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में लगातार नए प्रयोग हो रहे हैं और किसानों द्वारा समय पर खेती, गुणवत्तापूर्ण बीज का उपयोग और समुचित देखभाल से कम लागत में अधिक उत्पादन हासिल किया जा सकता है।कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि यह पहला अवसर है जब प्रदेश के मुख्यमंत्री किसान के खेत पर किसानों की खेती के विषय में बात करने आए हैं और प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से यह प्रयास नए आयाम की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि दौलतपुर गांव में किसानों की भूमि सचमुच दौलत बरसा रही है, क्योंकि यहां के किसान केवल एक फसल पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि केला, आलू, टमाटर, सरसों, गन्ना और गेहूं सहित विभिन्न फसलों की खेती कर रहे हैं। बहु फसली खेती और नई तकनीक का उपयोग किसानों की उन्नति सुनिश्चित कर रहा है तथा उत्तर प्रदेश का कृषि परिदृश्य तेजी से बदल रहा है।

एनसीआर में पारा गिरते ही बढ़ा प्रदूषण, कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार, पूरा इलाका गैस चेंबर में तब्दील

नोएडा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में ठंड ने दस्तक दे दी है। न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार 12, 13 और 14 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर में शैलो से मॉडरेट फॉग की स्थिति बनी रहेगी। 12 दिसंबर को तापमान अधिकतम 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। ऐसे ही अगले तीन दिनों तक तापमान के बने रहने की संभावना जताई गई है। लगातार बढ़ती नमी और ठंडी हवाओं के कारण हवा की गति धीमी पड़ गई है, जिससे प्रदूषक जमीन के पास ही ठहर रहे हैं। दिल्ली में वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ी है। कई स्टेशन बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में पहुंच गए हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, आनंद विहार में 391, अशोक विहार में 379, बवाना में 368, बुराड़ी में 354, चांदनी चौक में 366, मथुरा रोड में 309, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 321, डीटीयू में 366, नरेला में 364, नेहरू नगर में 362, द्वारका में 394 और पंजाबी बाग में 364 एक्यूआई दर्ज किया गया है। कई क्षेत्रों में एक्यूआई 350 से ऊपर और कुछ में 390 के करीब पहुंच चुका है, जो बहुत ही खतरनाक स्थिति है।नोएडा के सभी सक्रिय स्टेशनों पर एक्यूआई गंभीर स्तर पर दर्ज किया गया है, जिनमें सेक्टर-125 में 371, सेक्टर-62 में 314, सेक्टर-1 में 355 और सबसे खतरनाक सेक्टर-116 में एक्यूआई 400 पहुंच गया है। गाजियाबाद में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इंदिरापुरम में 350, लोनी में 427 (एन-सीआर का सबसे प्रदूषित क्षेत्र), संजय नगर में 326 और वसुंधरा में 242 एक्यूआई दर्ज किया गया है।ग्रेटर नोएडा भी बुरी तरह प्रभावित है। यहां पर नॉलेज पार्क-||| में 312 और नॉलेज पार्क-त में 373 एक्यूआई दर्ज किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अब पारा गिरेगा तो प्रदूषण बढ़ेगा। आईएमडी का कहना है कि आने वाले दिनों में रात का तापमान और गिरेगा तथा हवा की गति धीमी रहेगी। इसका सीधा असर हवा की गुणवत्ता पर पड़ेगा और एक्यूआई में और बढ़ोतरी हो सकती है। एयर क्वालिटी ऐप के अनुसार वर्तमान स्थिति में हवा बहुत खराब है और लंबे समय तक एक्सपोज़र से सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

लखनऊ में रालोद संगठन विस्तार को लेकर हुई बैठक

बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में वार्ड से बूथ तक सक्रिय उपस्थिति आवश्यक

लखनऊ,12 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में अर्बन बॉडी प्रभारी समिति के प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने लखनऊ नगर निकाय की समीक्षा बैठक की। अनुपम मिश्रा ने कहा कि लखनऊ नगर निकाय में राष्ट्रीय लोकदल के संगठन को मजबूत करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। आज की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में आवश्यक है कि हम प्रत्येक वार्ड, प्रत्येक मोहल्ले और प्रत्येक बूथ तक सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराएं। संगठन तभी मजबूत होगा जब कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझकर पार्टी मंच पर मजबूती से उठाएं।लखनऊ जैसे महानगर में युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों को जोड़ने के लिए विशेष रणनीति बनाकर काम करना होगा। नगर निकाय स्तर पर पार्टी की एक सशक्त टीम खड़ी करने के लिए पदाधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। राष्ट्रीय लोकदल को शहर की राजनीति में निर्णायक ताकत बनाने का लक्ष्य है, जिसके लिए हर स्तर पर संगठन विस्तार, सक्रियता और जवाबदेही को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर गहमागहमी तेज

लखनऊ,12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर संगठन में गहमागहमी बढ़ गई है। तीन दिन चलने वाली इस चुनावी प्रक्रिया का अंतिम परिणाम 14 दिसंबर को सामने आएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए 400 से अधिक प्रांतीय सदस्य लखनऊ पहुंच रहे हैं, जो औपचारिक रूप से मतदान करने वाले प्रतिनिधि हैं। भाजपा के लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय से जारी पत्र के मुताबिक प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 13 दिसंबर से आरंभ होगी। निर्वाचन अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.

महेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि 13 दिसंबर को राज्य मुख्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री और केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े की मौजूदगी में नामांकन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल 14 दिसंबर को निर्वाचन प्रक्रिया को अंतिम रूप देंगे। अगर एक से अधिक नामांकन प्राप्त होते हैं तो उसी दिन मतदान कराया जाएगा। हालांकि, पार्टी सूत्रों का दावा है कि परिस्थितियां एक ही नामांकन की ओर इशारा कर रही हैं, इसलिए चुनाव की आवश्यकता पड़ने की संभावना कम है। ऐसे में 14 दिसंबर को नए अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा की जाएगी। पार्टी नेतृत्व ने गुरुवार को प्रमुख पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और योगी सरकार के मंत्रियों को लखनऊ तलब किया है, जिससे माना जा रहा है कि संगठनात्मक स्तर पर एक व्यापक चर्चा भी होगी।

स्कैमर्स ने यूएस नागरिकों से यूएसडी 8.5 मिलियन लूटे, 6 मुख्य ऑपरेटिव गिरफ्तार

नोएडा,12 दिसंबर (एजेंसियां)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने, यूएसए के फेडरल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) से मिले इनपुट के आधार पर, एक एडवांस्ड वर्चुअल एसेट सपोर्टेड साइबर-क्राइम नेटवर्क को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया है, जो 2022 से यूए नागरिकों को टारगेट कर रहा था। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि साल 2022-2025 के दौरान, ड्रग एनफोर्समेंट एजेंसी (डीईए), फेडरल ब्यूरो ऑफ़ इन-वेस्टिगेशन (एफबीआई) और सोशल सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (एसएसए) के णड सरकारी अधिकारियों की नकली पहचान से काम करने वाले आरोपी लोगों ने णड पीड़ितों को यह धमकी देकर टारगेट करने की साज़िश रची कि उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर (एसएसएन) का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग और ड्रग डिलीवरी के लिए किया गया है और उनके सभी एसेट्स फ्रीज कर दिए जाएंगे।

यह दावा करते हुए कि उनके धन जोखिम में थे, आर-ोपी व्यक्तियों ने पीड़ितों को उनके द्वारा नियंत्रित क्रिप्टोक्यूरेंसी वॉलेट और विदेशी बैंक खातों में 8.5 मिलियन अमरीकी डॉलर स्थानांतरित करने के लिए हेरफेर

किया। इस पर सीबीआई ने 09 दिसंबर, 2025 को मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। सीबीआई ने दिल्ली, नोएडा और कोलकाता में कई स्थानों पर तेजी से व्यापक तलाशी ली, जो आरोपी व्यक्तियों से जुड़े थे, जिसमें पर्याप्त सबूत मिले।

सीबीआई ने आरोपी व्यक्तियों द्वारा नोएडा, उत्तर प्रदेश में संचालित एक अवैध कॉल सेंटर में चल रही आपराधिक गतिविधियों में शामिल 6 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा और उसे नष्ट कर दिया। सीबीआई ने मामले में छह प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में शुभम सिंह डोमिनिक, डाल्टनलियनमाइकल, जॉर्ज टी. जमलियानलालमाइल्स, एल. सेमिनलेन हाओकिपरॉनी, मंगखोलुनमैक्सी और रॉबर्ट थांगखानख-ुअलडेविडमुनरोइन शामिल हैं।

सीबीआई द्वारा 10 दिसंबर, 2025 और 11 दिसंबर, 2025 को की गई तलाशी के दौरान, यह पता चला है कि यह अंतरराष्ट्रीय साइबर-सक्षम वित्तीय अपराध नेटवर्क मोबाइल फ़ोन, लैपटॉप, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क और क्राइम से जुड़े डॉक्यूमेंट्स। क्राइम से हुए पैसे की पहचान के लिए आगे के ऑपरेशन चल रहे हैं। बड़े नेटवर्क और इंटरनेशनल लीड्स की जांच जारी है।

ऑपरेशन चक्र के हिस्से के तौर पर, उइख इंटरपोल और विदेशी लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों के साथ मिलकर ऑर्गनाइज़्ड टेक्नोलॉजी वाले क्राइम नेटवर्क की तेज़ी से पहचान कर रही है और उस पर एक्शन ले रही है। इस ऑपरेशन के नतीजे में बड़े ट्रांसनेशनल साइबर वाले फाइनेंशियल क्राइम नेटवर्क में बड़ी रुकावट आई है और उसे खत्म कर दिया गया है।

दो गुना पैसे देने के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश, छह आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,12 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाने की पुलिस ने दो गुना पैसे देने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो लग्जरी कार, एमजी हेक्टर और निसान मैग्नाइट सहित 5,75,000 रुपए नकद, फर्जी दस्तावेज, नोट गिनने की मशीन और नोटनुमा कागज की गड्डियों से भरे बैग बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर नकली नोटों की गड्डियां थमाकर फरार हो जाता था। हाल ही में इस गैंग ने एक पीड़िता से 16.50 लाख रुपए ठग लिए थे। पीड़िता को असली नोटों से भरे बैग देने के बजाय ऊपर एक-दो असली नोट लगाकर नीचे कागज की गड्डियां भर दी गईं और उसका ध्यान भटकाकर आरोपी मौके से गायब हो गए। पीड़िता की शिकायत पर बिसरख थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सेक्टर-16बी स्थित एक निर्माणाधीन सोसाइटी से सभी छह आरोपी चंचल, इंद्रमणि उर्फ राजा, रितेश उर्फ अंकित, शुभम तिवारी, नवीन सिंह और गौरव गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह में शामिल दो आरोपी गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र में पहले से ही वांछित चल रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों से जब पूछताछ की तो खुलासा हुआ कि गिरोह में 6-7 सदस्य होते थे, जिनकी अलग-अलग भूमिकाएं तय थीं। दो लोग ग्राहक को लालच देकर अपने जाल में फंसाते।

बाकी आरोपी पहले से तय फ्लैट में मौजूद रहते। फ्लैट में एक विशेष तख्त बनाया गया था, जिसके नीचे और पीछे दीवार में छेद किया गया था।

ग्राहक के सामने नोट गिनकर बैग में रखने का नाटक किया जाता, लेकिन असली नोटों को तख्त के नीचे बैठे साथी को पकड़ा दिया जाता और उसकी जगह कागज की गड्डियां बैग में भर दी जाती थीं। बैग ग्राहक को बंद करके उसके साथ दो आरोपी गाड़ी में दूर तक छोड़ आते, जबकि बाकी आरोपी कैश लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली के सरिता विहार में भी इसी तरह की वारदात कर चुके हैं।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा, शक्ति मोहन अवस्थी ने इस सफल कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को 25,000 रुपए इनाम की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक, इन आरोपियों के पास से 5,75,000 रुपए नकद, नोट गिनने की मशीन, फर्जी आधार कार्ड, तीन ट्रॉली बैग जिनमें नोट जैसे कागज, छह मोबाइल फोन, और दो लग्जरी कारें (एमजी हेक्टर और निसान मैग्नाइट) बरामद हुई हैं। पुलिस अब गैंग के अन्य साथियों और इनके नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

अनुदान पर सोलर पंप के लिए 15 दिसंबर तक करें आवेदन

लखनऊ,12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार 'प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान' पीएम कुसुम के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में प्रदेश के अन्नदाता किसानों को अनुदान पर 40521 सोलर पंप उपलब्ध कराएगी। योजना का लाभ उठाने के लिए किसान 15 दिसंबर तक कृषि विभाग की वेबसाइट्ु.रसीळर्लीश्रीीीश.ीं.सींं.ळप पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्हीं किसानों को अनुदान पर सोलर पंप प्राप्त होगा जो वेबसाइट पर पहले से पंजीकृत हैं। किसानों का चयन ई-लॉटरी से किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए दो अरब दो करोड़ सत्ताइस लाख पचास हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है, जो किसानों की समृद्धि में सहायक होगी।

किसानों को 9 प्रकार के सोलर पंपों पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों की ओर से अनुदान के रूप में बड़ी छूट दी जा रही है। 2 एचपी डीसी,एसी सरफेस पंप पर कुल 98,593 और 98,593 रूपये का अनुदान दिया जाएगा। 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर 1,00,215, और 2 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 99,947 का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। 3 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर 1,33,621 और 3 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,32,314 रूपये का अनुदान मिलेगा, जिसमें राज्य सरकार का अंश 77,618 और केंद्र सरकार का अंश 54,696 होगा। 5 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,88,038 का अनुदान किसानों को प्राप्त होगा। 7.5 एचपी एसी और 10 एचपी एसी सबमर्सिबल पंपों पर सर्वाधिक 2,54,983 का अनुदान मिलेगा, जिसमें राज्य सरकार द्वारा 1,40,780 और केंद्र सरकार द्वारा 1,14,203 का अनुदान शामिल है।किसानों को अनुदान पर सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग www.agriculture.up.gov.in पर जाकर 'अनुदान हेतु सोलर पंप की बुकिंग करें' लिंक के माध्यम से करनी होगी। ऑनलाइन बुकिंग कन्फर्म होने पर पंजीकृत मोबाइल नंबर पर सूचना मिलेगी, जिसके बाद किसानों को अनुदान के बाद बची हुई अवशेष धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी।

टोकन मनी के रूप में किसानों को केवल 5,000 की राशि जमा करनी होगी। कृषि विभाग के अनुसार, 2 एचपी के लिए 4 इंच, 3 व 5 एचपी के लिए 6 इंच, और 7.5 एचपी व 10 एचपी के लिए 8 इंच की बोरिंग अनिवार्य है, जो स्वयं किसान की होनी चाहिए। सत्यापन के समय बोरिंग न पाए जाने पर टोकन मनी जब्त कर ली जाएगी और आवेदन निरस्त माना जा सकता है।

मंगल पांडे की बंदूक और पानीपत युद्ध की तोप का पहली बार दिल्ली में प्रदर्शन

लखनऊ/नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के इतिहास में 'भक्ति' और 'शक्ति' का संगम कराने वाला एक अद्वितीय उत्सव दिल्ली में हो रहा है। 'सेव कल्चर, सेव भारत फाउंडेशन' द्वारा प्रस्तुत तथा 'सनातन संस्था' के तत्वावधान में 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' का आयोजन 13 से 15 दिसंबर तक भारत मंडपम नई दिल्ली में किया जा रहा है। महोत्सव में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक मंगल पांडे द्वारा उपयोग में लाई गई बंदूक तथा मध्यप्रदेश के राजघराने के मल्हारराव होलकर और क्रांतिसिंह नाना पाटिल द्वारा प्रयुक्त बंदूकें पहली बार दिल्लीवासियों के लिए प्रदर्शित की जाएँगी। पानीपत के युद्ध में प्रयुक्त तोपें और लगभग 1500 दुर्लभ शस्त्रों का भव्य प्रदर्शन भी किया जाएगा। सनातन संस्था के प्रवक्ता श्री अभय वर्तक ने बताया कि यह महोत्सव पराक्रम के तेजस्वी इतिहास और अध्यात्म की चेतना का अनोखा संगम प्रस्तुत करेगा। प्रदर्शनी में छत्रपति शिवाजी महाराज के काल के 1500 से अधिक ऐतिहासिक शस्त्रों का विशाल संग्रह पहली बार प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें शिवाजी महाराज द्वारा स्वयं स्पर्श की गई और सरसेनापति हंबीरराव मोहिते को प्रदान की गई तलवार, ढाल, दांडपट्टा, कट्यार, बंदूकें,और अन्य शस्त्र शामिल हैं। बालक और महिलाओं की सुरक्षा के लिए उपयोग में आने वाले कुछ शस्त्र भी प्रदर्शनी में होंगे। बच्चों को प्रेरित करने हेतु कुछ शस्त्र उन्हें संभालने हेतु दिए जाएंगे, जबकि तोप चलाने का लाइव प्रदर्शन भी होगा। यह प्रदर्शनी 'हाल नंबर 12' में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक जनसाधारण के लिए खुली रहेगी।महोत्सव में एक सहस्र वर्ष से अधिक काल से संरक्षित मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के अवशेषों का प्रथम बार सार्वजनिक दर्शन कराया जाएगा। इन्हें गजनी के महमूद द्वारा विध्वंस के बाद पुजारी परिवार ने तमिलनाडु में सुरक्षित रखा था। ये अवशेष कांची कामकोटि पीठ के आशीर्वाद से सनातन संस्था द्वारा प्रदर्शित किए जा रहे हैं।'

आईओसी ने रूसी युवा टीमों और खिलाड़ियों की वापसी का दिया सुझाव, झंडा-गान के साथ भागीदारी की अनुमति की सिफारिश

जिनेवा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को रूस और बेलारूस को वैश्विक खेलों में पुनः शामिल करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों को सलाह दी कि वे इन देशों की युवा टीमों और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय झंडे और राष्ट्रगान के साथ प्रतिस्पर्धा की अनुमति दें।

आईओसी ने अपने बयान में कहा, 'खिलाड़ियों को दुनिया भर में खेल तक पहुंच और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर प्रतिस्पर्धा करने का मूल अधिकार है।' यह संदेश रूस और इज़राइल दोनों में स्वागत योग्य माना जा रहा है, जहां हाल के समय में खिलाड़ियों को भेदभाव का सामना करना पड़ा है। यह अपडेटेड रणनीति 'ओलंपिक समिट' में तय की गई, जिसकी अध्यक्षता आईओसी प्रमुख किर्स्टी कोवेंट्री ने की। आईओसी ने स्पष्ट किया कि इन सिफारिशों को लागू करने में समय लग सकता है और प्रत्येक खेल संगठन अपने स्तर पर यह तय करेगा कि 'युवा इवेंट' की परिभाषा क्या होगी। आईओसी ने यह भी दोहराया कि रूस को अभी भी किसी अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी नहीं दी जानी चाहिए, हालांकि खिलाड़ियों की भागीदारी पर नरमी बढ़ाई जा रही है। यह सिफारिश विशेष रूप से डकार 2026 यूथ ओलंपिक गेम्स पर भी लागू होने की बात कही गई है। वर्तमान में रूस की ओलंपिक समिति निलंबित है और वह अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के साथ भाग नहीं ले सकती। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से रूस की टीमें फुटबॉल, एथलेटिक्स सहित कई खेलों से बाहर हैं। कुछ रूसी और बेलारूसी खिलाड़ी सर्दियों के खेलों में न्यूट्रल स्टेटस के साथ वापसी शुरू कर चुके हैं। पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक में भी कुछ रूसी और बेलारूसी खिलाड़ी बिना झंडे-गान के न्यूट्रल के रूप में खेले थे, जबकि टीम इवेंट में इन देशों पर प्रतिबंध जारी रहा। 2023 में जब यूरोपीय फुटबॉल संघ (यूएफा) ने रूसी अंडर-17 टीमों की वापसी की कोशिश की थी, तब 12 से अधिक सदस्य देशों के बहिष्कार के कारण उसे नीति वापस लेनी पड़ी थी।

न्यूज ब्रीफ

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025: नितीश रेड्डी ने मध्यप्रदेश के खिलाफ ली हैट्रिक

पुणे। आंध्र के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच में मध्य प्रदेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक ली। नितीश ने एमपी की पारी के तीसरे ओवर की अंतिम तीन गेंदों पर हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट चटकाए। उन्होंने सबसे पहले गवली को बोल्ड किया, फिर भाटिया को कैच आउट कराया और तीसरी गेंद पर पाटीदार का स्टंप उखाड़ कर उन्हें चलता किया। उनकी इस घातक गेंदबाजी से मध्य प्रदेश की टीम 113 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 14 रन पर 3 विकेट खो दिए। हालांकि इसके बाद ऋषभ चौहान (47) और राहुल बाथम (35) ने मध्यप्रदेश को 4 विकेट से जीत दिला दी। भले ही यह मैच आंध्र हार गया, लेकिन नितीश ने अपनी टीम को अंत तक मैच में बनाए रखा।

रवींद्र जडेजा की पत्नी बोली, विदेशी दौरे पर कई क्रिकेटर करते हैं नशा

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा के एक बयान से नई बहस छिड़ गयी है। रिवाबा ने बयान में अपने पति की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह कभी भी नशा नहीं करते। वहीं अन्य क्रिकेटर विदेशी दौरों मे नशे आदि में लिप्त रहते हैं। उन्होंने कहा भारतीय टीम के कई खिलाड़ी विदेशी दौरों में नशे से बच नहीं पाते हैं पर जडेजा ऐसा कुछ नहीं करते। उनका ध्यान अपने परिवार पर ही रहता है। रिवाबा के इस बयान की कई लोगों ने आलोचना भी की है। उनका कहना है कि बिना किसी साक्ष्य के इस प्रकार के आरोप लगाने ठीक नहीं हैं। उनका ये सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रिवाबा ने कहा कि जडेजा इंग्लैंड, दुबई और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में खेलने के लिए जाते हैं पर उन्होंने कभी किसी नशे को हाथ तक नहीं लगाया। वह हमेशा अनुशासित रहते हैं। जडेज अभी टेस्ट और एकदिवीसय प्रारुप और आईपीएल में खेलते हैं। आईपीएल 2026 में वह राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते नजर आएंगे। 12 साल चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताने के बाद उन्हें राजस्थान ने ट्रेड के जरिये शामिल किया है।

फेडरर की शानदार वापसी, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के उद्घाटन समारोह में दिखेगा जलवा

मेलबर्न। स्विट्ज़रलैंड के टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर जनवरी 2026 में एक बार फिर अपने 'हैप्पी स्लैम' की ओर लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि फेडरर टूर्नामेंट के आधिकारिक उद्घाटन के लिए होने वाले 'बैटल ऑफ द वर्ल्ड नंबर 1ह्य' इवेंट की शोभा बढ़ाएंगे। रिटायरमेंट के बाद पहली बार वे 2022 के बाद रॉड लेवर एरीना में नजर आएंगे। मेलबर्न पार्क में पहली बार आयोजित किया जा रहा यह विशेष ओपनिंग सेरेमनी 18 जनवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से एक दिन पहले होगी। इसमें फेडरर को विशेष सम्मान भी दिया जाएगा। फेडरर छह बार नॉर्मन ब्रूक्स ट्रॉफी जीत चुके हैं और उनके नाम कुल 20 ग्रैंड स्लैम खिताब दर्ज हैं। इस खास मुकाबले में फेडरर के साथ चार बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आंद्रे अगासी, ऑस्ट्रेलिया के पैट राफ्टर और लेटन हेविट भी कोर्ट पर उतरेंगे। फेडरर ने कहा, 'काफी समय पहले मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन को 'हैप्पी स्लैम' कहा था, और आज भी इस नाम को याद करके मुस्कान आ जाती है। मैंने रॉड लेवर एरीना पर कई तरह की भावनाएँ महसूस की हैं—छह बार 'नॉर्मन' उठाने की खुशी, खुद रॉड लेवर के सामने खेलने का सम्मान, दिग्गज प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ संघर्ष और ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों का अपार प्यार।' फेडरर ने कहा कि 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतना उनके करियर का सबसे खास पलों में से एक है और 2018 में इसे दोहराना 'सपने जैसा' था। इसके अलावा उन्होंने 2004, 2006, 2007 और 2010 में भी यह खिताब जीता था।

आईजीयू एजीएम के बाद अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने कहा नॉर्थ-ईस्ट में गोल्फ का विकास अगली प्राथमिकता

एजीएम में 15 स्टेट गोल्फ एसोसिएशन ने हिस्सा लिया

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) का बड़ा एजेंडा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में गोल्फ को बढ़ावा देना और उसका विकास करना है। यह घोषणा आईजीयू के अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन की 65वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद यहां इंडिया हबिटैट सेंटर में की।

एजीएम में 15 जुड़े हुए स्टेट गोल्फ एसोसिएशन-असम, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, मेघालय, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, राजस्थान, मिजोरम, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश ने भागीदारी की।

मीटिंग का एजेंडा गवर्निंग काउंसिल की एनुअल रिपोर्ट को अपनाने, पिछली एजीएम के मिनट्स को कन्फर्म करने, फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के ऑडिटेड स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट्स को मंजूरी देने, ऑडिटर की नियुक्ति करने और उनकी सैलरी तय करने के साथ-साथ चेयर की अनुमति से किसी भी अन्य प्रासंगिक विषय पर चर्चा करने पर केंद्रित था।

बृजिंदर सिंह ने कहा, 'हमारी एजीएम बहुत अच्छी रही। हमारे पास नॉर्थ-ईस्ट से हमारे डेलीगेट्स आए थे, जो पहले गैर-मौजूद थे और लंबे समय से मेनस्ट्रीम गोल्फ का हिस्सा नहीं थे। हम उन्हें साथ पाकर बहुत उत्साहित थे। जहां तक गोल्फ की बात है, यह एक संभावनाओं से भरा स्पोर्ट्स है। हमने उनसे वादा किया है कि हम वहां गोल्फ ले जाएंगे और गोल्फ को डेवलप करेंगे और यह पक्का करेंगे कि वहां के ग्रासरूट लेवल के खिलाड़ियों और बच्चों को उत्कृष्ट श्रेणी की सुविधा मिले।'

असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और त्रिपुरा राज्यों को 'सेवन सिस्ट' कहा जाता है। यहां इस इलाके की खूबसूरत जगहों पर ब्रिटिश ज़माने के बहुत सारे कोर्स हैं।

उन्होंने कहा, 'यह भारत के सबसे खूबसूरत हिस्सों में से एक है, लेकिन गोल्फ के मामले में यह सबसे ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया जाने वाला हिस्सा भी है। हम अपने कोच और सामान वहां ले जाएंगे ताकि यह पक्का हो सके कि आने वाले समय में नॉर्थ-ईस्ट से कम से कम एक चैंपियन ज़रूर आए। जहां तक आईजीयू की बात है, हम बहुत सारे प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं। हम एसजीएएस को भारत के सभी हिस्सों में गोल्फ ले जाने के लिए पूरी फाइनेंशियल मदद दे रहे हैं। हम ब्रिटिश ज़माने के कोर्स के बारे में बहुत सुन रहे हैं और हमारी टीम वहां जाएगी और एक नया डायमेंशन भी खोजेगी और उस राज्य के टूरिज्म को बढ़ावा देगी।'

एजीएम में शामिल होने वाले प्रमुख सदस्यों में आईजीयू प्रेसिडेंट बृजिंदर सिंह, ऑनरेरी सेक्रेटरी शशांक संदू, ऑनरेरी ट्रेजरर संजीव रतन और डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल (रिटायर्ड) विभूति भूषण शामिल थे। इसके अलावा, गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हरपुनीत सिंह संधू, मानव जैनी, सिमरजीत सिंह, वंदना अग्रवाल, वीरेन घुम्मन, समीर सिन्हा और मानव दास भी एजीएम में उपस्थित रहे। गवर्निंग काउंसिल मेंबर और आईजीयू के नॉर्थ-ईस्ट रीजन के चेयरमैन नागेश सिंह ने मीटिंग में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

मीटिंग के दौरान, उपस्थित सदस्यों ने स्वर्गीय प्रकाश भंडारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक मिनट का मौन रखा। प्रकाश भंडारी 2004-05 में आईजीयू प्रेसिडेंट थे और भारतीय गोल्फ़ के विकास में उनका योगदान अमूल्य माना जाता है।

2024-25 सीज़न के दौरान, इंडियन गोल्फ़ यूनियन (आईजीयू) ने गोल्फ़ के विकास और प्रतियोगिताओं के विस्तार में महत्वपूर्ण कदम उठाए। इस सीज़न में आईजीयू ने 32 घरेलू टूर्नामेंट और 48 फीडर इवेंट्स आयोजित किए, साथ ही भारतीय टीमों को पेरिस ओलंपिक 2024 समेत 15 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भाग लेने भेजा।

मार्च की शुरुआत में, आईजीयू ने गोल्फ़ का विश्व स्तरीय नियम नियामक के सहयोग से पहला लेवल-3 टूर्नामेंट एडमिनिस्ट्रेटर्स एंड रेफरीज़ सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 42 प्रतिभागियों ने लेवल-3 का एग्ज़ाम पास किया। वर्तमान में, भारत में 65 रेफरीज़ के पास टूर्नामेंट एडमिनिस्ट्रेटर्स एंड रेफरीज़ सेमिनार लेवल-3 सर्टिफ़िकेशन मौजूद है, जो इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही, आईजीयू ने कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ प्रोफ़ेशनल गोल्फ़ की पूर्ण सदस्यता प्राप्त की, जिससे भारत को ग्लोबल कोचिंग स्टैंडर्ड तक सीधे पहुँच मिली। इस सीज़न में फ़्लैगशिप हीरो इंडियन ओपन का आयोजन भी बड़ी सफलता के साथ हुआ, जिसमें प्राइज़ राशि को 2.5 मिलियन तक बढ़ाया गया।

अंडर 19 एशिया कप में रविवार को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

दुबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

अंडर 19 एशिया कप क्रिकेट में रविवार को होने वाली भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है। इस मैच में सभी की नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने जिस प्रकार यूएई के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे तय है कि वह पाक के खिलाफ भी उसी अंदाज में उतरेंगे। विश्वकप में ये देखना होगा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं। माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम का इस मैच में हाथ मिलाने से नहीं रोकेगी। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अंडर-19 स्तर पर खेलभावना को मजबूत करने पर उसका ध्यान रहेगा। वहीं आईसीसी ने कहा है कि अगर भारतीय खिलाड़ी हाथ नहीं मिलाते, तो इसकी जानकारी पहले से मैच रेफरी को देनी होगी। आईसीसी का प्रयास है कि जूनियर क्रिकेट में सही संदेश जाए और किसी प्रकार का विवाद खड़ा ना हो। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें, ग्रुप एक से सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि अन्य टीमें मलेशिया और काफी कमजोर हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी अच्छी फॉर्म में हैं। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। म्हात्रे ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वहीं वैभव ने सबसे कम उम्र में शतक लगाया था। इस प्रकार के इनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

वैभव पर रहेंगी नजरें, हाथ नहीं मिलने को लेकर जारी गतिरोध टूटेगा

अंडर-19 एशिया कप की टीमें

ग्रुप ए: भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, यूएई

ग्रुप बी: बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, नेपाल

भारतीय टीम: आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उप-कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह (फिटनेस के अधीन), उधव मोहन और एरॉन जॉर्ज।

स्टैंडबाय खिलाड़ी: राहुल कुमार, जे हेमचूडेशन, बीके किशोर और आदित्य रावत।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में हुआ बदलाव

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा इस माह के अंत में शुरु होने वाले एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। सरकार द्वारा लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए अब ये चैम्पियनशिप 31 दिसंबर की जगह पर 4 जनवरी से शुरु होगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, ''सरकार द्वारा अनिवार्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों के 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी होने के कारण अब ये चैंपियनशिप पर चार से 10 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी।'' इससे पहले दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी किए कि एनसीआर राज्य सरकारें और दिल्ली प्रशासन क्षेत्र में उच्च स्तर के वायु प्रदूषण को देखते हुए ऐसे आयोजनों को टालने के लिए तत्काल कदम उठाएं। राष्ट्रीय महासंघों और केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और खेल संघों से भी इस आदेश का पालन करने को कहा गया था।

विनेश फोगाट ने वापस लिया संन्यास का फैसला अब करेंगी 2028 ओलंपिक की तैयारी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास से बाहर आने का बड़ा फैसला किया है। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल मुकाबले से पहले वज़न सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण डिसक्वॉलिफाई होने के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन अब वह दोबारा लौट रही हैं और 2028 लॉस एंजेलिस (एलए) ओलंपिक में हिस्सा लेंगी।

पेरिस ओलंपिक में विनेश का स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले सुबह के वज़न परीक्षण में 100 ग्राम अधिक वज़न पाया गया था, जिसके चलते उन्हें फाइनल से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने इस फैसले को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में चुनौती भी दी, लेकिन नतीजा नहीं बदला। इसके ठीक बाद 8 अगस्त 2024 को उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

करीब एक साल बाद विनेश ने शुक्रवार को फिर से मैट पर लौटने का फैसला लिया।

इंस्टाग्राम पर उन्होंने लिखा, 'लोग पूछते रहे कि क्या पेरिस मेरी आखिरी लड़ाई थी। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से और अपनी महत्वाकांक्षाओं से थोड़ी दूरी चाहिए थी। कई सालों बाद मैंने खुद को आराम करने दिया।'

उन्होंने आगे लिखा, 'मैंने अपनी यात्रा के भार को समझने के लिए वक्त लिया—उतार-चढ़ाव, त्याग, और वो पहलू जो दुनिया ने नहीं देखे। इसी चिंतन में मुझे सच्चाई मिली—मैं अभी भी इस खेल से प्यार करती हूं। मैं अब भी प्रतियोगिता करना चाहती हूं।' विनेश ने कहा कि अब वह नए जोश के साथ एलए 2028 की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

उन्होंने कहा, 'इस बार मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा मेरी टीम का हिस्सा है, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा, मेरा छोटा चीयरलीडर, जो अब मेरे साथ एलए ओलंपिक की राह पर चलेगा।,'

विनेश फोगाट की यह वापसी भारतीय कुश्ती के लिए बड़ी खबर मानी जा रही है और अब सबकी नजरें उनकी एलए 2028 की तैयारियों पर होंगी।

डफी के पांच विकेट से वेस्टइंडीज धराशायी, न्यूजीलैंड ने दर्ज की डब्ल्यूटीसी चक्र की अपनी पहली जीत

वेलिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

वेलिंगटन टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराकर 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। तेज़ गेंदबाज़ जैकब डफी ने दूसरी पारी में घातक गेंदबाज़ी करते हुए 5 विकेट चटकाए, जिसके चलते वेस्टइंडीज मात्र 128 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड को मिले 56 रनों के लक्ष्य को टीम ने चाय से पहले ही हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। वेस्टइंडीज इस चक्र में सात में से छह मैच हार चुकी है और अब भी जीत से दूर है।

तीसरे दिन शुक्रवार की सुबह ब्रैंडन किंग (22) के रन-आउट से शुरू हुए विकेट पतन ने जल्द ही वेस्टइंडीज टीम को बैकफुट पर ला दिया। शाई होप उसी ओवर में आसान कैच दे बैठे, जबकि कप्तान रोस्टन चेज़ भी डफी की उछाल लेती गेंद का शिकार बने। कवेम हॉज (35) और जस्टिन ग्रीव्स (25) ने थोड़ी कोशिश जरूर की, लेकिन 31वें ओवर में हॉज का पुल शॉट सबस्टिट्यूट विल यंग ने बेहतरीन कैच में बदल दिया। 88/6 के बाद जीत की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी। डफी और रे ने मिलकर बाकी काम निपटा दिया। डफी ने 5-38 के आंकड़े के साथ पारी खत्म की।

आसान रहा लक्ष्य का पीछा

लक्ष्य का पीछा करते हुए टॉम लैथम जल्दी आउट हुए, लेकिन डेवोन कॉनवे (28*) और केन विलियमसन (16*) ने टीम को 10 ओवर में ही जीत दिला दी।

पहली पारी में न्यूजीलैंड ने 278/9 पर पारी घोषित की थी। वेस्टइंडीज पहली पारी में 205 रन ही बना सकी थी।

मैच के बाद न्यूजीलैंड कप्तान टॉम लैथम ने कहा, 'दूसरी पारी में गेंदबाज़ी बेहतर होती गई। डफी की परफॉर्मेंस शानदार रही।'

वेस्टइंडीज कप्तान रोस्टन चेज़ बोले, 'पिच बल्लेबाजी के लिए आसान थी, लेकिन हम फायदा नहीं उठा सके।'

दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई में शुरू होगा।

संक्षिप्त स्कोर

- न्यूजीलैंड 278/9 घोषित (हे 61, कॉनवे 60, फिलिप 3-70)
- और 57/1 (कॉनवे 28, विलियमसन 16)**
- वेस्टइंडीज 205 (होप 47, टिकनर 4-32) और 128 (हॉज 35, डफी 5-38, रे 3-45)
- नतीजा: न्यूजीलैंड 9 विकेट से जीता।

टक्कर में मारुति विक्टोरिस ने किया उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां) ।

उत्तराखंड राज्य के अल्मोड़ा में एक हादसे में दो 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग वाली एसयूवी मारुति विक्टोरिस और टाटा नेक्सन की भिडंत हो गई। दोनों गाडियों के वास्तविक सड़क प्रदर्शन ने सभी को हैरान कर दिया। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर देहरादून वाले ऑफिशियल द्वारा शेयर किए गए वायरल वीडियो में देखा गया कि मारुति विक्टोरिस ने टक्कर में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि टाटा नेक्सन को ज्यादा नुकसान पहुंचा। वीडियो में दिखता है कि पहाड़ी मोड़ पर अचानक विक्टोरिस ने नेक्सन को जोरदार तरीके से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद नेक्सन का दाहिना फ्रंट हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई देता है। बोनट मुड़ा हुआ, बंपर व हेडलाइट टूटी हुई और फेंडर फटा हुआ नजर आया। यहां तक कि ड्राइवर-साइड पहिया भी प्रभावित हुआ। कई लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ, क्योंकि नेक्सन अपनी मजबूत बिल्ड क्वालिटी के लिए जानी जाती है और पहले ही ग्लोबल एनकैप में 5-स्टार रेटिंग पा चुकी है।

वहीं, मारुति विक्टोरिस की बात करें तो उसके फ्रंट बंपर, हेडलाइट और फेंडर को नुकसान पहुंचा, लेकिन उसका स्ट्रक्चर और व्हील्स लगभग सुरक्षित रहे। वीडियो में विक्टोरिस को चलने की स्थिति में भी देखा गया, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इससे पहले मारुति की गाड़ियों को कमजोर बॉडी के लिए ट्रोल किया जाता रहा है, लेकिन यह मॉडल कंपनी के सुधारों को दर्शाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी एक घटना के आधार पर वाहन की सुरक्षा का अंतिम निर्णय देना गलत है।

अपडेटेड कुशाक नए साल में होगी लांच

नई दिल्ली। अपनी अपडेटेड कुशाक को कंपनी स्कोडा जनवरी 2026 में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसमें कई प्रीमियम फीचर्स और तकनीकी अपग्रेड्स जोड़े गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव है पहली बार मिलने वाला रियर सीट मसाज फंक्शन, जो इस सेगमेंट में अब तक उपलब्ध नहीं था। नई कुशाक फेसलिफ्ट इस बार हयूदै क्रेटा और टाटा सियेरा जैसे लोकप्रिय मॉडलों को सीधी चुनौती देगी। इसके अलावा बड़ा पैनोरमिक सनरूफ और अपडेटेड डिजिटल डिस्प्ले इसे और अधिक लग्जरी अहसास देने वाले हैं। आने वाले वेरिएंट्स में फीचर्स भी काफी अपग्रेडेड होंगे। स्पाई शॉट्स में पुष्टि हुई है कि टॉप मॉडल में बड़ा पैनोरमिक सनरूफ, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के नए ग्राफिक्स, अपडेटेड इंफोटेनमेंट स्क्रीन और 1.5 टीएसआई वेरिएंट में रियर डिस्क ब्रेक्स शामिल होंगे। सेफ्टी को बेहतर बनाने के लिए इसमें लेवल-2 अडास और 360-डिग्री कैमरा मिलने की उम्मीद है। पावरट्रेन की बात करें तो इंजन लाइनअप पहले जैसा ही रहेगा। ऑटोकार इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 115बीएचपी वाला 1.0-लीटर टीएसआई और 150बीएचपी वाला 1.5-लीटर टीएसआई इंजन जारी रहेगा। बड़ा बदलाव 1.0 टीएसआई मॉडल में किया जाएगा, जिसमें मौजूद 6-स्पीड असिन ऑटोमैटिक की जगह नया 8-स्पीड टॉर्क-कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिया जाएगा, जो ड्राइविंग को और स्मूद बनाएगा।

न्यूज ब्रीफ

एसआईपी के जरिए छोटी बचत से बड़े सपने पूरे करें

नई दिल्ली। आज के दौर में म्यूचुअल फंड में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने निवेशकों के लिए रास्ता आसान बना दिया है। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आप केवल 5,000 रुपए जैसी छोटी राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं और लंबी अवधि में अच्छा-खासा फंड तैयार कर सकते हैं। जो लोग निवेश की शुरुआत करते हैं, उनका पहला लक्ष्य अक्सर लखपति बनना होता है। पारंपरिक निवेश के तरीकों की तुलना में एसआईपी में रिटर्न ज्यादा होने के कारण यह लक्ष्य जल्दी हासिल किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आप हर महीने 5,000 निवेश करते हैं और अनुमानित सालाना रिटर्न 12 फीसदी रहता है, तो 18 महीनों में आपका कुल फंड लगभग 1 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। हालांकि म्यूचुअल फंड का वास्तविक रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। इक्विटी फंड में रिटर्न अधिक होता है, लेकिन जोखिम भी ज्यादा होता है। कम जोखिम वाले फंड में रिटर्न थोड़ी कम होती है, इसलिए लक्ष्य समय के हिसाब से मासिक निवेश बढ़ाना पड़ सकता है।

आईडीबीआई बैंक की खरीद में फेयरफैक्स आगे, कोटक महिंद्रा भी दौड़ में

नई दिल्ली। टोरंटो स्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल आईडीबीआई बैंक के अधिग्रहण की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)से बैंक की 60.72 फीसदी नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक ऑल-कैश ऑफर देने पर विचार कर रही है। मौजूदा बाजार मूल्य के आधार पर इस हिस्सेदारी की कीमत करीब 7 अरब डॉलर, यानी लगभग 63 हजार करोड़ रुपये आंकी गई है। आईडीबीआई बैंक का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 1.02 लाख करोड़ रुपए है और वर्ष 2025 में इसके शेयर अब तक 25 फीसदी चढ़ चुके हैं। बैंक में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में कोटक महिंद्रा बैंक भी शामिल है, जो नकद और शेयरों के मिश्रित ऑफर की तैयारी कर रहा है। बोली आवेदन इस महीने के अंत तक जमा किए जा सकते हैं, हालांकि डेडलाइन बढ़ने की संभावना भी है। पहले एमिरेट्स एनबीडी ने भी रुचि दिखाई थी, लेकिन हाल ही में आरबीएल बैंक में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने के समझौते के बाद उसके दौड़ से हटने की अटकलें हैं।

डिफेंस सेक्टर इंडस्ट्री के लिए लेकर आ सकता है नए अवसर

नई दिल्ली। भारतीय डिफेंस सेक्टर तेजी के साथ ग्रोथ कर रहा है। आगामी समय इस इंडस्ट्री के लिए कई नए अवसर लेकर आ सकता है। एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि बजट में संभावित बढ़ोतरी, डिफेंस प्रोजेक्ट्स पर लिए जा रहे फैसले और तेजी से बढ़ते एक्सपोर्ट्स इस क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस अधिग्रहण परिषद द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णय और नए सौदों पर जारी बातचीत इंडस्ट्री की प्रगति में अहम भूमिका निभाएंगे। लंबे समय से लंबित डिफेंस प्रोजेक्ट्स को आगामी बजट में फंड आवंटन मिलने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2024 से 2026 के बीच कुल 7 ट्रिलियन रुपये के डिफेंस उत्पादों को मंजूरी मिल चुकी है। ऐसे में वर्ष 2026 से पहले बजट में इनसे अधिक राशि जारी होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद नाटो देश भी अपना रक्षा बजट बढ़ाने पर मजबूर हुए हैं, जिससे भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए वैश्विक बाजार में बड़ा अवसर बन सकता है। डिफेंस बजट में घरेलू कंपनियों का दबदबा काफी बढ़ा है। कोविड से पहले जहां 54प्रतिशत खरीदारी भारतीय कंपनियों से होती थी, वहीं वित्त वर्ष 2026 तक यह बढ़कर 75 प्रतिशत हो गई है।

सेबी ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे का तीसरा चरण स्थगित किया

यह चरण 15 दिसंबर से लागू होने वाला था, नई लागू तिथि बाद में घोषित की जाएगी

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे के तीसरे चरण के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया है। यह चरण पहले 15 दिसंबर से प्रभावी होने वाला था। सेबी ने कहा कि नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। स्थगन का कारण डिपॉजिटरी और अन्य हितधारकों को परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करना बताया गया है। सेबी ने रीट और इनविट की परिभाषा में संशोधन करते हुए यह स्पष्ट किया कि योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) अब रणनीतिक निवेशक के रूप में आवेदन कर सकते हैं। इस श्रेणी में सरकारी वित्तीय संस्थान, पेंशन एवं भविष्य निधि, वैकल्पिक निवेश निधि, राज्य औद्योगिक विकास निगम, पारिवारिक ट्रस्ट और 500 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले पंजीकृत मध्यस्थ शामिल हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का 10,000 करोड़ रुपये का आईपीओ शुक्रवार से खुलने वाला है। इससे पहले ही 4,815 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। इसमें प्रमुख निवेशक झुनझुनवाला परिवार, मधुसूदन केला सहित कुल 26 निवेशक शामिल हैं। कंपनी ने 22,240,841 इक्विटी शेयरों का निजी प्लेसमेंट 2,165 रुपये प्रति शेयर की दर से किया। इसमें अबुधाबी की लुनेट कैपिटल, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के रीजेंट्स, आईआईएफएल एसेट मैनेजमेंट, 3पी इंडिया इक्विटी फंड (प्रशांत जैन प्रबंधित), डीएसपी इंडिया फंड, व्हाइटओक कैपिटल इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड, एचसीएल कैपिटल और प्रमुख बीमा कंपनियां जैसे एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, कोटक लाइफ, आदित्य बिरला सन लाइफ और गो डिजिट शामिल हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है, जिसकी 30 सितंबर तक बाजार हिस्सेदारी 13.3 फीसदी रही। सक्रिय म्यूचुअल फंड में यह निवेशकों की पसंदीदा कंपनी बन चुकी है।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने 50,000 करोड़ एयूएम क्लब में किया प्रवेश, 3 साल में 18 और 5 साल में 22 फीसदी से ज्यादा दिया रिटर्न

नई दिल्ली। निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने पिछले पांच वर्षों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। तीन साल में इसने 18.46 फीसदी और पांच साल में 22.43 फीसदी का रिटर्न दिया, जिससे यह अन्य प्रमुख लार्ज कैप फंड्स जैसे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और इन्वेस्को इंडिया के मुकाबले आगे निकल गया। लार्ज कैप फंड नए और जोखिम से बचने वाले निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प माने जाते हैं। इन फंड्स का पोर्टफोलियो ब्लू-चिप कंपनियों में निवेश करता है, जिससे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थिरता बनी रहती है। निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने 50,000 करोड़ रुपये के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) क्लब में प्रवेश कर लिया है। यह उपलब्धि कम निवेश के बावजूद हासिल हुई है, क्योंकि हालिया बाजार तेजी, मुनाफावसूली और त्योहारी सीजन के दौरान तरलता की जरूरतें बढ़ी हैं। फंड का प्रदर्शन इंडेक्सिंग पर नहीं, बल्कि सक्रिय निवेश और गहन शोध पर आधारित है। फंड मैनेजर बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं, जिससे उचित मूल्य पर वृद्धि होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप म्यूचुअल फंड म्यूचुअल फंड निवेश की रीढ़ हैं। लंबी अवधि में ये स्थिर और निरंतर रिटर्न देने के साथ संभावित लाभांश भी प्रदान करते हैं, जो निवेशकों को आकर्षित करता है।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है।

रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्रति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार

मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्रति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्रति दिन होगी। 2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्रति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पंकज चौधरी...

भूपेंद्र चौधरी बैठक कर चुके हैं. यहां तक कि यूपी से बीजेपी सांसदों के साथ भी प्रधानमंत्री मीटिंग कर चुके हैं। दावा है कि यूपी के एनडीए के सांसदों से हुई मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद को मजदूर बताते हुए कहा कि आप बस काम करिए, ये मजदूर आपके पीछे खड़ा है. यानी संदेश ये है कि मौजूदा सरकार और प्रदेश में संगठन के नए प्रमुख की अगुवाई में सब जीजान से जुट जाएं। सबके साथ प्रधानमंत्री खड़े हैं।

फिलहाल यूपी में किसे अध्यक्ष चुना जा सकता है, इसके लिए छह चेहरे की चर्चा चल रही है. सस्पेंस फैला हुआ है, जिनमें पहला नाम पंकज चौधरी का है। दूसरा नाम बीएल वर्मा का. तीसरा नाम साध्वी निरंजन ज्योति का है। चौथा नाम बाबूराम निषाद का है, पांचवां नाम धर्मपाल सिंह का है और छठा नाम स्वतंत्र देव सिंह का है। वहीं सातवां नाम जो सरप्राइज के तौर पर सामने आ सकता है वो केशव प्रसाद मौर्य का बताया जा रहा है।

ये सारे नाम पिछड़े वर्ग से आते हैं. इसी वर्ग पर क्यों सबसे ज्यादा नजर है, इसको समझने से पहले ये जानना जरूरी है कि उक्त चेहरों के नामों की चर्चा तेज क्यों है। गुरुवार से रेस में सबसे आगे जिनके नाम की चर्चा चली वो पंकज चौधरी हैं. पूर्वांचल में महाराजगंज से सांसद पंकज चौधरी कुर्मी बिरादरी से आते हैं, अच्छे प्लानर माने जाते हैं. पार्षद से राजनीति की शुरुआत की. गोरखपुर के डिप्टी मेयर रहे और फिर 1991 में पहली बार सांसद बने. भाजपा से सात बार के सांसद हैं. केंद्र में अभी वित्त राज्य मंत्री हैं और प्रधानमंत्री मोदी के करीबी माने जाते हैं। पंकज चौधरी के नाम की चर्चा पर तो सदन में खड़े होकर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने बधाई तक दे दी है।

पंकज चौधरी से पहले बीएल वर्मा के नाम की भी चर्चा रही है, जो ओबीसी लोध बिरादरी से आते हैं और बदायूं के रहने वाले हैं। बीएल वर्मा भी मोदी सरकार में राज्य मंत्री हैं. इन दोनों नाम के पहले साध्वी निरंजन ज्योति का नाम भी चर्चा में आया जो मल्लाह निषाद जाति की है. पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुकी हैं। यही नहीं धर्मपाल सिंह, स्वतंत्र देव सिंह बाबूराम निषाद जैसे कई दूसरे ओबीसी नाम भी प्रदेश अध्यक्ष की रेस में बताए जाते रहे हैं।

पिछड़ा वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष को चुनने की कई सियासी वजह हैं। कारण, यही वो वर्ग है जो बीजेपी को खुलकर पहले वोट देता रहा, लेकिन 2024 में छिटक गया। 2019 के मुकाबले 2024 में कुर्मी कोइरी वोट बीजेपी का 80 फीसदी से घटकर 61 प्रतिशत हो गया था।

अन्य ओबीसी वोट भी 74 फीसदी से घटकर 59 फीसदी ही आया था। इसलिए ये तो तय कहा जा रहा है कि यूपी में कमान किसी पिछड़े वर्ग के नेता को ही शनिवार को मिलने वाली है। लेकिन क्या वो चेहरा डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भी हो सकता है?

दरअसल, चर्चा इस बात की भी चल रही है कि क्या सरप्राइज चेहरे के तौर पर कोई हैवीवेट नेता ही अब सीधे प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है? चर्चा की वजह संगठन मंत्री बीएल संतोष का लखनऊ दौरा माना जा रहा है। कहा ये भी जा रहा है कि अगर लखनऊ से दिल्ली तक बैठक करने के बाद क्या केशव प्रसाद मौर्य के नाम का ऐलान हो सकता है, जिनके प्रदेश अध्यक्ष रहते ही बीजेपी की सत्ता में 2017 में लौटी थी। 11 महीने से नए अध्यक्ष का इंतजार यूपी में किया जा रहा है, जो अलग-अलग वक्त में अलग-अलग वजह से आगे बढ़ता रहा. 16 दिसंबर, 2025 से खरमास शुरू हो रहा है, जहां नई शुरुआत भारतीय परंपरा में नहीं की जाती है. लिहाजा अब शनिवार तक फैसला करने की तैयारी हो चुकी है. बस ऐलान बाकी है।

तेलंगाना के...

बैठक लगभग आधा घंटा चली, जिसमें पीएम ने सांसदों को संसद के अंदर और बाहर उनके आचरण को लेकर मार्गदर्शन दिया। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने पूछा कि भाजपा सोशल मीडिया पर ओवैसी की पार्टी से पीछे क्यों है, जबकि राज्य में मजबूत विपक्ष बनने की क्षमता मौजूद है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मोदी ने सांसदों को राज्य में एक प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रहने के लिए फटकार लगाई। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पार्टी ने अब तक मजबूत डिजिटल और संचार टीम क्यों नहीं बनाई, जो सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों का मुकाबला कर सके।

मोदी ने यह निराशा भी जताई कि संगठन तेलंगाना में मौजूद राजनीतिक अवसरों का भरपूर लाभ नहीं उठा सका, जबकि भाजपा के विकास की संभावनाएं राज्य में काफी ऊँची हैं।

प्रधानमंत्री ने तेलुगु भाषी राज्यों के सांसदों को राष्ट्रीय मुद्दों में अधिक सक्रिय होने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सांसद विभिन्न राज्यों का नियमित दौरा करें और केंद्र सरकार की योजनाओं व विकासात्मक पहलों को जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं।

महबूबनगर की सांसद डीके अरुणा ने एक बयान जारी कर बताया कि मोदी ने भाजपा सांसदों को सामूहिक रूप से पार्टी का संदेश फैलाने और तेलंगाना में भाजपा की जमीनी पकड़ मजबूत करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

शिवराज पाटिल...

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में उन्हें गृह मंत्री, रक्षा मंत्री का कार्यभार सौंपा गया था। उन्होंने 1991 से 1996 तक देश के 10वें लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर काम किया। उन्होंने 2010 से 2015 तक पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के तौर काम किया।

श्री पाटिल 2008 के मुंबई हमलों के समय देश के गृहमंत्री थे और इस हमले के बाद हुई व्यापक आलोचना के बाद उन्होंने 30 नवंबर 2008 को घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

श्री पाटिल ने हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय से विज्ञान में डिग्री प्राप्त की और बॉम्बे विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की। वह 1967-69 के दौरान लातूर नगर पालिका में कार्यरत रहे। श्री पाटिल पंचमसाली लिंगायत समुदाय से थे। उन्होंने जून 1963 में विजया पाटिल से शादी की थी। उनके दो बच्चे एक पुत्र और एक पुत्री हैं। वह सत्य साई बाबा के कट्टर अनुयायी भी थे।

सुप्रीम कोर्ट ने करूर...

सुनवाई के दौरान, सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने कहा कि राज्य आयोग सीबीआई जांच में हस्तक्षेप नहीं करेगा और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केवल सिफारिशें देगा। इसके बाद पीठ ने विल्सन से आयोग की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना पढ़ने को कहा और दोहराया, हम चाहते हैं कि सब कुछ निष्पक्ष और तटस्थ हो।

शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा दायर एक रिपोर्ट की समीक्षा की। जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि रैलियों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की मांग वाली एक रिट याचिका को आपराधिक रिट याचिका के रूप में कैसे दर्ज किया गया। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय में कुछ गड़बड़ चल रही है। उच्च न्यायालय में जो हो रहा है वह सही नहीं है।

विल्सन और वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने रिपोर्ट की एक प्रति का अनुरोध करते हुए कहा कि वे इस संबंध में जवाब दाखिल करना चाहते हैं।

करूर में भगदड़ 27 सितंबर को अभिनेता-राजनेता विजय की तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) की रैली के दौरान हुई थी।

इस भगदड़ के बाद पुलिस ने पहले कहा था कि रैली में 27,000 लोग शामिल हुए, जो अपेक्षित 10,000 लोगों की संख्या से लगभग तीन गुना अधिक थे, और त्रासदी का कारण विजय द्वारा कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने में सात घंटे की देरी को बताया था। 13 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने घटना की सीबीआई जांच का आदेश देते हुए कहा था कि इस त्रासदी ने राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया है और निष्पक्ष और तटस्थ जांच की हकदार है। उसी आदेश में, न्यायालय ने राज्य द्वारा एसआईटी और एक सदस्यीय जांच आयोग की नियुक्ति के निर्देशों को निलंबित कर दिया था और सीबीआई जांच की निगरानी के लिए पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया था।

अमेरिका में...

हालांकि जारी तस्वीरों में किसी भी व्यक्ति के किसी अवैध गतिविधि में शामिल होने का कोई दृश्य प्रमाण नहीं दिख रहा।

डोनाल्ड ट्रंप और जेफरी एपस्टीन कई वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि उनका रिश्ता 2004 से पहले, यानी एपस्टीन की पहली गिरफ्तारी से काफी पहले ही खत्म हो गया था। ट्रंप लगातार यह दावा करते रहे हैं कि एपस्टीन से जुड़े किसी भी गलत काम में उनकी कोई भूमिका नहीं थी।

एक तस्वीर में बिल क्लिंटन, एपस्टीन और उनकी लंबे समय तक सहयोगी रहीं घिसलेन मैक्सवेल के साथ पोज देते हुए नजर आते हैं। घिसलेन मैक्सवेल को बाद में एपस्टीन के सेक्स-ट्रैफिकिंग रैकेट में दोषी पाया गया।

बिल क्लिंटन की एक फोटो पर स्वयं क्लिंटन के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं।

एक अन्य फोटो में एपस्टीन को पूर्व व्हाइट हाउस रणनीतिकार के सामने एक डेस्क के पीछे बैठे देखा गया है।

इसके अलावा: वूडी एलन को ङ्कडायरेक्टर की चेयरफ पर बैठे एपस्टीन से बात करते हुए, और एक अन्य तस्वीर में एलन और स्टीव बैनन को बातचीत करते हुए कैद किया गया है। एक और तस्वीर में बिल गेट्स और प्रिंस एंड्रयू एक साथ खड़े दिखाई देते हैं।

डेमोक्रेट कमेटी की सदस्य सीनेटर रॉबर्ट गार्सिया ने इन तस्वीरों की कड़ी आलोचना की।

अमेरिकी चैनल छइउ से बातचीत में उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि व्हाइट हाउस की इस लीपापोती को खत्म किया जाए। जेफरी एपस्टीन और उसके ताकतवर दोस्तों के पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा ये परेशान करने वाली तस्वीरें एपस्टीन और दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोगों के साथ उसके रिश्तों पर और सवाल उठाती हैं। जब तक अमेरिकी जनता को सच्चाई नहीं मिल जाती, हम चैन से नहीं बैठेंगे। न्याय विभाग को सभी फाइलें तुरंत जारी करनी चाहिए।

जेफरी एपस्टीन अमेरिका का कुख्यात अरबपति था, जिसने बहुत कम समय में अपार धन, नेटवर्क और प्रभाव जमा किया।

पैसे और रसूख की बदौलत उसने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू, और डोनाल्ड ट्रंप जैसी शख्सियतों से भी नजदीकियां बना ली थीं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 13 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

शादनगर एवं पोंचमपल्लेवाड़ा में बाबोसा भगवान की मूर्ति स्थापना

परम आराधिका मंजू बाईसा के कर-कमलों से संपन्न हुआ स्थापना समारोह

'हर-हर बाबोसा, घर-घर बाबोसा' के उद्घोष से गुंजायमान हुआ क्षेत्र

भक्तों की विशाल उपस्थिति, भजन-कीर्तन व प्रसाद वितरण से सजा भक्तिमय वातावरण

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम आराधिका मंजू बाईसा के कर-कमलों द्वारा शादनगर और पोंचमपल्ले वाड़ा, जेडीमेटला में बाबोसा भगवान की मूर्ति स्थापना की गई। भक्तों ने धूमधाम से हर-हर बाबोसा, घर-घर बाबोसा का उद्घोष किया।

यह शुभ अवसर सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए अत्यंत हर्ष और श्रद्धा का विषय रहा। स्थापना समारोह के दौरान बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे और सबने मिलकर भक्ति, विश्वास और आनंद से वातावरण को दिव्य बना दिया। मंत्रोच्चार, पुष्पवर्षा और भजन-कीर्तन के साथ मूर्ति स्थापना समारोह संपन्न हुआ।कई परिवारों ने अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर बाबोसा भगवान से सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन समिति ने सभी आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया और प्रसाद वितरण का सुंदर प्रबंध किया। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा और सभी ने मिलकर बाबोसा भगवान की महिमा का गुणगान किया।

ग्वालियर में महासर माता की अखंड ज्योत का भव्य स्वागत

रेवाड़ी-आगरा-मथुरा होते हुए ग्वालियर पहुंची रथ यात्रा

हैदराबाद में मंदिर निर्माण हेतु जारी है ज्योति यात्रा

कल (14 दिसंबर को) चारमीनार, हैदराबाद से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ

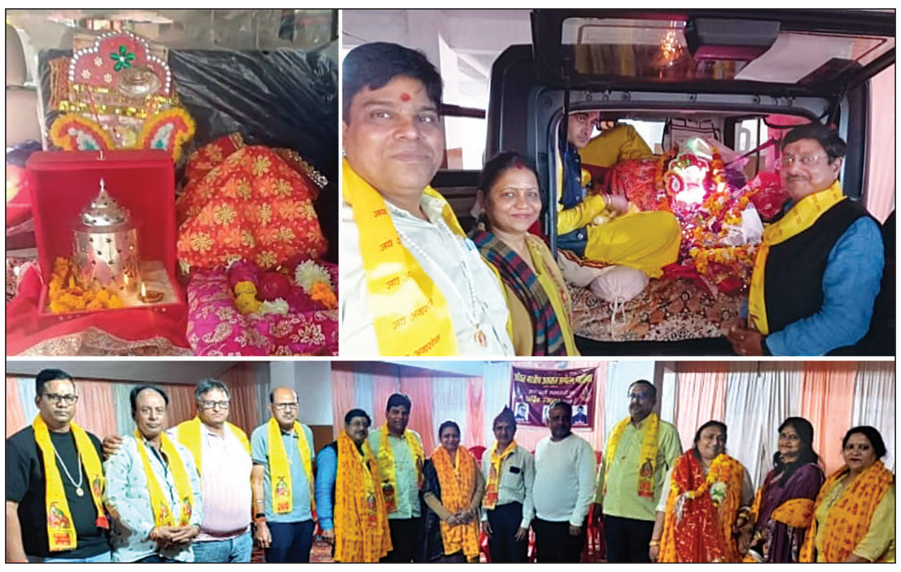

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महासर माता की अखंड ज्योत, पिंडी एवं मूर्ति के साथ रथ यात्रा गढ़ी महासर से हैदराबाद के लिए रवाना हुई। संस्था के परामर्शदाता शशि कांत अग्रवाल ने बताया कि रथ यात्रा रेवाड़ी, मथुरा, आगरा होते हुए शुक्रवार को ग्वालियर पहुंची, जहां अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ग्वालियर के सदस्यों एवं भक्तों ने बड़े गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए माता की आरती, दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।ग्वालियर में अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन मध्यांचल ग्वालियर इकाई की ओर से भी राम मंदिर के पास अखंड ज्योति यात्रा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष सुमन सिंघल ने किया। उन्होंने बताया कि यह ज्योति यात्रा हैदराबाद में माता के मंदिर निर्माण के लिए निकाली जा रही है, जो हरियाणा के नारनौल, अग्रोहा, दिल्ली, मथुरा, आगरा, मुरैना से होती हुई ग्वालियर पहुंची।

इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, नवरत्न कनोड़िया, अनिल अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, रामपाल शर्मा, मूसा खान और दिनेश सिंघल आदि गणमान्य उपस्थित थे।

आगे यात्रा झांसी, सागर, भोपाल, इटारसी, बैतूल, नागपुर, आदिलाबाद, निर्मल और निजामाबाद से होती हुई हैदराबाद में रविवार 14 दिसंबर को प्रातः 8.00 बजे चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर पहुंचेगी। यहां से रथ यात्रा का भव्य रूप से गाजे-बाजे, भजन आदि के साथ शुभारंभ होगा, जो गुलज़ार हाउस, घांसीबाजार, बेगम बाजार, चूड़ी बाजार से होते हुए श्री खेमदास मठ पहुंचेगी। रथ यात्रा में माता के भक्त बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे।

रथ यात्रा मार्ग में अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा के संयोजन में आर. नानकराम परिवार द्वारा उनके निवास स्थान के सामने रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा, जहां अल्पाहार की व्यवस्था भी की जाएगी।ज्ञात रहे कि भाग्यनगर (हैदराबाद) की धरती पर गढ़ी महासर माता का विशाल मंदिर निर्माणाधीन है। इसकी प्राण प्रतिष्ठा 19 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक बड़े उत्साह के साथ श्री खेमदास मठ, बेगम बाजार में आयोजित होगी। महासर माता के सभी भक्तों से निवेदन किया गया है कि अखंड ज्योत के प्रथम दर्शन का पावन अवसर प्राप्त करने हेतु चारमीनार अवश्य पहुंचें।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय ज्वेल्स प्रदर्शनी उद्घाटित

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ़ की तीन दिवसीय ज्वेल्स प्रदर्शनी शुक्रवार, दि. 12 दिसंबर को एचआईसीसी नोवोटेल, हाईटेक सिटी में शुरू हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन हाईलाइफ के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एबे पी. डोमिनिक की उपस्थिति में अभिनेत्री पायल राजपुत ने किया। अवसर पर शहर की प्रमुख मॉडल, आभूषण डिज़ाइनर तथा आभूषण प्रेमी मौजूद थे।

प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद संयोजक एबे डोमिनिक ने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी देश भर में एक उत्तम ब्रांड के रूप में उभरी है, जहाँ देश-विदेश के आभूषण डिज़ाइनर और प्रमुख ब्रांड अपनी नवीनतम डिज़ाइन कलेक्शन प्रदर्शित करने के लिए लालयित हैं।

उन्होंने बताया कि यह देश की सबसे प्रीमियम और अपनी तरह की सबसे बड़ी आभूषण प्रदर्शनी है, जिसमें एक ही छत के नीचे देश के शीर्ष आभूषण ब्रांड आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। आभूषण प्रेमियों के लिए यह अनूठा आयोजन है।

उन्होंने बताया कि हाई-लाइफ प्रदर्शनी ने भारत के अलावा श्रीलंका, थाईलैंड, दुबई, दक्षिण अफ्रीका और अन्य देशों में फैशन, आभूषण, जीवनशैली, विलासिता के उद्योग में सबसे विशेष पहचान बनायी है।

इसमें आभूषण प्रेमियों के लिए कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। यह प्रदर्शनी 13 एवं 14 दिसंबर को भी जारी रहेगी।

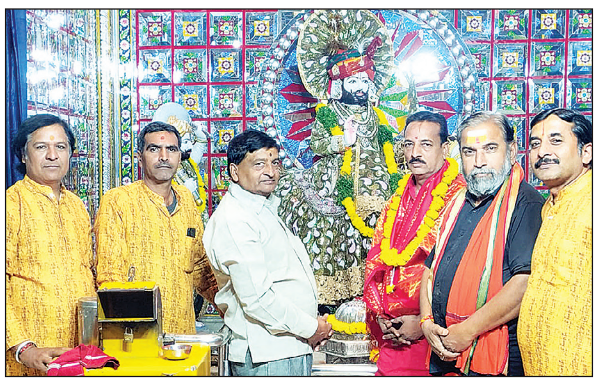

शिवरमपल्ली स्थित रामदेवरा दरबार में श्री बालाजी सेवा समिति के अध्यक्ष कमल जाजू की 36वीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष मनोकामना पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा रामदेव के भक्तों ने उनके लिए पूजा करवाई तथा उनका भव्य रूप से स्वागत किया। पूजा कार्यक्रम में बनवारी महाराज, पिंटू महाराज, राकेश महाराज, तिवारी महाराज, अरविन्द शर्मा, गुरु स्वामी, जगदीश प्रसाद अग्रवाल सहित अनेक बाबा रामदेव भक्त उपस्थित रहे।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नित्य अन्नदान सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद ने शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025 को, तीन स्थानों- 1) केबीआर पार्क के पास, बंजारा हिल्स, 2) बेगम बाजार, गौशाला के पास, पुल की माता और

3) पब्लिक गार्डन, पिलर-अ1265, नामपल्ली, हैदराबाद मेंनित्य अन्नदान (अल्पाहार) सेवा का आयोजन किया।यह सेवा स्व. श्रीमती गायत्री बाई जी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्री मुन्नालालजी बजरंगप्रसादजी परिवार द्वारा एवं बैंगलोर में नए कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर श्री किशोरकुमारजी अग्रवाल परिवार द्वारा सेवा योगदान दिया गया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, गोविंद राम पचेरिया, शिव भगवान, मीना अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, पूजा सांघी और अन्य राधे राधे समूह के सदस्य उपस्थित रहे।

विशाल (कमल बंग के सुपुत्र) और योगिता (हेमेंदर जी की सुपुत्री) का शुभ विवाह समारोह शमशाबाद स्थित मनियार फार्म्स में संपन्न हुआ।
इस अवसर पर नवदमपत्ति को आशीर्वाद प्रदान करने के बाद उपस्थित रमेश कुमार बंग, रामेश्वर बंग जगदीश बंग, श्याम बंग, कमल बंग, राजगोपाल बंग, सीए वेणुगोपाल बंग, रितेश बंग और समस्त परिवार।

एस. गैबुवली को केंद्र सहकारिता मंत्रालय का हिंदी सलाहकार नियुक्त किए जाने पर सम्मान

प्रमुख वकील सभा के कानूनी सलाहकार जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी ने किया सम्मानित

हिंदी प्रेमियों और सभा पदाधिकारियों ने भी दी शुभकामनाएँ

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली को केंद्र सहकारिता मंत्रालय के हिंदी सलाहकार के रूप में नियुक्त किए जाने पर प्रमुख वकील सभा के कानूनी सलाहकार जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी एवं अन्य हिंदी प्रेमियों ने उनका सम्मान किया।

इस अवसर पर जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी ने एस. गैबुवली को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएँ दीं। साथ ही सभा के कार्यकर्ताओं की ओर से कार्यकर्ता संघ के अध्यक्ष नामदेव वाघमोडे, मंत्री सी. शिवलिंगम, और यूनियन बैंक के हिंदी अधिकारी देवकांत ने भी प्रधानमंत्री एस. गैबुवली का अलग-अलग रूप से सम्मान किया।कार्यक्रम में सभा के रजिस्ट्रार डॉ. शंकरसिंह ठाकुर, कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, स्वरोजगार पाठ्यक्रम की प्रशिक्षक एलिजाबेथ राणी, प्रेमा सभा के कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

टीएनजीओस वार्षिक खेल समारोह का भव्य समापन, कर्मचारियों में भरा उत्साह

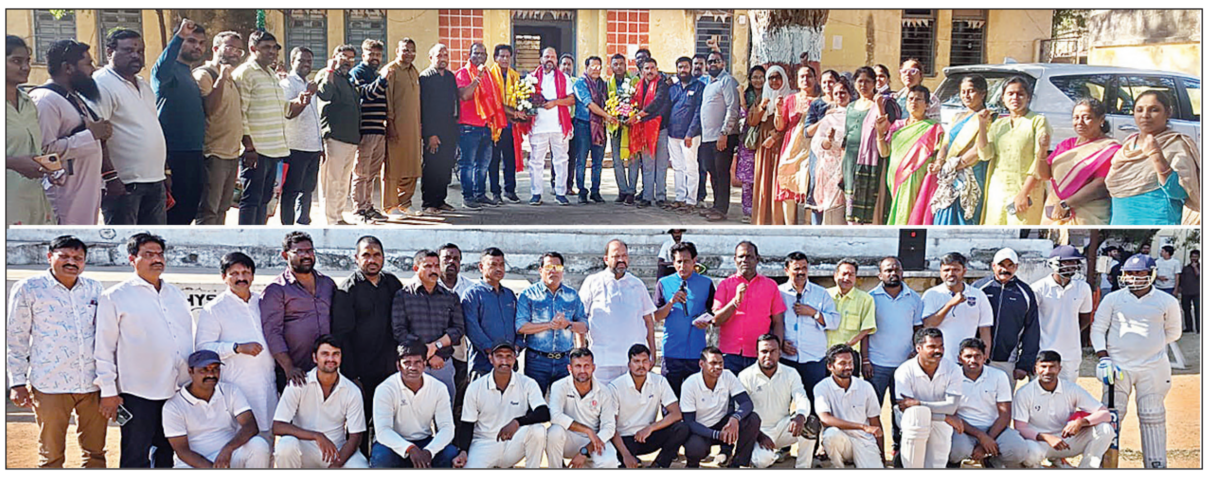

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सरकार के कर्मचारियों के कल्याण और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, तेलंगाना नॉन-गैजेटेड ऑफिसर्स यूनियन, हैदराबाद जिला के तत्वावधान में 4 दिसंबर से आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं शुक्रवार (12.12.2025) को भव्य रूप से संपन्न हुईं।

इन नौ दिवसीय खेल समारोहों में हैदराबाद जिले के अंतर्गत विभिन्न विभागों के सैकड़ों कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कर्मचारियों ने क्रिकेट, वॉलीबॉल, शटल, एथलेटिक्स जैसे विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।इस समापन कार्यक्रम में तेलंगाना नॉन-गैजेटेड ऑफिसर्स सेंट्रल यूनियन से मुख्य अतिथियों के रूप में आए सम्मानित नेताओं ने अपने संदेश दिए। जिनमें-मारेम जगदीश्वर (अध्यक्ष, टीएनजीओस सेंट्रल यूनियन), डॉ. एस.एम. हुसैनी (मुजीब) (जनरल सेक्रेटरी, टीएनजीओस सेंट्रल यूनियन), कस्तूरी वेंकट (एसोसिएट प्रेसिडेंट, टीएनजीओस सेंट्रल यूनियन), श्रीमती शैलजा (पब्लिसिटी सेक्रेटरी, टीएनजीओस सेंट्रल यूनियन)।

सेंट्रल यूनियन के नेताओं ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए खेलों के महत्व को समझाया और यूनियन के कार्यक्रमों की सराहना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हैदराबाद जिला यूनियन के अध्यक्ष विक्रम कुमार ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल कर्मचारियों के बीच के संबंधों को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर, उन्होंने यह महत्व-पूर्ण घोषणा की कि खेल प्रतियोगिताओं में विजेता रहे खिलाड़ियों को पुरस्कार जल्द ही आयोजित होने वाले यूनियन के डायरी और कैलेंडर अनावरण कार्यक्रम में प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर कुर्रादि श्रीनिवास (सेक्रेटरी, हैदराबाद जिला यूनियन), के. आर. राज कुमार (एसोसिएट प्रेसिडेंट, हैदराबाद जिला यूनियन), के. श्रीकांत (अध्यक्ष, टीएनजीओस सिटी यूनियन) जिला कार्यकारिणी सदस्यों में-खालिद अहमद, शंकर, श्रीमती गीता, वैदिक श्रेष्ठ, मुखीम कुरेशी, श्रीधर एवं अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन यूनियन कार्यकारिणी सदस्यों के धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान के साथ हुआ।

हाल ही में सम्पन्न महेश बैंक के चुनाव में सफलता प्राप्त करने पर समाज सेवी एवं गौ-भक्त गोविंद राठी का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्राणी मित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन के मंत्री रिद्धिश जागीरदार ने विशेष तौर पर बधाई दी। कार्यक्रम में कच्छी दशा ओस्वाल समाज के अध्यक्ष लहरचंद लोडाया एवं भारत शाह भी उपस्थित रहे।

ड्रग अपराधियों पर अब हिस्ट्री-शीटर की तरह नजर रखेगी हैदराबाद पुलिस : सीपी सज्जनार

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने शुक्रवार को घोषणा की कि शहर में ड्रग अपराधियों और पेडलर्स की निगरानी अब हिस्ट्री-शीटरों पर लागू होने वाली समान तीव्रता और सतर्कता के साथ की जाएगी। यह कदम शहर की नशीले पदार्थों के खिलाफ रणनीति में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है।

बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में आयोजित नारकोटिक्स नियंत्रण पर एक उच्च-स्तरीय समन्वय बैठक को संबोधित करते हुए, आयुक्त ने कहा कि पुलिस विभाग हैदराबाद में संचालित ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस बैठक में आईबी, डीआरआई, एनसीबी, उत्पाद शुल्क विभाग, काउंटर इंटेलिजेंस, ईगल टीमें और एफआरआरओ सहित केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

जमीनी स्तर पर प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए, सज्जनार ने हैदराबाद नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (क-छएथ) के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा, मौजूदा टीमों के साथ, चार से पांच नई इकाइयाँ बनाई जा रही हैं। ये टीमें खुफिया जानकारी जुटाने और आरोपियों को तुरंत पकड़ने पर ध्यान केंद्रित करेंगी।''

नारकोटिक्स नियंत्रण को एक निरंतर लड़ाई बताते हुए, आयुक्त ने निर्बाध अंतर-एजेंसी समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। यह निर्णय लिया गया कि सभी हितधारक विभाग चल रहे मामलों की समीक्षा करने, बार-बार अपराध करने वालों पर खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान करने और तस्करी के नए रुझानों को ट्रैक करने के लिए मासिक बैठकें करेंगे।

बैठक में ड्रग तस्करी और उपभोग में विदेशी नागरिकों की संलिप्तता पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने हवाई अड्डों पर निगरानी तेज करने और संदिग्ध यात्रियों को ट्रैक करने के लिए आव्रजन और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का फैसला किया।सज्जनार ने टीमों को मेडिकल वीजा पर आने वाले व्यक्तियों पर सख्ती से नज़र रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, अगर वे अस्पतालों में रिपोर्ट करने में विफल रहते हैं, तो ऐसे मामलों को तुरंत चिह्नित किया जाना चाहिए और डीआरआई और एफआरआरओ के समन्वय से कार्रवाई की जानी चाहिए।

नारकोटिक्स के परिवहन के लिए कूरियर सेवाओं के दुरुपयोग पर भी चिंता व्यक्त की गई, जिसे रोकने के लिए सख्त निगरानी और खुफिया जानकारी साझा करने के निर्देश जारी किए गए।

पुलिस बयान के अनुसार, बैठक में साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती, डीआईजी मोहनका, एफआरआरओ अधिकारी अप्पलनयडू, इंटेलिजेंस एसपी भास्करन, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जबरन वसूली पर होगी कड़ी कार्रवाई: हैदराबाद सीपी सज्जनार ने ट्रांसजेंडरों को चेतावनी दी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि जबरन वसूली में शामिल ट्रांसजेंडरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने समुदाय से अपील की कि वे सरकारी कल्याणकारी अवसरों का लाभ उठाएं और समाज में सम्मान के साथ जीवन जिएं।

आयुक्त ने अमीरपेट के सीईएसएस ऑडिटोरियम में लगभग 250 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ आयोजित एक विशेष संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस बैठक की अध्यक्षता सीपी सज्जनार ने की, जिसमें अतिरिक्त डीजीपी, सीआईडी और महिला सुरक्षा, चारु सिन्हा भी उपस्थित थीं। अधिकारियों ने प्रतिभागियों की चिंताओं को समझने के लिए सीधे उनसे बात की। सीपी सज्जनार ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय के भीतर होने वाले विवाद और समूह प्रतिद्वंद्विता अक्सर कानून-व्यवस्था की समस्याओं और यहां तक कि जानमाल के नुकसान का कारण बनते हैं।

मेस्सी का जुनून: राहुल गांधी हैदराबाद का दौरा करेंगे

–उप्पल स्टेडियम में मेस्सी बनाम सीएम रेवंत रेड्डी की मैत्रीपूर्ण भिड़ंत आज

–27,000 से अधिक टिकट बिका, सुरक्षा के सख्त इंतज़ाम

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार, 13 दिसंबर को हैदराबाद का दौरा करेंगे। वे उप्पल क्रिकेट स्टेडियम में फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेस्सी के साथ आयोजित 'गोट इंडिया टूर' कार्यक्रम में शामिल होंगे।कार्यक्रम अनुसूची के अनुसार, राहुल गांधी दोपहर 2:15 बजे से 4:15 बजे के बीच विशेष विमान से दिल्ली से हैदराबाद पहुंचेंगे।इसके बाद वे शाम 7:55 बजे तक फलकनुमा पैलेस होटल पहुंचेंगे और फिर मेस्सी तथा तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बीच होने वाले हाई-प्रोफाइल मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच में शामिल होंगे।कार्यक्रम के बाद वे एयर इंडिया की फ्लाइट से दिल्ली प्रस्थान करेंगे।अधिकारियों ने बताया कि पूरे दौरे और कार्यक्रम स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

मेस्सीषरेवंत रेड्डी मैत्री मैच: पेनल्टी शूटआउट से होगा फैसला

उप्पल क्रिकेट स्टेडियम को मेस्सी के शानदार पेनल्टी शूटआउट का गवाह बनने के लिए विशेष रूप से सजाया गया है।

गोट टूर हैदराबाद की सलाहकार पार्वती रेड्डी के अनुसार, सिंगारेनी आरआर9 और अपर्णा-मेस्सी ऑल स्टार्स'' के बीच लगभग 15–20 मिनट का दोस्ताना मैच खेला जाएगा।मैच शुरू होने से पाँच मिनट पहले मेस्सी और सीएम रेवंत रेड्डी साथ में फुटबॉल ड्रिबल करते हुए दिखेंगे।रेड्डी ने बताया कि जीत का फैसला पेनल्टी शूटआउट से होगा। दोनों टीमों को 3-3 पेनल्टी का अवसर मिलेगा।मेस्सी अकेले ही पेनल्टी शूट करेंगे, जिसमें उनकी जादुई किक देखने को मिलेगी।पार्वती रेड्डी ने बताया कि लगभग 60 लोगों ने मेस्सी के साथ फोटो खिंचवाने के लिए 10 लाख रुपये शुल्क दिया है।संग्रहित राशि का उपयोग एक फुटबॉल क्लिनिक के लिए होगा, जिसका उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को फुटबॉल के बड़े नामों से सीखने का अवसर प्रदान करना है।एक सूत्र के अनुसार, कार्यक्रम के लिए 27,000 से अधिक टिकट बिक चुके हैं और आयोजकों को उम्मीद है कि शनिवार शाम तक 39,000 की पूरी क्षमता भर जाएगी।मैच के बाद 25–30 मिनट का एक फुटबॉल प्रशिक्षण सत्र होगा, जिसमें 20 बच्चों को मेस्सी, रोड्रिगो (डी पॉल) और लुइस सुआरेज़ ट्रेनिंग देंगे।

सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम 03,000 पुलिसकर्मी तैनात

मेस्सी शनिवार को शाम 4 बजे शहर पहुँचेंगे और रविवार सुबह मुंबई के लिए प्रस्थान करेंगे।

राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम हेतु रचाकोंडा पुलिस कमिश्नरेट की ओर से उच्चस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है।

पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने बताया कि लगभग 3,000 सुरक्षा कर्मी तैनात होंगे। केवल वैध टिकट धारकों को प्रवेश मिलेगा। दर्शकों से पब्लिक ट्रांसपोर्ट या कार शेयरिंग का उपयोग करने की अपील की गई।स्टेडियम में टिकट बिक्री नहीं होगी (टिकट पहले ही ऑनलाइन बिक चुके हैं)।मेस्सी को उनकी यात्रा के दौरान 'जेड श्रेणी' की सुरक्षा प्रदान की जाएगी और स्टेडियम में उनके लिए विशेष प्रवेश की व्यवस्था रहेगी।दर्शकों को खेल शुरू होने से 3 घंटे पहले, यानी शाम 7 बजे, स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

भरत चांडा के नेतृत्व में संस्कार फ्यूजन द्वारा अजेय एन अनटोल्ड स्टोरी का विशेष प्रदर्शन

–युवाओं को मिला उद्देश्य का सशक्त संदेश

–315 से अधिक युवाओं और समाजसेवियों ने दर्ज कराई उपस्थिति

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संस्कार फ्यूज़न के तत्वावधान में पीवीआर काचीगुड़ा, हैदराबाद में प्रेरणादायक फ़िल्म अजेय एन अनटोल्ड स्टोरी का विशेष प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के लिए 236 सीटों की आधिकारिक अनुमति थी, किंतु युवाओं और समाजसेवियों के उत्साह के कारण 315 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज कराई। यह आयोजन एकता, विश्वास और नए भारत की सकारात्मक सोच का प्रतीक बना।फ़िल्म का मूल संदेशउद्देश्य पूरे आयोजन की आत्मा के रूप में उभरकर सामने आया, जिसने विशेष रूप से युवाओं को गहराई से प्रेरित किया।इस अवसर पर संस्कार फ्यूज़न के अध्यक्ष भरत चांडा ने कहा आज देश को भीड़ नहीं, उद्देश्यपूर्ण युवा चाहिए। सही नीयत और जनकल्याण की सोच से ही नया भारत बनेगा।वहीं, संस्कार फ्यूज़न के उपाध्यक्ष निखिल बाहेती ने अपने संबोधन में कहा कि जब युवा खुद में बदलाव लाने का निर्णय लेता है, तभी समाज में बदलाव संभव होता है।

संस्कार फ्यूज़न युवाओं को लक्ष्य, अनुशासन और सेवा से जोड़ने का कार्य कर रहा है।इस आयोजन में हम सोच क्लब (संस्थापक: अल्का मिंडा), प्रतीक अग्रवाल (अमृतसर हवेली) एवं समाजसेवी हितेश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।फ़िल्म के लेखक शंतनु जी गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिंदू परिषद से जुड़े अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

CHANGE OF NAME
I, HINA SHIVPAL SINH, Wife of Army No. 15234445P Rank L/NK (DMT) Name RATHOD SHIVPALSINH DILIPSINH, presently residing at Village Sahebapur PO- Sahebapur, Teh-Himmatnagar, District-Sabarkantha, State-Gujrat, PIN Code-383001, have changed my name from HINA SHIVPAL SINH to HINABA SHIVPALSINH RATHOD, respectively vide affidavit No. AC 888657 dated 11/12/2025 before High Court Tolichowki, Hyderabad (TS)

CHANGE OF NAME
I, DASARI DHANALAKSHIM, Wife of 14652118K HAV SAMALAPPALA NAIDU DASARI, Resident of VILLAGE & POST: ANANDAPURAM, DISTRICT: VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH – 535280 have changed my name from DASARI DHANALAKSHIM to DHANA LAKSHMI DASARI vide Affidavit No. BG 665107 dt 10-12-2025 before City Civil and Criminal Court, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SRIDEVI VINAYAK PATANGE, Wife of JC-774440P SUB VINAYAK PATANGE, Resident of H.No. 4437/1, SHIVAM NAGAR, HINDALGA, BELAGAVI, KARNATAKA -591108 have changed my name from SRIDEVI VINAYAK PATANGE to SHRIDEVI VINAYAK PATANGE vide Affidavit No. BG 665108 dt 10-12-2025 before City Civil and Criminal Court, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 731931X Sub Maj (H/LT) NARESH KUMAR of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my father name and DOB is changed from PREMRAJ, DOB:01-07-1956 to PREMARAJ, DOB:01-01-1952.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.JC 733641Y Sub MAHINDER KUMAR of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is changed from RAJPATI DEVI, DOB:02-08-1956 to RAJPATI, DOB:01-01-1953.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 6941837W Hav MANIK RATAN PATRA of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is changed from NITOE PATRA, DOB:08-05-1949 to NIYATI PATRA, DOB:01-01-1955

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 734233A Sub TARUN KUMAR SINGH of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my mother name and DOB is changed from MANTURA DEVI, DOB:01-01-1945 to MATHURA DEVI, DOB:01-01-1946.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 732946M Sub CHAUDHARI GANESH MOTILAL of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from CHAUDHARI BM, DOB:09-08-1952 to BHAGABAI MOTILAL CHAUDHARI, DOB:01-01-1957.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHHAYA Spouse of Service No. 732818P Sub (Hony Lt) PHAD KESHAV BABURA of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO have changed my name and DOB from CHHAYA, DOB:02-01-1980 to PHAD CHHAYA KESHAV, DOB:02-06-1980 vide affidavit dt:12-12-2025 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15493077M Nk RAJESH KUMAR PATEL of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is changed from AHILLYA BAI, DOB:15-04-1962 to AHILYA BAI, DOB:02-01-1958.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No JC 731931X Sub Maj (H/LT) NARESH KUMAR of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is changed from KAMLA DEVI, DOB:15-03-1959 to KAMALA, DOB:01-01-1965.

CHANGE OF NAME
I, Service No JC 732935A Sub/Clk (IM) VISHNU KUMAR UPRIATI of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my son name is to be changed from HIMANSU UPRAITY to HIMANSHU UPRAITY.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 733874A Sub SANJAY KUMAR TEOTIA of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad that my father name is changed from BACHAN SINGH TEOTIA to BACHAN SINGH.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 733769K Sub Clk (IM) SHINDE NAVNATH VITHAL of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad that my father name is changed VITHAL DADA SHINDE to VITTHAL DADA SHINDE and mother name is changed from BAGIRATHI to BHAGIRATHI VITTHAL SHINDE.

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC 736254P Nb Sub SARATH SASEENDRAN E of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my father name is changed from SASEENDRAN to SASEENDRAN E G, and mother name is changed from RADHA E S to RADHA SASEENDRAN.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732952A Sub KADAM KISHORE RAGHUNATH of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my daughter name is to be changed from MANSI to MANSI KISHORE KADAM.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732949A Sub Clk (M) NIMBALKAR SURESH KISANRAO of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my father name is changed from KISANRAO BABURAO NIMBALKAR to KISAN BABU NIMBALKAR and mother name is changed from KANKABAI KISANRAO to KANKABAI KISAN NIMBALKAR.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SALLAMMA Spouse of Service No. 14297657Y Ex.Nk (Time Scale) Late DASARY JAYANNA, Resident of 7-16-24/C-1, S P G Palam, 7th Ward, Giddalur, Prakasam, Andhra Pradesh have changed my name and DOB from SALLAMMA, DOB:01-09-1959 to DASARI SALLAMMA, DOB:15-09-1958 vide affidavit dt:11-12-2025

CHANGE OF NAME
I, M SARANYA Spouse of Service No. 15717782W L/Nk MUTHAIAH T, Resident of 4/118, Kadamankulam, VTC:Kadamankulam, Post:Pudhur, Teh;Tiruchuli, Dist:Virudhunagar, Tamilnadu-626129 have changed my name from M SARANYA to SARANYA M vide affidavit dt:11-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF DOB
I, Bodlapati Munni M/o Bodlapati Nagur Vali, R/o H.No.1-92/1, Paludevarlapadu, Muppalla, Guntur, A.P-522408, have changed my DOB from 02-03-1965 to 01-01-1971, vide affidavit dt. 12-12-2025, before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Bodlapati Pakeraiah F/o Bodlapati Nagur Vali, R/O H.No.1-92/1, Paludevarlapadu, Muppalla, Guntur, A.P-522408, have changed my name from BODLAPATI PAKERAIAH to BODLAPATI PAKIRAIAH and DOB from 06-05-1960 to 01-01-1951, vide affidavit dt.12-12-2025, before Sec-Bad Court.

भैरव जयंती पर श्री कालभैरव मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

चेन्नूर, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र के कोटपल्ली मंडल के पारुपल्ली गाँव स्थित स्वयंभू विराजमान श्री कालभैरव मंदिर में इस वर्ष भैरव जयंती का पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया।

सुबह से ही कालभैरव पहाड़ी पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और देखते ही देखते पूरा अरण्य क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया। घने जंगलों के बीच प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे इस प्राचीन मंदिर में श्री कालभैरव स्वामी का विशेष अलंकरण किया गया। भोग, मंत्रोच्चारण और विशेष पूजा-अर्चना के बीच भक्तों ने 'कालभैरव अष्टमी' का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। बड़े पैमाने पर दर्शनार्थियों के आगमन को देखते हुए मंदिर परिसर में अतिरिक्त व्यवस्थाएँ की गई थीं।

पूजा के पश्चात मंदिर समिति और स्थानीय भक्तों की ओर से महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें हज़ारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। भैरव नाम स्मरण से पूरा पहाड़ी क्षेत्र देर तक गुंजायमान होता रहा। जंगलों में गूंजती घंटियों की ध्वनि, दीपों की चमक और भक्ति गीतों की तान ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

भैरव जयंती के इस भव्य उत्सव में संयुक्त मंचेरियाल, करीमनगर, हैदराबाद, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों और जिलों से हज़ारों श्रद्धालु पहुँचे। यह भीड़ न केवल इस मंदिर की महिमा को दर्शाती है, बल्कि लोगों की आस्था का प्रमाण भी है। उत्सव में पूर्व व्हिप एवं चेन्नूर के पूर्व विधायक बाल्का सुमन ने भी पहुँचकर श्री कालभैरव स्वामी के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना संपन्न की। उन्होंने प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य, समृद्धि और शांति की कामना करते हुए कहा कि यदि आने वाले दिनों में तेलंगाना में बी आर एस सरकार का गठन होता है, तो स्वयंभू श्री कालभैरव मंदिर को आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विशेष योजनाएँ शुरू की जाएंगी। उन्होंने मंदिर मार्ग, सुविधाएँ, श्रद्धालुओं के ठहराव और आसपास के क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने का आश्वासन भी दिया है।दिनभर चले भक्ति, पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भैरव जयंती को एक यादगार अवसर बना दिया। देर शाम तक पहाड़ी क्षेत्र में भक्तों की भीड़, दीपमालाओं की रोशनी और 'जय कालभैरव' के जयघोष से पारुपल्ली गाँव का वातावरण दिव्य रूप से प्रकाशित हुआ।

जिले में बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए नया अस्पताल निर्माण : कुमार दीपक

चेन्नूर, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में जिले के चेन्नूर मंडल मुख्यालय में निर्माणाधीन 100 बेड वाले सरकारी अस्पताल का जिलाधीश कुमार दीपक ने शुक्रवार को निरीक्षण किया।कलेक्टर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनता को तेज़, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से 100 बेड के आधुनिक सरकारी अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए और ठेकेदारों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों में तेजी लाई जाए।इसके बाद कलेक्टर ने सरकारी आदिवासी कल्याण बालक उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में जारी मरम्मत और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि सभी विद्यार्थियों को सुविधाओं से युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो। इसलिए स्कूल में चल रहे सभी कार्यों को जल्द पूरा कर उपयोग में लाया जाए। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।अधिकारियों के साथ कलेक्टर ने नगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्यों का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि पीएच भवन निर्माण को शीघ्र पूरा करते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन करना अनिवार्य है।इसके साथ ही कलेक्टर ने अमृत 2.0 परियोजना के तहत मंडल केंद्र में बन रहे पानी टैंक और पेयजल आपूर्ति से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक घर तक निरंतर और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और समय पर पूरा किया जाए।

साने गुरूजी इमर्जेंसी एंड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन 24 को

किनवट, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत जोड़ो युवा अकादमी संचालित साने गुरूजी इमर्जेंसी एंड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन तथा लोकार्पण समारोह बुधवार, 24 दिसंबर को सुबह 11 बजे मान्यवरों के हाथों एम आई डी सी कोठारी, किनवट स्थित संपन्न होगा। इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा हेतु रिजनेबल रेट में सेवा उपलब्ध होगी। इसका लाभ लेने की अपील साने गुरूजी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अशोक बेलखोडे ने की।

इस पिछड़े क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने के लिए अत्याधुनिक साने गुरूजी इमर्जेंसी एंड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन तथा लोकार्पण

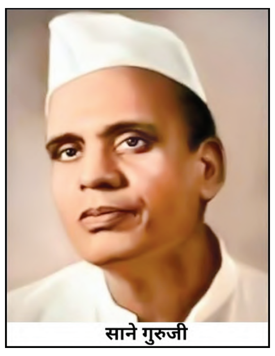

साने गुरुजी

समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवक डॉ. विकास आमटे करेंगे। अतिथि के रूप में सर्च गडचिरोली के पद्मश्री डॉ. अभय बंग, वरिष्ठ समाजसेवी मेधाताई पाटकर, वरिष्ठ नेत्रतज्ज्ञ पद्मश्री डॉ. तात्याराव लहाने के अलावा इस क्षेत्र के सांसद नागेश पाटील अष्टिकर, विधायक भिमराव केराम की प्रमुख उपस्थिति में लोकार्पण समारोह होगा।

भारत जोड़ो युवा अकादमी संचालित साने गुरूजी इमर्जेंसी एंड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल इस क्षेत्र के लिए गरीब, जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान होगा। स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होने से आम नागरिकों में खुशी दिखाई दे रही है। 24 दिसंबर को लोकार्पण समारोह कार्यक्रम की आमंत्रण पत्रिका समय के अभाव में वितरण में विलंब हुआ, इसलिए इस समारोह पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं। ऐसी भारत जोड़ो युवा अकादमी साने गुरूजी अस्पताल अध्यक्ष डॉ. अशोक बेलखोडे, सचिव बावगे ने दिया।

ग्राम पंचायत चुनावों के दूसरे चरण के लिए 862 पुलिसकर्मियों के साथ कड़ी सुरक्षा : एसपी नितिका पंत

आसिफाबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसपी नितिका पंत ने कहा कि जिले में स्थानीय निकाय चुनावों के पहले चरण को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने में जिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। जिला एसपी नितिका पंत (आईपीएस) ने बताया कि चुनावों के दूसरे चरण के तहत, इस महीने की 14 तारीख को बेज्जूर, चिंतलमनेपल्ली, दहेगाम, कौतला, पेंचिकलपेट और सिरपुर मंडलों में 113 सरपंच सीटों और 992 वार्ड सदस्य सीटों के लिए होने वाले चुनावों के लिए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पूरी है।

उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और जनता को चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन करने की सलाह दी जाती है।

एसपी ने बताया कि मतदान से 48 घंटे पहले यानी 12-12-2025 को शाम 5:00 बजे से मतदान समाप्त होने तक मौन अवधि लागू रहेगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान चुनावी सभाएं, बैठकें, घर-घर जाकर प्रचार करना, लाउडस्पीकर का प्रयोग, रैलियां और बाइक रैलियां पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर विशेष गार्ड, निगरानी दल, क्षेत्र नियंत्रण दल, रूट मोबाइल और स्ट्राइक फोर्स के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है ताकि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें। एसपी ने बताया कि दूसरे चरण के चुनाव के लिए कुल 862 लोगों को नियुक्त किया गया है। आज शाम 5 बजे से चुनाव समाप्त होने तक जिले में धारा 163 बीएनएसएस (धारा 144) लागू रहेगी और मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या अधिक लोगों के समूह एकत्र नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकर्ताओं को वहां एकत्र होने से रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शराब की दुकानें आज शाम 5 बजे से बंद रहेंगी।

मतदान से 48 घंटे पहले किसी भी प्रकार के प्रचार कार्यक्रम, रैलियों और सभाओं का आयोजन पूर्णतः प्रतिबंधित है।

उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली या बाइक रैली की अनुमति नहीं है, और विजय समारोह केवल तीसरे चरण के चुनाव पूर्ण होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित तिथियों पर ही आयोजित किए जा सकते हैं।

एसपी नितिका पंत ने जनता से पुलिस को पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया ताकि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सकें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या घटना को देखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने को कहा।

बीआरएस की वापसी की शुरुआत हो चुकी है : चिंथा प्रभाकर

संगारेड्डी, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संगारेड्डी के विधायक चिंथा प्रभाकर ने, जिन्होंने शुक्रवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र में नव-निर्वाचित सरपंचों को बधाई दी, इस बात को दोहराया कि राज्य में अगले विधानसभा चुनावों में बीआरएस (बीआराएस) फिर से सत्ता में वापसी करेगा।उन्हें मिलने आए नव-निर्वाचित सरपंचों और वार्ड सदस्यों को संबोधित करते हुए, प्रभाकर ने ग्राम पंचायत चुनावों को जीतने में पार्टी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि चूंकि लोग बीआरएस की विकास और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में जानते हैं, इसलिए उन्होंने पार्टी समर्थित उम्मीदवारों पर अपना विश्वास बनाए रखा है। इस अवसर पर बीआरएस नेता कसाला बूची रेड्डी, कोंडल रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

जवाहर नवोदय परीक्षा केंद्रों पर आज से धारा 163 बीएनएसएस का कार्यान्वयन

आसिफाबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसपी नितिका पंत ने बताया कि कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2026 के लिए कुल 6 परीक्षा केंद्र हैं।

परीक्षा केंद्र विवरण: सेंट मैरी हाई स्कूल, जनकपुर, आसिफाबाद, तेलंगाना मॉडल स्कूल, आसिफाबाद,

जवाहर नवोदय विद्यालय, कागजनगर, सेंट क्लैरेट हाई स्कूल, कागजनगर, जेड.पी.एस.एस., सिरपुर, तेलंगाना और टी.एस.डब्ल्यू.आर.आर.जे.सी. (लड़कियां), सिरपुर, तेलंगाना।

जिला एसपी ने घोषणा की है कि परीक्षा केंद्रों से 500 मीटर के दायरे में सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक धारा 163 बीएनएसएस लागू रहेगी। इस धारा के अनुसार, परीक्षा केंद्रों से 500 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों का एकत्र होना प्रतिबंधित है। परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित इंटरनेट और ज़ेरॉक्स केंद्र बंद रहेंगे।

शांति और सुरक्षा भंग करने वाले किसी भी समूह या व्यक्ति के जमावड़े की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने जनता को स्पष्ट रूप से सूचित कर दिया है कि उपरोक्त नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उसे दंडनीय माना जाएगा।

जिला एसपी ने जनता से परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण सहयोग की अपील की है।

टीटीडी ने पूरे आंध्र प्रदेश में 60 मंदिरों तक अन्नप्रसादम सेवाओं का विस्तार किया

तिरुपति, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के निर्देशों का पालन करते हुए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपने सभी मंदिरों में भक्तों को स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता वाला अन्नप्रसादम उपलब्ध कराने के लिए व्यापक व्यवस्था शुरू कर दी है।

टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायडू और टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल की देखरेख में, राज्य भर में टीटीडी द्वारा संचालित 60 मंदिरों में मुफ्त अन्नप्रसादम वितरण शुरू करने की तैयारी चल रही है।

टीटीडी ने सबसे पहले 06 अप्रैल, 1985 को मुफ्त अन्नप्रसादम वितरण शुरू किया था, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री एन.टी. रामाराव द्वारा उद्घाटन की गई एसवी नित्य प्रसादम योजना के तहत प्रतिदिन लगभग 2,000 भक्तों को भोजन परोसा जाता था।

श्री वेंकटेश्वर नित्य अन्नदानम ट्रस्ट का गठन 1 अप्रैल, 1994 को किया गया था, जिसका नाम बाद में 2014 में बदलकर श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट कर दिया गया।

7 जुलाई, 2011 से, तिरुमाला में आधुनिक मातृश्री तारिगोंडा वेंगमामबा अन्नप्रसादम कॉम्प्लेक्स (एमटीवीएसी) में अन्नप्रसादम वितरित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने किया था।

15 नवंबर, 2025 तक, टीटीडी ट्रस्ट के पास फिक्स्ड डिपॉजिट में 2,316 करोड़ हैं।

तिरुपति में, तिरुचानूर अन्नप्रसादम केंद्र, श्री गोविन्दराज स्वामी मंदिर, श्रीनिवासम, विष्णु निवासम, स्थानीय अस्पताल, श्री कोडंडराम स्वामी मंदिर और वोंटीमिट्टा में वितरण होता है। यहाँ दैनिक लाभार्थी 15,000 से 16,000 तक होते हैं, जबकि सप्ताहांत में उनकी संख्या लगभग 20,000 तक पहुँच जाती है।

तिरुपति में, तिरुचानूर अन्नप्रसादम केंद्र, श्री गोविन्दराज स्वामी मंदिर, श्रीनिवासम, विष्णु निवासम, स्थानीय अस्पताल, श्री कोडंडराम स्वामी मंदिर और वोंटीमिट्टा में वितरण होता है। यहाँ दैनिक लाभार्थी 15,000 से 16,000 तक होते हैं, जबकि सप्ताहांत में उनकी संख्या लगभग 20,000 तक पहुँच जाती है।

तिरुपति में, अन्नप्रसादम रामबगीचा बस स्टैंड, एएनसी, सीआरओ, फूड काउंटर, पीएसी-1/2/4/5 हॉल, वैकुंठम क्यू कॉम्प्लेक्स 1 और 2, नारायणा गिरी शेड, बाहरी कतारों और एमटीवीएसी सहित कई स्थानों पर परोसा जाता है।

नियमित दिनों में, तिरुमाला में 1.80 लाख से 1.90 लाख भक्त अन्नप्रसादम प्राप्त करते हैं। सप्ताहांत में, यह संख्या बढ़कर 2-2.10 लाख हो जाती है। नए साल, वैकुंठ एकादशी, रथसप्तमी और गरुड़ सेवा जैसे विशेष अवसरों पर, यह संख्या 2 लाख को पार कर जाती है।

एससीसीएल कंपनी स्तर क्रिकेट टूर्नामेंट 16 से

कोत्तागुडेम, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी कोल कोलियरीज लिमिटेड (एससीसीएल) 16 से 18 दिसंबर तक कोत्तागुडेम क्षेत्र में कंपनी स्तर का क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने जा रहा है। यह जानकारी क्षेत्रीय महाप्रबंधक एम. शालेम राजू ने दी।एजीएम (कार्मिक) जी.वी. मोहन राव, एजीएम (सिविल) च. रामकृष्णा और अन्य अधिकारियों ने प्रोफेसर जयशंकर स्टेडियम, रुद्रंपुर में मैदान को समतल करने, दिन-रात मैचों के लिए फ्लडलाइट सुविधा स्थापित करने आदि कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।इस टूर्नामेंट में छह टीमें भाग लेंगी, जिनमें कोठागुडेम और कॉर्पोरेट, येल्लांदु और मणुगुरु, भूपालपल्ली, रामागुंडम क्षेत्र, श्रीरामपुर, बेल्लमपल्ली और मंडामर्री शामिल हैं।इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को कोल इंडिया इंटर कंपनी स्तर टूर्नामेंट के लिए चुना जाएगा। अधिकारियों ने टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए आवास सुविधाओं की भी व्यवस्था कर रहे हैं।

पेद्दापल्ली में सरपंच उम्मीदवार ने दो वोटों के मामूली अंतर से जीत दर्ज की

पेद्दापल्ली, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंथनी मंडल के चिन्नाओडाला में सरपंच पद की एक उम्मीदवार ने दो वोटों के बेहद कम अंतर से सीट जीती है।नागुला शारदा, येडला पद्मा और कुछ अन्य लोगों ने चिन्नाओडाला सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ा था। शारदा ने 326 वोट हासिल किए, जबकि पद्मा को 324 वोट मिले। तेरह वोटों को अमान्य घोषित किया गया।

पद्मा द्वारा किए गए अनुरोध के बाद, मतदान अधिकारियों ने कई बार वोटों की गिनती की और परिणाम अपरिवर्तित रहने पर शारदा को विजेता घोषित कर दिया।

80 वर्ष से अधिक उम्र की दो महिलाओं ने पेद्दापल्ली में सरपंच पद जीते

पेद्दापल्ली, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को हुए ग्राम पंचायत चुनावों में मंथनी मंडल में 80 वर्ष से अधिक उम्र की दो महिलाओं ने सरपंच पद पर जीत हासिल की है। काशीपेटा वेंकटम्मा उप्पतला से चुनी गईं और गोडारी लक्ष्मी ने सिरिपुरम सरपंच सीट जीती।उप्पतला सरपंच पद सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित था। अनुसूचित जाति समुदाय से ताल्लुक रखने वाली वेंकटम्मा ने सामान्य महिला वर्ग में चुनाव लड़ा और अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी बडिकेला स्वरूपा को 241 वोटों के बड़े अंतर से हराया। वेंकटम्मा को 501 वोट मिले, जबकि स्वरूपा को 260 वोट प्राप्त हुए।

लॉटरी, एक वोट का अंतर और पारिवारिक मुकाबले

खम्मम ग्राम पंचायत चुनावों की खास बातें

खम्मम, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। खम्मम में ग्राम पंचायत चुनावों के पहले चरण में कुछ दिलचस्प घटनाएँ देखने को मिलीं, जैसे कि सरपंच उम्मीदवारों का लॉटरी द्वारा, एक या दो वोटों के अंतर से जीतना, और एक भाई द्वारा अपने ही भाई को हराना।

रघुनाथपालम मंडल की पुटानी थंडा सरपंच सीट के लिए चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस-समर्थित उम्मीदवार मूदु चिन्ना का भाग्य ने साथ दिया, क्योंकि उन्होंने लॉटरी द्वारा सीट जीती। चिन्ना और बीआरएस उम्मीदवार बानोथ मीनाक्षी दोनों को 224-224 वोट मिले। इसलिए, चुनाव अधिकारियों ने लॉटरी द्वारा विजेता उम्मीदवार का फैसला किया। मीनाक्षी के पक्ष में पड़े दो वोट अमान्य होने के कारण उन्हें यह सीट गँवानी पड़ी।

उसी मंडल के बड्या थंडा में, चुनाव अधिकारियों को तीन बार वोटों की गिनती करनी पड़ी, क्योंकि कांग्रेस उम्मीदवार कोटेश ने बीआरएस उम्मीदवार पेंट्या नाइक की जीत पर आपत्ति जताई थी। पेंट्या नाइक ने 260 वोट हासिल कर सरपंच सीट जीती, जबकि कोटेश को 259 वोट मिले।तीन बार वोटों की गिनती के बाद भी परिणाम वही रहा। लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण परिणाम की घोषणा में देरी हुई। देर रात, चुनाव अधिकारियों ने घोषणा की कि पेंट्या नाइक ने एक वोट के अंतर से सीट जीती है।मधिरा मंडल में, कांग्रेस के सरपंच उम्मीदवार च कल्याणा चक्रवर्ती ने दो वोटों के अंतर से बय्यारम सरपंच सीट जीती। येर्रुपालम मंडल में, कांग्रेस की टी रोजा कुमारी ने तेल्लापालेम सरपंच सीट एक वोट के अंतर से जीती, जबकि इसी मंडल में कांग्रेस के उम्मीदवार टी नागि रेड्डी ने तीन वोटों के अंतर से लक्ष्मीपुरम सरपंच सीट जीती।दो इंजीनियरिंग स्नातक, भुक्या रमना और तम्मीनेनी प्रियंका, वीआर बंजर और चिंतागुर्थी जीपी के सरपंच के रूप में चुने गए, जबकि रघुनाथपालम मंडल में एक निजी कॉलेज की लेक्चरर मलोथ ज्योति ने जीके बंजर सरपंच सीट जीती।बोनाकल मंडल में, कांग्रेस की बागी उम्मीदवार चंद्रा सरिता ने अपनी बहू चंद्रा शीलक्ष्मी को हराकर चिन्ना बीरावल्ली सरपंच सीट हासिल की। वाईरा मंडल में, ताडिकमल्ला नागार्जुन ने मुसलीमडुगु जीपी सरपंच सीट के लिए अपने भाई ताडिकमल्ला नागेश्वर राव को हराया। वे दोनों कांग्रेस पार्टी से संबंधित हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अखिलेश यादव का बड़ा आरोप: 'मतदाता सूची से 3 करोड़ नाम हटाने की साजिश'

-हैदराबाद दौरे में भाजपा व चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल

-जुबली हिल्स में सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात के दौरान व्यक्त की चिंता

-मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन पर उठाई आपत्ति

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद दौरे के दौरान, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में लगभग 3 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया।

अखिलेश यादव ने ये तीखी टिप्पणियां जुबली हिल्स स्थित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आवास पर हुई शिष्टाचार मुलाकात के दौरान कीं। यादव ने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन के नाम पर यह कार्रवाई की जा रही है, जिसका उनके अनुसार चुनावी परिणामों में हेरफेर करने के उद्देश्य से दुरुपयोग किया जा रहा है।

बैठक में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अखिलेश यादव को तेलंगाना सरकार के विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों, तथा सार्वजनिक सेवाओं और शासन में सुधारों के बारे में जानकारी दी। वहीं, अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के बदलते राजनीतिक माहौल पर गहरी चिंता व्यक्त की और संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

मेस्सी फुटबॉल मैच के विरोध में प्रदर्शन के बाद भाजपा नेता महेश्र रेड्डी गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा विधायक दल के नेता ई. महेश्वर रेड्डी को शुक्रवार को सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के प्रधान कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। यह विरोध अंतरराष्ट्रीय स्टार लियोनेल मेस्सी और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की टीम के प्रस्तावित प्रदर्शनी फुटबॉल मैच के लिए सार्वजनिक धन के कथित आवंटन के विरोध में था।

पुलिस ने ई. महेश्वर रेड्डी और कई पार्टी कार्यकर्ताओं को विरोध स्थल से भाजपा के प्रदेश कार्यालय ले जाकर हिरासत में लिया। बाद में उन्हें बेगम बाजार पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

भाजपा ने धरना प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि सिंगरेनी के फंड को इस कार्यक्रम को प्रायोजित करने के लिए मोड़ा जा रहा है, जिसे उन्होंने सार्वजनिक धन का अनुचित उपयोग बताया।

सभा को संबोधित करते हुए, ई. महेश्वर रेड्डी ने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला और उन पर ''फुटबॉल पार्टी'' कहे जाने वाले इस आयोजन के लिए सरकारी धन के 100 करोड़ रुपये से अधिक के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

उन्होंने मांग की कि सरकार यह खुलासा करे कि उपप्ल स्टेडियम में होने वाले इस मैच पर कितना पैसा खर्च किया जा रहा है, किन विभागों द्वारा फंड दिया जा रहा है और इस तरह के खर्च का उद्देश्य क्या है।उन्होंने उन खबरों पर भी स्पष्टता मांगी जिनमें कहा गया था कि सिंगरेनी मुख्यमंत्री की टीम को प्रायोजित कर रहा है, और सवाल किया कि फंड का उपयोग संगठन के भीतर कर्मचारी कल्याण या खेलों को बढ़ावा देने के लिए क्यों नहीं किया जा रहा है।भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मेस्सी की उपस्थिति फीस, साथ ही फुटबॉलर और उनके सुरक्षा कर्मियों के यात्रा और आवास का खर्च सरकारी संसाधनों का उपयोग करके वहन किया जा रहा है।उन्होंने दावा किया कि उपप्ल क्रिकेट स्टेडियम को फुटबॉल मैदान में बदलने और बाद में उसे फिर से बहाल करने में अतिरिक्त 10 करोड़ रुपये लगेंगे, जिसे उन्होंने सार्वजनिक वित्त पर एक अनावश्यक बोझ बताया।

FRIENDS OF TRIBALS SOCIETY
(AFFILIATED TO EKAL ABHIYAN TRUST)
వనబంధు పరిషత్ वनबंधु परिषद
EKAL VIDYALAYA A PEOPLE'S MOVEMENT
Telangana Chapter : 81/A/1, Lane - 15, Sub Lane -1, MLA Colony, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034.
Email : fts.ts@ekal.org Web : www.ftsindia.com
FRIENDS OF TRIBALS SOCIETY
वार्षिक साधारण सभा एवं दानदाता का सम्मान समारोह
रविवार, 14 दिसम्बर 2025, प्रातः 11:00 बजे
स्थान : वेल्किन हाइट्स बैंक्वेट हॉल, बेगमपेट, हैदराबाद
पावन सान्निध्य :
श्रीश्री त्रिदण्डी रामानुज देवनाथ जीयर स्वामीजी
जीयर आश्रम - स्टैच्यू ऑफ़ इक्वालिटी, मुचिंतल (शमशाबाद) हैदराबाद

मुख्य अतिथि : श्री संदीप पटनायक
Sr. Managing Director-Jones Lang Lasalle (JLL)
विशिष्ट अतिथि : श्री गोविन्द राठी
मानद सचिव-राजस्थानी प्रगति समाज, हैदराबाद
श्री रमेश माहेश्वरी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, FTS
श्री अतुल शाह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, एकल ग्राम संगठन
आपकी गरिमामयी उपस्थिति हमारे ध्येय और वनवासी एवं दूर गाँवों के लाभार्थियों के लिए प्रेरणादायक एवं उत्साहवर्धक रहेगी।
कार्यक्रम के पश्चात् मध्याह्न भोजन की व्यवस्था रहेगी।

अखिलेश यादव की तेलंगाना में राजनीतिक बदलाव की भविष्यवाणी

लोग फिर बीआरएस पर भरोसा करेंगे

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि उनका मानना है कि तेलंगाना में राजनीतिक गतिशीलता बदलेगी और अगर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) लोगों से मजबूती से जुड़ी रहती है, तो जनता एक बार फिर उसका समर्थन करेगी।

उन्होंने कहा कि जो पार्टियां लोगों के साथ खड़ी रहती हैं और उनके मुद्दों के लिए लड़ती हैं, वे हमेशा जनता का विश्वास दोबारा हासिल करती हैं।

अखिलेश यादव ने हैदराबाद स्थित बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) के आवास पर उनसे मुलाकात की और बाद में उनके साथ मीडिया को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि जीत और हार राजनीतिक जीवन का हिस्सा हैं और ये आत्मनिरीक्षण का अवसर देती हैं।उत्तर प्रदेश में सपा की यात्रा का उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहा कि पिछली असफलताओं के बावजूद, पार्टी ने महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि की है और 37 लोकसभा सांसदों के साथ देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

उन्होंने कहा, कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि लोग कब या किसे समर्थन देंगे। यदि कोई पार्टी लोगों से जुड़ी रहती है, तो वे उसे एक और मौका देंगे। हमें तेलंगाना में भी इसी तरह के बदलाव की उम्मीद है।विभाजनकारी राजनीति से दूर हटने का आह्वान करते हुए, अखिलेश यादव ने कहा कि देश को विकास और सकारात्मक शासन पर केंद्रित प्रगतिशील राजनीति की आवश्यकता है।

केटीआर ने अखिलेश यादव को एक प्रेरणास्रोत बताया, उन्होंने पिछली चुनावी हार के बाद सपा की किस्मत बदलने में उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बीआरएस भी तेलंगाना में इसी तरह वापसी करेगा। केटीआर ने कहा कि उन्होंने सपा प्रमुख के साथ विस्तार से चर्चा की है, और अखिलेश यादव के अगली यात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मिलने की उम्मीद है।उन्होंने बीआरएस नेताओं के साथ समय बिताने और पार्टी की मेजबानी स्वीकार करने के लिए अखिलेश यादव को धन्यवाद दिया।

पावरग्रिड अनंतपुरम कर्नूल ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

सार्वजनिक सूचना

पावरग्रिड अनंतपुरम कर्नूल ट्रांसमिशन लिमिटेड ने टीबीसीबी रूट के अन्तर्गत "अनंतपुरम (अनंतपुर) (2500 एमडब्ल्यू) और कर्नूल (1000 एमडब्ल्यू), आंध्र प्रदेश में सोलर एनर्जी जोन के लिए ट्रांसमिशन स्कीम" से जुड़े **400 केवी डी/सी (क्वाड मूस) अनंतपुरम पीएस - कर्नूल-III पीएस टीएल** का निर्माण पूरा कर लिया है। विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों और उसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार, सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त लाइन 14.12.2025 से चार्ज होगी। यह लाइन **आंध्र प्रदेश राज्य** के निम्नलिखित गाँवों से होकर गुजर रही है:

क्र.सं.	ग्राम का नाम	तहसील/मंडल	जिला
01	दोनिमुक्कला, गोंडेरला, तिम्मापुरम, तिम्मापुरम थांडा, नल्लादसारा पल्ली, दोनचार्ला, नक्कानादोड्डी, पाताकोत्ता चेरूवु, नेलागोंडा, नक्कानादोड्डी थांडा, गोल्लालादोड्डी, सेवाघड़।	गुंतकल	अनंतपुर
02	चेरलोपल्ली, पेदोड्डी, अब्बेदोड्डी, अनिगानिदोड्डी, मार्नेपल्ली, मामादुरू, राजापुरम, थोंडापाडु, तुरकापल्ली, गुत्ती सिटी, गुत्ती रूरल, एंगिलिबंडा, कोत्तापेटा, जक्कालाचेरुवु, इसुरल्ला पल्ली, ब्राह्मणापल्ली, एर्रागुडी	गुत्ती	अनंतपुर
03	काचेपल्ली, अपेचेरला, वेंकटपुरम, क्रिस्टापाडु, गुत्ती अनंतपुरम, मामिलाचेरुवु, ए. थिम्मापुरम, एनिक्कायाकोंडा, जी वेंकटम्पल्ले, एंकिरेडिपल्ली, बंडारलापल्ली, वेरेपल्ली, कडारागुट्टापल्लि, क्रिस्टीपाडु, कोंडुपल्ली, कोत्तापल्ली, विरूपापुरम, अवुलमपल्ली, मल्लनीपल्ली, लक्ष्मीपल्ली, बुर्नाकुंटा, मुप्पलागुट्टा	पेड्डा वडुगुरू	अनंतपुर
04	दयालमडुगु, श्रीरंगापुरम, केसवानायनिपेटा, चंदना पछारुमेकलापल्ली, श्रीनिवासपुरम, रायलाचेरुवु, चिन्नापेटा, पिन्नापुरम, यादिकी, विरान्नापल्ली, विरारेड्डीपल्ली, चिक्केपल्ली, निट्टूर, शिवरामापुरम, चिंतामनुपल्ली, अड्डाकोंडा, पेने पल्ली, गुडीपाडु, कमालापाडु, ओबुलापुरम, कुर्माजीपेटा, बोगलाकट्टा, रामाराजुपल्ली, टुट्रालापल्ली, पेड्डापेटा, वेमुलापाडु, कोत्तलपल्ली, टिप्पारेड्डीपल्ली, तिर्नमपल्ली, कोत्तापल्ली।	यादिकी	अनंतपुर
05	चिमलावागुपल्ली	पेड्डा पप्पुरू	अनंतपुर
06	तिम्मापल्ली, कोत्तुरु, ब्राह्मणापल्ली, वेंकटमपल्ली, बुग्गा, अय्युवरिपल्ली, भोगसमुद्रम, वरदयापल्ले, कावेरीसमुस्रम, वेंकटरेड्डी पल्ले, तलारीचेरुवु, तालामिट्टापल्ले, गंगादेवीपल्ले, गड्डारागिट्टापल्ले, गोसुवरिपल्ले।	ताडिपत्री	अनंतपुर
07	गुरुवाणीपल्ली, पेंटीकोटा, कनकाद्रिपल्ली, राघवराजुपल्ले, कोलिमिगुंडला, कम्मावरिपल्ले, इतिक्याला, थिम्मनायुनिपेटा, कलवतला, नंदीपाडु, जक्कासानिकुंटा, कोंडामिडिपल्ले, चिंतालायालापल्ली, तिम्मनयनिपेटा, सतरियम चेन्नमपल्ले, कलवताला, कोटापाडु, कोरुमानीपल्ले, अब्दुल्लापुरम, अंकिरेड्डीपल्ली, थोलामाडुगु।	कोलिमिगुंडला	नांदयाल

सर्व साधारण से अपील है कि वे 14.12.2025 को या उसके बाद उपरोक्त ट्रांसमिशन लाइन और उसके टावरों से दूर रहें और इन टावरों पर न चढ़ें और न ही ऐसी किसी लाइन को छुएं। ऐसा कोई भी काम करने से बिजली का गंभीर झटका लग सकता है या कोई दुर्घटना हो सकती है जो जानलेवा हो सकती है। इस अपील का उल्लंघन करने वाले किसी भी काम के लिए, जिससे कोई दुर्घटना होती है या जान–माल का नुकसान होता है, चाहे वह प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष या परिणामस्वरूप हो, तो **पावरग्रिड अनंतपुरम कर्नूल ट्रांसमिशन लिमिटेड** या उसके कर्मचारी की **कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।**

हस्ता/-
मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएँ)
पीएकेटीएल, गुत्ती सीएओ

पावरग्रिड अनंतपुरम कर्नूल ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
निर्माण क्षेत्र कार्यालयः सी/ओ 400 केवी पावरग्रिड गुत्ती सबस्टेशन, कर्नूल रोड, गुत्ती, अनंतपुर जिला, आंध्र प्रदेश-515402
क्षेत्रीय मुख्यालयः दक्षिणी क्षेत्र–I, 6-6-8/32 और 395ई, कवादीगुडा, सिकंदराबाद-500080
पंजीकृत कार्यालयः बी-09, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 फोनः 011-26560112, 26560121
सीआईएनः U40106DL2020GOI363683
SR-I/PR/Advt-10/2025-26/Airads

हैदराबाद के दो सरकारी स्कूलों में भोजन से बिगड़ी बच्चों की तबीयत

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में शुक्रवार, 12 दिसंबर को खाद्य विषाक्तता की दो अलग–अलग घटनाएं सामने आईं, जिससे सरकारी स्कूलों में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर गंभीर चिंताएं गहराई हैं।

मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय, चंद्र नाइक थंडा, माधापुर, में एनजीओ अक्षय पात्र द्वारा 102 छात्रों को दोपहर का भोजन परोसा गया। भोजन के बाद मिठाई के रूप में सेवइयां खीर दी गई, जिसके कारण कथित तौर पर 44 छात्रों को उल्टी होने लगी।दोपहर लगभग 3:00 बजे, प्रभावित बच्चों को उपचार के लिए कोंडापुर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इनमें से छह छात्रों को बेहतर इलाज के लिए गाचीबौली के रेनबो अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

माधापुर पुलिस ने बताया कि भर्ती किए गए सभी छात्र खतरे से बाहर हैं।इससे पहले दिन में, बाग लिंगमपल्ली स्थित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के 16 छात्रों को गुरुवार को परोसे गए भोजन के बाद उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने पर किंग कोटी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ठंड का कहर, तापमान में गिरावट

हैदराबाद, 12 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु राज्यों में ठंड का कहर जारी है, जिससे मौसम विभाग ने तेलंगाना के लोगों के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। तापमान गिरने के साथ, अधिकारियों को उम्मीद है कि ठंडी हवाएँ कम से कम अगले दो दिनों तक जारी रहेंगी। यात्रियों को, खासकर सुबह और शाम को, सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, और बुज़ुर्गों और बच्चों का खास ध्यान रखने को कहा गया है। आदिलाबाद, निर्मल और आसिफाबाद ज़िलों में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज किया गया है, आदिलाबाद में 6.2 डिग्री सेल्सियस का टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया है। दूसरे खास तापमानों में मेडक में 7.2 डिग्री, हनुमाकोंडा में 8.6 डिग्री, निज़ामाबाद में 11.4 डिग्री और हैदराबाद में 12.2 डिग्री शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि वीकेंड में भी ऐसे ही हालात रहेंगे, जिसके चलते 32 ज़िलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हैदराबाद और उसके आस–पास के कई इलाकों में सिंगल–डिजिट टेम्परेचर रिपोर्ट किया जा रहा है, जिससे चिंता बढ़ गई है।

श्री बालाजी बाबोसा मंदिर लोकार्पण

रविवार
दि.14-12-2025
कलश यात्रा
सायं 4:11 बजे
पिल्लर नं.143, राहुल अड्डा होटल के समीप, जनप्रिया उटोपिया अपार्टमेन्ट रोड, हैदरगुडा, अत्तापुर, हैदराबाद से
कलश यात्रा में सम्मिलित होने सम्पर्क करें :
9985077329, 9533555775
9959222390, 9849059880
9963091881, 9985781161
रविवार
दि.14-12-2025
मंदिर लोकार्पण एवं विशाल भजन संध्या
सायं 6:11 बजे
श्री बालाजी बाबोसा भगवान मंदिर
3-3-76/1, प्लॉट नं.5, चैतन्य विलास कॉलोनी, महादेव स्वीट हाउस की गली, अत्तापुर, हैदराबाद
परम आराधिका मंजू बाईसा के पावन करकमलों द्वारा
श्री बाबोसा भगवान, श्री गणेशजी, श्री लक्ष्मीजी, श्री राधाकृष्णजी, श्री राम दरबार, श्री दुर्गा माता, श्री शिव परिवार, श्री तिरुपति बालाजी, श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी, श्री भैरोंनाथजी, श्री हनुमानजी, श्री नवग्रह, श्री रामदेवजी, श्री विश्वकर्माजी की
प्राण प्रतिष्ठा और महाअभिषेक
भण्डारा मूर्ति स्थापना उपरांत
सभी सनातन धर्म प्रेमी बन्धु सपरिवार सादर आमंत्रित है।
सवामनी प्रसाद हेतु सम्पर्क सूत्र
9393091847, 8977531990
VALET PARKING AVAILABLE
LIVE WWW.facebook.com/manjubaisa
YouTube BABOSA BLESSINGS
कार्यक्रम सम्पर्क सूत्र :
श्री बालाजी बाबोसा शक्तिपीठ ट्रस्ट | श्री बालाजी बाबोसा भक्त मंडल
9346104575, 8885012911, 9391021163, 9391274256, 9879072061, 9246186635

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.